@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 27 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 257 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मंत्रणा समिति की बैठक में सहमतिः सोमवार से संसद में पहलगाम हमले पर चर्चा होने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा एवं राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में बनी सहमति के अनुसार अगले सप्ताह से दोनों सदनों में कामकाज होने की संभावना है। निचले सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने बताया कि अगले सोमवार से सदन में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा होगी। राज्य सभा की बीएसी बैठक में पहले ही यह तय हो चुका है कि अगले सप्ताह उच्च सदन में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की जाएगी। लोक सभा में कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ (26 जुलाई) के अवसर पर इस युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। इससे पहले संसद में विपक्ष द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के कारण मॉनसून सत्र के पहले दिन से जारी गतिरोध शुक्रवार को भी टूटा। लेकिन शुक्रवार को

विपक्ष के हंगामे के कारण लोक सभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे के उपरांत और राज्य सभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बजे के पश्चात पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के कारण दोनों सदनों में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं चल सके। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष के प्रतिनिधियों की शुक्रवार को हुई बैठक में फैसला किया गया कि सदन में गतिरोध खत्म कर अगले सोमवार से कार्यवाही नियमित रूप से संचालित की जाएगी। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ शुक्रवार को संसद भवन परिसर में मार्च किया और प्रतीकात्मक विरोध करते हुए एसआईआर लिखे पोस्टर फाड़कर कूड़ेदान में डाले। विपक्ष के नेताओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा से संसद भवन के 'मकर द्वार' तक मार्च निकाला। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता एवं लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए।

मालदीव के उपराष्ट्रपति और पूर्व राष्ट्रपति से मिले मोदी, दोनों देशों के संबंधों पर हुई बात

माले/नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव की दो दिन की यात्रा के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां माले में वहां के उपराष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद लतीफ़, पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद और संसद के अध्यक्ष अब्दुल रहीम अब्दुल्ला के साथ मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

श्री मोदी ने उपराष्ट्रपति के साथ मुलाकात के बाद कहा कि इस दौरान बातचीत भारत-मालदीव मैत्री के प्रमुख स्तंभों पर केन्द्रित रही और उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में दोनों देशों की साझेदारी और अधिक प्रगाढ होगी। उन्होंने कहा, ÷उपराष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद लतीफ़ के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। हमारी चर्चा भारत-मालदीव मैत्री के प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित रही। हमारे देश बुनियादी ढाँचे, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में मिलकर काम करना जारी रखे हुए हैं। यह हमारे लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी है। हम आने वाले वर्षों में इस साझेदारी को और गहरा करने की आशा

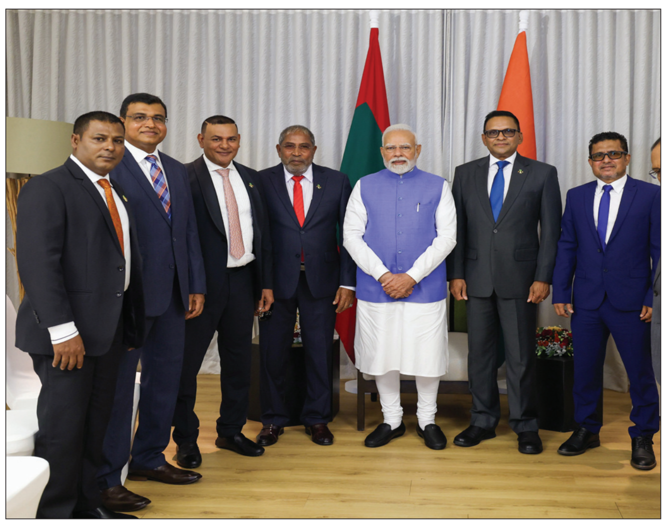

करते हैं।÷

प्रधानमंत्री ने श्री नशीद को भारत-मालदीव मैत्री के प्रबल समर्थक बताया और कहा कि मालदीव हमेशा भारत की पड़ोसी पहले की नीति का महत्वपूर्ण बिन्दू रहेगा। उन्होंने कहा, ÷मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति श्री मोहम्मद नशीद से मुलाकात की। वे हमेशा से भारत-मालदीव मैत्री के प्रबल समर्थक रहे हैं। मालदीव हमेशा हमारी 'पड़ोसी पहले' नीति और महासागर दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहेगा। भारत क्षमता निर्माण और विकासात्मक सहयोग के माध्यम से मालदीव का समर्थन करता रहेगा।' मालदीव की संसद के अध्यक्ष श्री अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि 20वीं मजलिस में भारत-मालदीव संसदीय मैत्री समूह का गठन द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा, ÷पीपुल्स मजलिस के अध्यक्ष श्री अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से मुलाकात की। भारत-मालदीव की गहरी मित्रता, जिसमें हमारी संसदों के बीच घनिष्ठ संबंध भी शामिल हैं, पर चर्चा की। 20वीं मजलिस में भारत-मालदीव संसदीय मैत्री समूह का गठन द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। भारत मालदीव में क्षमता निर्माण में सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है।'

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी शाम को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगे और इसके बाद वह स्वदेश रवाना हो जायेंगे।

प्रधानमंत्री दो देशों की चार दिन की यात्रा पर 23 जुलाई को पहली चरण की यात्रा पर ब्रिटेन के लिए रवाना हुए थे।

कांग्रेस की चुनावी हार के लिए 'पक्षपाती अंपायर' निर्वाचन आयोग जिम्मेदार : राहुल गांधी

आणंद (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में पार्टी के जिला इकाई प्रमुखों को आश्वासन दिया कि चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करते समय उनकी राय पर भी विचार किया जाएगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'संगठन सृजन अभियान' (पार्टी संगठन को मजबूत करने का अभियान) के तहत कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में अपने संबोधन के दौरान निर्वाचन आयोग पर 'पक्षपाती' होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके 'मुख्य गढ़' गुजरात में हराना महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस ने 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आणंद शहर के पास एक रिसॉर्ट में जिला पार्टी कमेटियों के नवनियुक्त अध्यक्षों के लिए शिविर का आयोजन किया है। पार्टी के मिशन 2027 के लिए खाका तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर का समापन 28 जुलाई को होगा।

गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों का मार्गदर्शन किया और आश्वासन दिया कि नेतृत्व पूरी तरह से पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ है।

राजकोट जिला कांग्रेस प्रमुख राजदीपसिंह जडेजा ने कहा, 'राहुल गांधी ने हमसे लोगों से जुड़े मुद्दे उठाने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभिन्न चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन से पहले शहर और जिला इकाई प्रमुखों से परामर्श किया जाएगा।' एक अन्य नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने क्रिकेट की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए निर्वाचन आयोग पर 'पक्षपाती अंपायर' होने का आरोप लगाया, जिसके कारण कांग्रेस चुनाव हार रही है।

कांग्रेस की सुरेंद्रनगर जिला इकाई के प्रमुख नौशाद सोलंकी ने कहा, 'क्रिकेट में अगर आप बार-बार आउट हो जाते हैं, तो आप खुद पर शक करने लगते हैं। लेकिन फिर आपको एहसास होता है कि आप अपनी गलती की वजह से आउट नहीं हो रहे हैं। यह अंपायर है जो पक्षपाती है। राहुल जी ने यह बात कही और हमें भरोसा दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि हम 2017 के गुजरात चुनाव निर्वाचन आयोग की संदिग्ध मतदाता सूची के कारण हारे थे।'

तमिलनाडु की भूमि पर वीरों ने स्वतंत्र और समर्थ भारत का सपना बुना था : नरेंद्र मोदी

तूतीकोरिन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिटेन ने तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 4,900 करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं में नया टर्मिनल भवन, हाईवे प्रोजेक्ट, बंदरगाह, रेलवे और पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट आदि शामिल हैं। पीएम मोदी ने इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तमिलनाडु अभूतपूर्व विकास के रास्ते पर है। यह तरक्की राज्य को विकसित भारत की प्रेरक शक्ति बनाने के लिए केंद्र सरकार के संकल्प को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए चोल सम्राट राजेंद्र प्रथम के इतिहास में योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने गुलामी के दौर में समुद्र के जरिए व्यापार की ताकत को समझा। उन्होंने समंदर में स्वदेशी जहाज चलाकर विदेशियों को चुनौती दी। बता दें कि पीएम मोदी रविवार को राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती और उनकी दक्षिण-पूर्व एशिया की ऐतिहासिक समुद्री विजय यात्रा की 1000वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे तिरुवथिरई महोत्सव में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी ने जनसभा में कहा कि इसी भूमि पर वीरों ने स्वतंत्र और समर्थ भारत का सपना बुना था। सुब्रमण्यम भारती जैसे राष्ट्रकवि का जन्म भी यहीं पास में हुआ था। भारती का जितना मजबूत रिश्ता थुट्टुकुटी से था, उतना ही रिश्ता वाराणसी से है। हम दोनों के जरिए आपसी रिश्ते को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु अभूतपूर्व विकास के रास्ते पर है। हम यहां अपने प्रयासों से विकसित तमिलनाडु और विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। ब्रिटेन-भारत के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता भी इसी विजन को बढ़ावा देता है। आज भारत की ग्रोथ में दुनिया अपनी ग्रोथ देख रही है। ये एफटीए भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

ग्लोबल पॉपुलैरिटी लिस्ट में पीएम मोदी का जलवा

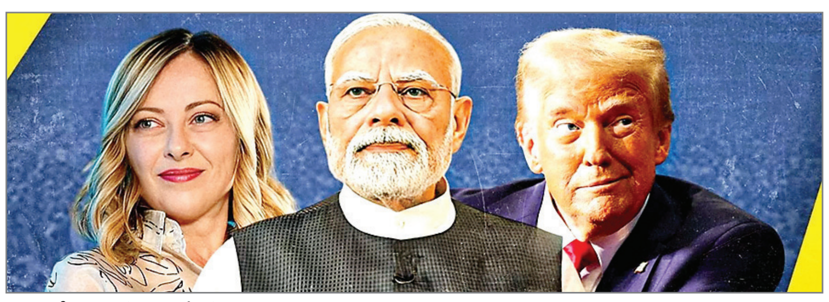

फिर बने दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, ट्रंप-मेलोनी को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जलवा बरकरार है। पीएम नरेंद्र मोदी एक बार फिर से दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के तौर पर उभरे हैं। बता दें कि बिजनेस इंटेलीजेंस कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट की ओर से जारी जुलाई 2025 की ताजा सर्वे रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क 75 प्रतिशत लोगों की अप्रूवल रेटिंग मिली है। बताया जा रहा है कि ये सर्वे चार जुलाई से 10 जुलाई के बीच किया गया और इसमें कुल 20 से अधिक देशों के नेताओं की रेटिंग्स को शामिल किया गया था। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के आईसेल हेड अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में उन्होंने रिपोर्ट की डाटा को साझा किया। बता दें कि ताजा आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री को इसमें सबसे ज्यादा रेटिंग मिली है। पीएम मोदी को 75 फीसदी अप्रूवल रेटिंग मिली है। वहीं, दूसरे स्थान पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली-जे म्युंग हैं। उन्हें कुल 59 प्रतिशत रेटिंग मिली है। सामने आए आंकड़े से यह पता चला है।

नीतिश कुमार पर नहीं थम रहा चिराग पासवान का हमला

- बोले-मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार को समर्थन कर रहा हूं

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास के अध्यक्ष चिराग पासवान ने इस बार मुख्यमंत्री नीतिश कुमार सीधा हमला बोला है। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में पूरी तरीके से अपराधियों के सामने प्रशासन पुलिस नतमस्तक हो चुकी है। उन्होंने कहा - मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार को समर्थन कर रहा हूं। लोजपा-आर प्रमुख चिराग पासवान से पूछा गया कि गया में होमगार्ड की महिला अभ्यर्थी को जब बेहोशी की हालत में अस्पताल भेजा जा रहा था तो उसके साथ एंबुलेंस में दुष्कर्म किया गया। इस सवाल पर उन्होंने सरकार पुलिस पर सबसे बड़ा हमला कर दिया। चिराग पासवान ने कहा कि एक के बाद एक बिहार में जिस तरीके से आपराधिक घटनाओं की श्रृंखला बनती जा रही है और पुलिस प्रशासन नतमस्तक बन चुकी है।

रिटायर होने के बाद कोई भी सरकारी पद नहीं लूंगा

- सीजेआई बीआर गवई ने कर दिया फ्यूचर प्लान का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने स्पष्ट कर दिया है कि वो रिटायरमेंट के बाद कोई भी सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे। महाराष्ट्र के अमरावती में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ये ऐलान किया। यही नहीं सीजेआई ने ये भी बताया कि आगे उनकी क्या योजना रहेगी। वो कौन रोल निभाएंगे। अपने गांव में सीजेआई गवई ने कहा कि मैंने फैसला किया है अपनी सेवानिवृत्ति के बाद वो सलाह और मध्यस्थता करेंगे। हालांकि, वो कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे। जस्टिस बीआर गवई अमरावती जिला और सत्र न्यायालय में दिवंगत टीआर गिल्डा मेमोरियल ई-लाइब्रेरी के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। सीजेआई गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी कई मौकों पर घोषणा की है कि 24 नवंबर के बाद मैं कोई भी सरकारी पद स्वीकार नहीं करूंगा। मैं परामर्श और मध्यस्थता करूंगा। दारापुर सीजेआई गवई का पैतृक गांव है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद उनके पास अधिक समय होगा।

इसलिए वे पैतृक गांव दरापुर, अमरावती और नागपुर में ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे। इससे पहले, सीजेआई के गांव पहुंचने पर लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने अपने पिता आरएस गवई के स्मारक पर फूल चढ़ाए। आरएस गवई केरल और बिहार के पूर्व राज्यपाल थे। साफ कर दिया है उनका आगे क्या प्लान रहने वाला है।

लोकसभा में बेहतर प्रदर्शन

17 सांसद संसद रत्न से सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। इनमें एनसीपी शरद गुट की सुप्रिया सुले, बीजेपी के रवि किशन और निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबी के अरविंद सावंत का नाम शामिल है। संसद रत्न बनने वाले सांसदों में सबसे ज्यादा 7 सांसद महाराष्ट्र से हैं। इनके अलावा 4 स्पेशल जूरी अवॉर्ड भी शामिल हैं। इनमें बीजेपी के भर्तृहरि महताब, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद गुट की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं। इन सभी ने 16वीं लोकसभा के बाद से लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा है। बाकी सांसदों में स्मिता उदय वाघ, शिवसेना के नरेश म्हस्के, कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़, बीजेपी की मेधा कुलकर्णी, प्रवीण पटेल, विद्युत बरन महतो और दिलीप सैकिया भी शामिल हैं।

सीमा पर डटे रहो, परिवार का ख्याल अब हम रखेंगे

- सैनिकों के लिए ऐतिहासिक कानूनी योजना शुरू
- परिवारों को जागरुक करने चलेगा विशेष अभियान

श्रीनगर (एजेंसी)। देश की सेवा में सीमाओं पर तैनात सैनिकों के परिवारों को अब कानूनी लड़ाइयों में अकेले नहीं लड़ना पड़ेगा। भारत में पहली बार, सैनिकों और अर्धसैनिक बलों के परिवारों को स्वतः कानूनी सहायता देने के लिए एक नई पहल शुरू की गई है। इसका

नाम अग्नि वीर परिवार सहायता योजना 2025 है और आज इसकी औपचारिक शुरुआत श्रीनगर में हो गई। इस पहल का मूल संदेश है-आप सीमाओं पर देश की सेवा करें, हम आपके परिवार का ख्याल रखेंगे। इस ऐतिहासिक योजना का उद्घाटन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष और भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद रहे। यह योजना एक मानवीय सोच से उत्पन्न हुई है। सूत्रों के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जब न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सैनिकों की कठिनाइयों और बलिदानों को करीब से देखा, तब उन्होंने यह महसूस किया कि कानूनी जगत को भी सैनिकों के परिवारों की मदद में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

अब छांगुर बाबा के भतीजे के घर हुआ बुलडोजर ऐक्शन

- 30 मिनट में मिट्टी में मिला दी इमारत

बलरामपुर (एजेंसी)। अवैध धर्मांतरण मामले के सरगना छांगुर बाबा के भतीजे सबरोज के घर पर बुलडोजर ऐक्शन हुआ है। सबरोज ने रेहरा माफी गांव में ग्राम समाज की जमीन पर अतिक्रमण कर अपना मकान बनाया हुआ था। बार-बार नोटिस के बावजूद वह अतिक्रमण को हटा नहीं रहा था। आज बुलडोजर चलाकर 30 मिनट के अंदर सब ढहा दिया गया। छांगुर बाबा की आलीशान कोठी को पहले ही बुलडोजर से तोड़ा जा चुका है। गैंग के प्रमुख सदस्य उसके भतीजे सबरोज उर्फ इमरान ने रेहरा माफी गांव में अवैध तरीके से घर बनाया हुआ था। उतरौला तहसील प्रशासन की तरफ से पिछले कुछ समय से अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया गया।

3 बार नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके बाद आज घर को बुलडोजर से गिरा दिया गया। एक हफ्ते पहले यूपी एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने छांगुर बाबा के करीबी और धर्मांतरण गिरोह के सक्रिय सदस्य 42 वर्षीय सबरोज उर्फ इमरान उर्फ बुद्धू के साथ ही 36 वर्षीय शहाबुद्दीन को बलरामपुर से गिरफ्तार किया है।

आरसीबी, इवेंट कंपनी और राज्य क्रिकेट संघ है जिम्मेदार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विक्ट्री डे परेड पर हुई भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार की ओर से बनाए गए जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा आयोग की रिपोर्ट शुक्रवार को सामने आई। इसमें स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टेडियम की डिजाइन ऐसी नहीं है कि वहां बड़ी संख्या में लोग सुरक्षित तरीके

से इकट्ठा हो सकें। स्टेडियम में भीड़ नियंत्रण, प्रवेश और निकासी व्यवस्था, पार्किंग और इमरजेंसी प्लान जैसी बुनियादी सुविधाओं की गंभीर कमी है। आयोग ने कहा, भविष्य में ऐसे बड़े आयोजन सिर्फ उन स्थानों पर हों जहां अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानक पूरे किए जाते हों। साथ ही पुराने स्टेडियमों में जरूरी सुधार के बिना कोई बड़ा आयोजन न हो। स्टेडियम में 30 सितंबर से 2 नवंबर तक महिला वनडे वर्ल्ड कप के शुरुआती और सेमीफाइनल मैच होने थे, लेकिन अब मैच होंगे या नहीं यह तय नहीं है। आरसीबी ने अपनी राज्य स्तरीय टी 20 लीग 'महाराजा ट्रॉफी' को भी दर्शकों के बिना कराने का फैसला किया है। इसके अलावा कमेटी ने आरसीबी फ्रेंचाइजी, उनके इवेंट पार्टनर एंटरटेनमेंट और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया है और अध्यक्ष रघुराम भट, पूर्व सचिव ए शंकर, पूर्व कोषाध्यक्ष ईएस जयराम, वाइस प्रेसीडेंट राजेश मेनन और केए एंटरटेनमेंट के वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की गई है। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली खिताबी जीत के जश्न के दौरान 4 जुलाई को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण प्रशांत महासागर में समोआ के पास 6.6 तीव्रता का भूकंप,

अपिया, एजेंसी। दक्षिण प्रशांत महासागर के देश समोआ द्वीप के पास शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक इस भूकंप की तीव्रता 6.6 थी। भूकंप समोआ की राजधानी अपिया से लगभग 440 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में आया। इसकी गहराई 314 किलोमीटर (195 मील) रही। हालांकि, किसी प्रकार के नुकसान या घायल होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। समोआ ऑब्जर्वर न्यूज वेबसाइट के एक कर्मचारी ने बताया कि उन्होंने झटके महसूस नहीं किए और न ही किसी नुकसान की जानकारी मिली है। यूएस सुनामी चेतावनी प्रणाली ने भूकंप के बाद कोई सुनामी चेतावनी जारी नहीं की है। समोआ 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है। यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। 2009 में, समोआ और अमेरिकी समोआ के बीच दो बड़े भूकंप आए थे। इससे समोआ,अमेरिकी समोआ और टोंगा में आई सुनामी लहरों में कम से कम 192 लोगों की मौत हो गई थी।

अमेरिका और मेक्सिको के बीच तिजुआना नदी की सफाई को लेकर समझौता, गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं दे रहा प्रदूषण

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और मेक्सिको के बीच तिजुआना नदी की सफाई को लेकर एक समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स का विस्तार किया जाएगा और दोनों देश मिलकर तकनीक और वित्तीय मामले में सहयोग करेंगे। तिजुआना नदी में गंदगी और प्रदूषण एक बड़ी समस्या बना हुआ है। अमेरिका और मेक्सिको की सरकारें कई वर्षों से दोनों देशों की सीमा पर बहने वाली इस नदी को साफ करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। तिजुआना नदी का पानी कैलिफोर्निया में समुद्र में आकर मिलता है, जिससे कैलिफोर्निया के समुद्र तट गंदे हैं और बीते चार वर्षों से प्रदूषण की वजह से इन तटों को बंद करना पड़ा है। तिजुआना नदी में अरबों गैलन सीवेज और उद्योगों से निकलने वाला जहरीला कचरा गिरता है। दक्षिणी कैलिफोर्निया में इस नदी के प्रदूषण के चलते अमेरिकी नेवी सील्स की ट्रेनिंग में समस्या हो रही है। क्योंकि नेवी सील्स यहां ट्रेनिंग करके बीमार हो रहे हैं। तिजुआना नदी को साफ करने के लिए अभी तक अरबों डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। ट्रंप प्रशासन के पहले कार्यकाल में भी इसकी कोशिश हुई थी, लेकिन बीते एक दशक से यह नदी समस्या बनी हुई है। मेक्सिको की पर्यावरण मंत्री एलिसिया बारसेना और अमेरिका की पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख ली जेल्डिन ने गुरुवार को तिजुआना नदी को साफ करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत मेक्सिको की सरकार नदी की सफाई के लिए बुनियादी ढांचे के विकास में 9 करोड़ डॉलर के अपने आवंटन को पूरा करेगी। साल 2020 से अब तक इस नदी को साफ करने के लिए दोनों देशों की सरकारें 65 करोड़ डॉलर से ज्यादा रकम खर्च कर चुके हैं। साल 2027 तक नदी को साफ करने का लक्ष्य रखा गया है। 195 किलोमीटर लंबी तिजुआना नदी मेक्सिको के तट से अमेरिका के दक्षिणी केलिफोर्निया को पार करते हुए बहती है और प्रशांत महासागर में गिरती है। इस नदी में प्रदूषण के चलते समुद्र में तैरने वाले तैराक, सर्फर और लाइफगार्ड बीमार हो रहे हैं। वहीं पानी में नहीं जाने वाले स्कूली बच्चे, सीमा सुरक्षा बल के जवान और अन्य लोग भी बीमार हो रहे हैं, क्योंकि प्रदूषण झाग बनकर वाष्पित हो जाता है और फिर हवा के जरिए लोगों के शरीर में पहुंच रहा है, जिससे पानी में न जाने वाले लोग भी बीमार हो रहे हैं।

भारत से अच्छे संबंध चाहता है बांग्लादेश, विदेशी सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन बोले, आपसी सम्मान आधार

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने गुरुवार को कहा कि अंतरिम सरकार हमेशा भारत के साथ आपसी सम्मान और समानता के आधार पर अच्छे संबंध चाहती है। मोहम्मद तौहीद हुसैन ने यह बात तब कही, जब उनसे पूछा गया कि क्या वे भारत की मेडिकल टीम के बांग्लादेश में आने को दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों का सकारात्मक संकेत मानते हैं? बांग्लादेश के ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, हम शुरू से ही यही चाहते थे। हमने हमेशा कहा है कि हम भारत के साथ अच्छे कामकाजी रिश्ते चाहते हैं। हमारा रुख वही है। अंतरिम सरकार में किसी ने भी कभी यह नहीं कहा कि वे भारत के साथ अच्छे संबंध नहीं चाहते। दरअसल, भारत से विशेषज्ञ डॉक्टरों और नर्सों की एक टीम बुधवार रात ही ढाका पहुंची थी, जो विमान हादसे में घायल लोगों का इलाज कर रही है। यह टीम दिल्ली के राम मनोहर लोहिया और सफदरजंग अस्पतालों से आई है, जिसमें बर्न और प्लास्टिक सर्जरी के विशेषज्ञ शामिल हैं। इस टीम ने गुरुवार सुबह से मरीजों का इलाज शुरू कर दिया है। भारतीय डॉक्टरों की यह टीम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद ढाका पहुंची है। पीएम मोदी ने विमान हादसे के बाद बांग्लादेश को हर संभव मदद का वादा किया था। टीम में शामिल डॉक्टर मरीजों की स्थिति का आकलन कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर भारत में विशेष इलाज की सलाह देंगे। बता दें कि 21 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी ने ढाका में हुए विमान हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया था। इससे पहले, भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश सरकार को पत्र लिखकर पूछा था कि घायलों के लिए भारत में कोई विशेष चिकित्सा सहायता की जरूरत है।

थाईलैंड-कंबोडिया में लगातार दूसरे दिन गोलीबारी: थाईलैंड ने बॉर्डर इलाकों से 1 लाख लोगों को हटाया

बैंकॉक / नोम पेन्ह, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहा संघर्ष दूसरे दिन भी जारी है। शुक्रवार सुबह दोनों देशों के सैनिकों ने बॉर्डर पर फायरिंग की है। थाई सरकार ने शुक्रवार को बताया कि 1 लाख से ज्यादा लोग घर छोड़ने के लिए मजबूर हो चुके हैं। अब तक थाईलैंड के 16 लोगों की मौत हुई है। जिसमें 1 सैनिक और 15 आम लोग हैं। 46 लोग घायल हुए हैं। अभी तक कंबोडिया की तरफ से मृतकों या घायलों की कोई आधिकारिक संख्या नहीं बताई गई है। विवाद की वजह 900 साल पुराना शिव मंदिर (प्रासात ता मुएन थोम) है। जब थाई सेना के अनुसार कंबोडियाई सैनिकों ने थाई सैन्य ठिकानों के ऊपर ड्रोन उड़ाए। थाई सेना का कहना है कि उसने बातचीत के जरिए तनाव कम करने की कोशिश की, लेकिन जब बात नहीं बनी तो सुबह 8: 20 बजे भारी गोलीबारी शुरू हो गई।

थाईलैंड ने अपने नागरिकों से कंबोडिया छोड़ने को कहा : कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह स्थित रॉयल थाईलैंड दूतावास ने कहा कि सीमा पर स्थिति बिगड़ती जा रही है और झड़पों के लंबे समय तक जारी रहने की संभावना के कारण, दूतावास ने अपने नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके कंबोडिया छोड़ने को कहा है।

कंबोडिया और थाईलैंड के बीच विवाद की वजह : थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद का इतिहास 118 साल पुराना है, जो प्रीह विहियर मंदिर और आसपास के क्षेत्रों को लेकर है। जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था तभी 1907 में दोनों देशों के बीच 817 किमी की लंबी सीमा खींची गई थी। थाईलैंड ने हमेशा इसका विरोध किया, क्योंकि नक्शे में प्रीह विहियर नाम का ऐतिहासिक मंदिर कंबोडिया के हिस्से में दिखाया गया था। इस पर दोनों देशों में विवाद चलता रहा। 1959 में कंबोडिया यह मामला अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया और 1962 में अदालत ने फैसला दिया कि मंदिर कंबोडिया का है। थाईलैंड ने इसे स्वीकार किया, लेकिन आसपास की जमीन को लेकर विवाद जारी रखा। मंदिर को हेरिटेज साइट में शामिल कराने पर झड़पें शुरू हुई 2008 में यह विवाद तब और बढ़ गया जब कंबोडिया ने इस मंदिर को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने की कोशिश की। मंदिर को मान्यता मिलने के बाद दोनों देशों की सेनाओं में फिर झड़पें शुरू हो गईं और 2011 में तो हालात इतने बिगड़ गए कि हजारों लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हो गए। 2011 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने दोनों देशों को विवादित क्षेत्र से सैनिक हटाने का आदेश दिया, और 2013 में फिर से पुष्टि की कि मंदिर और उसके आसपास का क्षेत्र कंबोडिया का है, लेकिन सीमा का मुद्दा अब तक पूरी तरह हल नहीं हो पाया है। इस विवाद के बावजूद थाईलैंड और कंबोडिया दुनिया के सबसे अच्छे पड़ोसी देशों में से माने जाते थे। कुछ साल पहले तक दोनों देशों के नेताओं का मानना था कि उनकी दोस्ती कभी नहीं टूटेगी, क्योंकि वे एक लंबी सीमा साझा करते हैं और मिलकर आगे बढ़ना उनके लिए जरूरी है। हालांकि, हाल के समय में हालात बदल गए और उनके बीच तनाव काफी बढ़ गया है। 28 मई को एमराल्ड ट्रायंगल पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी। यह वो जगह है थाईलैंड, कंबोडिया और लाओस की सीमाएं मिलती हैं। थाईलैंड और कंबोडिया दोनों ही इस इलाके पर दावा करते हैं।

सीईओ के बाद अब एचआर हेड ने भी दिया इस्तीफा, कोल्डप्ले के कंसर्ट में वायरल हुआ था वीडियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर की एचआर हेड क्रिस्टीन कैबोट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। क्रिस्टीन कैबोट का हाल ही में कंपनी के सीईओ एंडी बेरोन के साथ एक वीडियो वायरल हुआ था। दोनों कोल्डप्ले के कंसर्ट में साथ दिखाई दिए थे, जिससे दोनों के निजी संबंधों को लेकर खुलासा हो गया। गौरतलब है कि एंडी बेरोन पहले ही सीईओ पद से इस्तीफा दे चुके हैं।

कोल्डप्ले के कंसर्ट में कंपनी के सीईओ के साथ वीडियो हुआ था वायरल : मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है, लेकिन अभी तक न कंपनी की तरफ से और न ही क्रिस्टीन केबोट की तरफ से इसकी पुष्टि की गई है। दरअसल क्रिस्टीन केबोट और एंडी बेरोन बीती 16 जुलाई को बोस्टन के मेसाच्युसेट्स में मशहूर बैंड कोल्डप्ले के कंसर्ट में गए थे। दोनों जब गले लगकर कोल्डप्ले के गानों का लुत्फ ले हे थे, तभी दोनों कैमरे में कैद हो गए और कंसर्ट में लगी बड़ी स्क्रीन पर दिखाई दिए। कैमरे में आते ही दोनों ने जिस तरह की प्रतिक्रिया दी, उस पर कोल्ड प्ले के प्रमुख गायक क्रिस मार्टिन ने कहा कि दोनों का या तो अफेयर है या फिर दोनों बहुत ही शर्मीले हैं। इसके बाद यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। वीडियो वायरल होने के बाद जांच पड़ताल में पता चला कि वीडियो में दिख रहा शख्स अमेरिकी टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर के सीईओ एंडी बेरोन और महिला कंपनी की मानव संसाधन प्रमुख क्रिस्टीन केबोट हैं। एंडी शादीशुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं। यही वजह रही कि यह मामला तूल पकड़ गया। विवाद बढ़ने पर कंपनी ने एंडी बेरोन को छुट्टी पर भेज दिया और एंडी के खिलाफ जांच शुरू कर दी।

सीरिया के गोला-बारूद डिपो में जबरदस्त धमाका, सात की मौत

डमस्कस, एजेंसी। उत्तर सीरिया के इदलिब प्रांत में गुरुवार को एक गोला-बारूद डिपो में बड़ा धमाका हुआ, जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय राहतकर्मियों और निगरानी समूहों ने दी। धमाके की सटीक वजह अभी साफ नहीं हो पाई है और किसी भी सरकारी एजेंसी की ओर से आधिकारिक बयान नहीं आया है। ब्रिटेन-स्थित निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि धमाका एक अम्यूनिशन डिपो (गोला-बारूद के गोदाम) में हुआ। व्हाइट हेलमेट्स के नाम से प्रचलित सीरियन सिविल डिफेंस ने कहा कि धमाका इदलिब के माआरत मिसरीन शहर में हुआ। जारी बयान में कहा गया कि हमारी टीम मौके से शवों को निकाल रही है, घायलों का इलाज कर रही है और आग बुझाने का काम कर रही है। वहीं सीरिया की सरकारी टीवी अल-इखबारिया ने इसे युद्ध के बचे हुए अवशेषों से जुड़ा धमाका बताया है। इसका मतलब है कि यानी वो हथियार और गोला-बारूद जो लंबे गृहयुद्ध के दौरान छूट गए थे। सीरियाई नागरिक सुरक्षा दल व्हाइट हेल्मेट्स ने बताया कि विस्फोट में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। यह विस्फोट बृहस्पतिवार को इदलिब के उत्तर में मारात मिसरिन शहर में हुआ। व्हाइट हेल्मेट्स ने एक बयान में कहा, ''यह केवल उन लोगों की मृत्यु का आंकड़ा है।

फिलिस्तीन को आजाद देश की मान्यता देगा फ्रांस

सितंबर में राष्ट्रपति मैक्रों यूएन में ऐलान करेंगे; इजराइल ने कहा- आतंकवाद को इनाम दे रहे

पेरिस/ तेल अवीव, एजेंसी। फ्रांस जल्द ही फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान इस मान्यता को औपचारिक रूप से घोषित करेंगे। मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मिडिल ईस्ट में स्थायी शांति की दिशा में फ्रांस की प्रतिबद्धता के तहत मैंने यह फैसला लिया है। शांति संभव है। आज सबसे जरूरी है कि गाजा में जंग रुके और नागरिकों की जान बचे। फिलिस्तीनी अथॉरिटी ने फ्रांस के फैसले पर खुशी जताई हैं, वहीं इजराइल ने इसका विरोध किया है।

इजराइल बोला- आतंकवाद को इनाम दे रहे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस फैसले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, यह फैसला आतंकवाद को इनाम देने जैसा है और यह गाजा जैसे एक और ईरानी समर्थित प्रॉक्सी को जन्म देगा। ऐसी स्थिति में एक फिलिस्तीनी राष्ट्र, इजराइल के साथ शांति से नहीं, बल्कि उसे मिटाने के लिए इस्तेमाल होगा। फिलिस्तीनी अथॉरिटी ने फ्रांस के इस कदम का स्वागत किया है। राष्ट्रपति महमूद अब्बास को गुरुवार को औपचारिक पत्र सौंपा गया। पीएलओ के उपाध्यक्ष हुसैन अल-शीख ने कहा, हम मैक्रों के इस निर्णय की सराहना करते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून और फिलिस्तीनी जनता के अधिकार

के प्रति फ्रांस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अब तक 140 से ज्यादा देशों ने दी है मान्यता : फ्रांस फिलिस्तीन को आधिकारिक मान्यता देने वाला सबसे बड़ा पश्चिमी देश है। अब तक 140 से अधिक देश फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दे चुके हैं। इनमें कई यूरोपीय देश भी शामिल हैं। फिलिस्तीनी लोग एक स्वतंत्र राज्य की मांग कर रहे हैं। इसमें वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी का क्षेत्र शामिल है। इन पर इजराइल ने 1967 की मिडिल ईस्ट वॉर के दौरान कब्जा कर लिया था।

ब्रिटेन और जर्मनी के साथ आपात बैठक करेगा फ्रांस फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों शुक्रवार को ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के साथ गाजा के हालात, भूख से जूझ रहे लोगों तक मदद पहुंचाने और युद्ध को रोकने पर आपात बैठक वाले हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा, राज्य का दर्जा फिलिस्तीनी जनता का जन्मसिद्ध अधिकार है। संघर्षविराम हमें एक फिलिस्तीनी राष्ट्र की मान्यता और दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में ले जाएगा, जो इजराइल और फिलिस्तीन दोनों के लिए शांति और सुरक्षा की गारंटी है। फ्रांस में यूरोप की सबसे बड़ी यहूदी और मुस्लिम आबादी रहती है। मिडिल-ईस्ट में होने वाला तनाव का असर फ्रांस में भी दिखाई देता है। मैक्रों ने 7 अक्टूबर को हमास के इजराइल पर हमले के बाद इजराइल के समर्थन में बयान दिया था। लेकिन अब गाजा में इजराइल की कार्रवाई को लेकर वे खुले तौर पर नाराजगी जता रहे हैं। फ्रांस और सऊदी अरब अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र में टू-स्टेट सॉल्यूशन पर एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन करने जा रहे हैं।

फिलीपींस में तूफान को-मे का कोहराम, 25 की मौत; 2.78 लाख लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में पिछले एक हफ्ते से जारी मूसलधार बारिश और भूस्खलन के बीच अब ट्रॉपिकल तूफान को-मे ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे फिलीपींस के लिए यह तूफान एक और बड़ा झटका साबित हुआ है। ऐसे में सरकार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भूमिका अहम बन जाती है ताकि लाखों लोगों को सुरक्षित और आवश्यक मदद मिल सके। इस खतरनाक तूफान के कारण अब तक कम से कम 25 लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 2.78 लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा है। तूफान शुक्रवार को देश के उत्तरी पहाड़ी इलाकों से गुजरा।

इतनी रफ्तार से आया तूफान को-मे नाम का यह तूफान गुरुवार की रात पांगासिनान प्रांत के अग्नो कस्बे में 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टकराया। इसके झोंकों की गति 165 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई थी। शुक्रवार सुबह तक इसकी ताकत थोड़ी कम हुई और यह 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पूर्वोत्तर दिशा की ओर

बढ़ता दिखा। मॉनसून को भी किया और भयानक तूफान ने देश में पहले से ही चल रही मौसमी बारिश को और ज्यादा तीव्र बना दिया। पिछले एक हफ्ते से लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में बाढ़, पेड़ों के गिरने, भूस्खलन और बिजली के झटकों से लोगों की जान गई है। फिलहाल आठ लोग लापता हैं। हालांकि, तूफान को-मे से सीधे मौत की कोई पुष्टि अब तक नहीं हुई है। स्कूल बंद, 35 प्रांतों में क्लास सस्पेंड सरकार ने राजधानी मनीला में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन स्कूल बंद रखने का आदेश दिया है। लुजोन के मुख्य उत्तरी इलाके के 35 प्रांतों में कक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। कम से कम 77 शहरों और कस्बों में आपातकाल घोषित किया गया है, जिससे राहत फंड जल्दी मिल सके और जरूरी सामान जैसे चावल की कीमतें न बढ़ें। 278,000 लोगों का विस्थापन, सेना तैनात सरकारी आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, 2.78 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ और तूफान के कारण अपने घरों को छोड़ चुके हैं। इनमें से अधिकांश को आपातकालीन शेल्टर या रिश्तेदारों के घरों में शरण लेनी पड़ी। अब तक लगभग 3,000 घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। राहत और बचाव के लिए सेना, पुलिस, कोस्ट गार्ड, दमकल कर्मियों और स्थानीय वॉलंटियरों को तैनात किया गया है। राष्ट्रपति की चेतावनी और अमेरिकी मदद का वादा राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने व्हाइट हाउस यात्रा से लौटने के बाद राहत शिविरों का दौरा किया और लोगों को खाद्य सामग्री वितरित की। उन्होंने एक आपात बैठक में कहा कि अब जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी आपदाएं और ज्यादा और अनिश्चित होंगी। अमेरिकी सरकार ने राहत सामग्री और भोजन को दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंचाने के लिए अपने सैन्य विमानों की मदद देने का वादा किया है।

बीमा के 5.4 करोड़ रुपये पाने के लिए सर्जन ने खुद कटवा लिए अपने दोनों पैर, कोर्ट में सनसनीखेज खुलासा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक सर्जन पर बेहद चौंकाने वाला आरोप लगा है। कोर्ट में बताया गया कि 49 वर्षीय डॉक्टर नील हॉपर्स ने बीमा क्लेम के लिए अपने दोनों पैरों को जानबूझकर कटवा लिया। इस मामले ने ब्रिटिश मेडिकल जगत और आम लोगों को हैरान कर दिया है। डॉक्टर पर गंभीर आपराधिक आरोप लगे हैं और उनका मेडिकल रजिस्ट्रेशन निलंबित कर दिया गया है। कोर्ट में पेश साक्ष्यों के अनुसार, डॉक्टर हॉपर्स ने अपने बीमा पॉलिसी के तहत कुल 5.4 करोड़ रुपये (करीब 500,000 पाउंड) पाने के लिए अपने दोनों पैरों की सर्जिकल कटिंग कराई। उन्होंने दो बीमा कंपनियों अविवा ग्रुप और ओल्ड म्युचुअल से क्रमशः 2.3 करोड़ और 2.3 करोड़ रुपये के क्लेम की योजना बनाई थी। उन्होंने दावा किया कि उन्हें सेप्सिस (खून में संक्रमण) के कारण अपने पैर गंवाने पड़े।

जांच में हुआ खुलासा : जांच में सामने आया कि डॉक्टर हॉपर्स ने द इयूनच मेकर नाम की वेबसाइट से अंगों को काटने से जुड़े वीडियो खरीदे थे। इतना ही नहीं, उन्होंने एक एक्सट्रीम बॉडी मॉडिफिकेशन रिंग चलाने वाले मारियस गुस्तावसन को दूसरों के शरीर के अंग काटने के लिए उकसाया और उसका समर्थन किया। यह आरोप 2018 से 2020 के बीच की घटनाओं से जुड़ा है। गंभीर आरोप, कोर्ट में लंबी सुनवाई की तैयारी डॉक्टर हॉपर्स पर न सिर्फ खुद को नुकसान पहुंचाने का आरोप है, बल्कि यह भी कहा गया है कि उन्होंने

जानबूझकर दूसरों को भी शारीरिक क्षति पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। उनके खिलाफ गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचाने में सहायता या प्रोत्साहन का मामला चल रहा है। पुलिस की पूछताछ और सबूतों के आधार पर मामले की सुनवाई आगे जारी है। हॉपर्स वर्ष 2013 से रॉयल कॉर्नवाल हॉस्पिटल्स एनएचएस ट्रस्ट में सेवा दे रहे थे, लेकिन मार्च 2023 में गिरफ्तारी के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। अस्पताल प्रबंधन ने साफ किया कि डॉक्टर हॉपर्स के खिलाफ पेश आरोपों का उनके पेशेवर व्यवहार से कोई लेना-देना नहीं है और अब तक मरीजों की सुरक्षा को लेकर कोई खतरा नहीं पाया गया है। बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में डॉक्टर हॉपर्स ने बताया कि वो कई बार लोगों की सर्जरी करते हैं और जब उनके पैरों की बारी आई तो उन्हें खुद पर पावर टूल्स का इस्तेमाल अजीब लगा। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें तीन महीने में चलने की उम्मीद थी।

कैपिटल दंगों पर कार्रवाई करने वाले वकील को नौकरी से निकाला गया, बोले- ईमानदारी की सजा मिली

वॉशिंगटन , एजेंसी। वाशिंगटन में 6 जनवरी 2021 के कैपिटल हिल दंगे से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामलों की पैरवी करने वाले प्रमुख अभियोजक माइकल गॉर्डन ने सरकार के खिलाफ केस दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें ट्रंप समर्थकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की सजा दी गई है। गॉर्डन ने कहा कि उन्हें जून में बिना किसी ठोस कारण के नौकरी से निकाल दिया गया, जबकि उनके प्रदर्शन की समीक्षा में उन्हें सर्वोच्च रेटिंग दी गई थी।

गॉर्डन का कहना है कि उनकी बर्खास्तगी सिर्फ इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने कानून का पालन किया और ट्रंप समर्थकों के खिलाफ केस लड़ने में अहम भूमिका निभाई। वे उन पहले अफसरों में हैं जिन्होंने सरकार के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनके साथ दो और पूर्व अधिकारी पैट्रीशिया हार्टमैन और जोसेफ टिर्रेल भी इस केस में याचिकाकर्ता हैं।

प्रमुख आरोपियों के केस लड़े गॉर्डन ने अब तक 36 से ज्यादा दंगा आरोपियों के खिलाफ केस लड़े हैं, जिनमें नैन्सी पेलोसी के ऑफिस में पांव रखने वाला रिचर्ड बार्नेट और प्लास्टिक हैंडकफ लेकर सीनेट पहुंचने वाला एरिक मुनचेल शामिल हैं। उन्होंने जे6 प्रेइंग ग्रैंडमा के नाम से मशहूर रेबेका लावरेंज और रे एप्स जैसे विवादास्पद आरोपियों के केस भी हैंडल किए हैं। ट्रंप प्रशासन पर गंभीर सवाल गॉर्डन ने कहा कि ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद न्याय विभाग में कई लोगों को निकाला गया, लेकिन उन्हें इस उम्मीद थी कि उनका काम उन्हें बचा लेगा। मगर जब उन्हें भी निकाल दिया गया, तो उन्होंने चुप न रहने और

कानूनी लड़ाई लड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि अगर हम चुप रहे तो न्याय का मतलब वही होगा जो राष्ट्रपति कहे, न कि कानून। फायरिंग के पीछे कोई ठोस कारण नहीं गॉर्डन को बर्खास्त करने की चिट्ठी में सिर्फ यूएस संविधान के अनुच्छेद-।। का हवाला दिया गया, जिसमें राष्ट्रपति को नियुक्ति और बर्खास्तगी का अधिकार होता है। उन्होंने कहा कि जब वे एक 100 मिलियन डॉलर के फ्रॉड केस के ट्रायल की तैयारी कर रहे थे, तभी ऑफिस का एक एडमिनिस्ट्रेटर आया और उन्हें बर्खास्तगी की चिट्ठी पकड़ा दी। राजनीतिक हस्तक्षेप बनाम न्याय की स्वतंत्रता इस मामले ने अमेरिका में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर बहस छेड़ दी है। गॉर्डन ने कहा कि वह अपने बच्चों को ऐसा देश नहीं देना चाहते जहां न्याय की परिभाषा सत्ता तय करे। प्रतिनिधि सभा की सदस्य कैथी कास्टर ने अटॉर्नी जनरल से गॉर्डन को फिर बहाल करने की मांग की है। गॉर्डन की लड़ाई अब सिर्फ नौकरी की नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की गरिमा और स्वतंत्रता को बचाने की है। उनका कहना है कि अगर ईमानदार अफसरों को सजा दी जाएगी, तो जनता की कानून पर से आस्था खत्म हो जाएगी।

प्रो. उमा कांजीलाल बनी इग्नू की पहली महिला कुलपति: डॉ. धर्म पाल

यमुनानगर। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना के तहत प्रो उमा कांजीलाल को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का कुलपति नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पांच वर्ष के कार्यकाल के लिए है। प्रो. कांजीलाल, जो विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलपति के रूप में कार्यरत थी, उनका एक शानदार पेशेवर अनुभव रहा है। उन्होंने 1984 में आईआईटी कानपुर में एक शोध सहायक के रूप में अपना करियर शुरू किया और आईजीएनसीए में कैटलॉगर और व्यावसायिक सहायक सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया। इसके अलावा, इग्नू में लेक्चरर से लेकर प्रोफेसर तक के शैक्षणिक पदों पर पहुंची, जहां वे 2003 से कार्यरत हैं। प्रोफेसर कांजीलाल ने इग्नू की पहली महिला कुलपति बनकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने ई-ज्ञानकोष, साक्षात पोर्टल और एनएमईआईसीटी के अंतर्गत पुस्तकालय स्वचालन जैसी राष्ट्रीय परियोजनाओं के साथ-साथ भारतीय राष्ट्रीय आभासी पुस्तकालय परियोजना का भी समन्वय किया है। उन्होंने सीईएमसीए, यूएनआरडब्ल्यूए जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के लिए सलाहकार और कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग के लिए मॉड्यूल डेवलपर के रूप में कार्य किया है। उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में ई-लर्निंग, मल्टीमीडिया कोर्सवेयर विकास, डिजिटल पुस्तकालय और पुस्तकालय विज्ञान में आईसीटी अनुप्रयोग शामिल हैं।

पाकिस्तान को सबक सिखाने में भारतीय सेना को नहीं लगे 22 मिनट: सीएम योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 26 जुलाई। पाकिस्तान और उसके आतंकवाद ने पुलवामा में 22 निर्दोष यात्रियों को अपना शिकार बनाया। वहीं भारतीय सेना को पूरे पाकिस्तान को सबक सिखाने में 22 मिनट भी नहीं लगे। उन्होंने पाकिस्तान के आतंकी कैंप को तहस-नहस कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पुलवामा में दुस्साहस करने वालों को कीमत चुकाने की बात कही थी। भारतीय सेना के साहस और पराक्रम को देखकर पाकिस्तान अमेरिका की शरण में पहुंचा। भारत एक मोर्चे पर कई देशों से लड़ रहा था। इसके बावजूद भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान की एक नहीं चली। फिर अंत में पाकिस्तान को समर्पण के लिए मजबूर होना पड़ा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कारगिल विजय शहीद दिवस-25 कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग सत्ता में आने के बाद परिवारवाद के सहारे जातिवाद से सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करने का काम करते हैं। जब भी हम ऐसी प्रवृत्ति के लोगों के चंगुल में फंसते हैं, हमे बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। हमारे पास योद्धाओं, वैभव और बुद्धि की कमी नहीं है, लेकिन उस दौरान कुछ लोगों ने अपने हित के लिए देश को बांटने का काम किया, जिससे देश गुलाम हुआ। आज भी कुछ राजनीतिक दल बांटने का काम कर रहे हैं। उस दौरान भी विभाजन हमारी कमजोरी था। फिर से हमें विभाजन से बचने की आवश्यकता है। हमें एक भारत श्रेष्ठ भारत को समर्थ और सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। सीएम ने कहा कि कारगिल विजय दिवस का संदेश भी यही है। उन्होंने कहा कि जिन वीर सैनिकों ने अपना बलिदान दिया है, उनकी प्रेरणा यही है कि हम एक भारत श्रेष्ठ भारत के माध्यम से ही एक सशक्त और समर्थ भारत की परिकल्पना को साकार करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन भारत के महान वीर सपूतों को याद करने का दिन है। इस दिन भारत ने ऑपरेशन विजय को पूर्ण करते हुए पाकिस्तान को धूल चटाकर दुनिया को हैरान कर दिया था। हम भारत के उन वीर सपूतों को नमन करते हैं। ये दिन भारत की सेना के शौर्य का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान ने भारत पर थोपा था जिसका मुंहतोड़ जवाब हमारे वीर जवानों ने दिया। हम सब जानते हैं कारगिल का युद्ध पाकिस्तान के द्वारा थोपा गया युद्ध था। पहाड़ियों पर घुसपैठ की सूचना मिली। सेना ने सरकार को जानकारी दी। इसके बाद हमला करने पर गलतफहमी को दूर करने के लिए देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कार्रवाई की। आज के ही दिन कारगिल विजय की घोषणा प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी। उस समय पाकिस्तान के राष्ट्रपति अमेरिका गए, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी ने दबाव नहीं झेला। उन्होंने कहा कि अमेरिका हो या दुनिया की कोई भी ताकत भारत किसी के सामने नहीं झुकेगा और अंत में पाकिस्तान को आत्मसमर्पण करना पड़ा और घुसपैठियों को भागना पड़ा। कारगिल एक चुनौतीपूर्ण जगह थी जहां का तापमान माइनस 50 डिग्री होता है। इस बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में भी हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तान के कायरों को धूल चटा दी। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने पलायन नहीं किया, उसी नतीजा है कि हमने कारगिल पर विजय प्राप्त की। जो पलायन करते हैं, उन्हें सफलता नहीं मिलती। जो समाज में विद्वेष फैलाते हैं उन्हें सफलता नहीं मिलती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा जवान किसी भी युद्ध या सीमा की सुरक्षा करते हुए शहीद होता है, तो राज्य सरकार की ओर उसके परिवार को आज 50 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है। साथ ही उस परिवार के एक सदस्य की नौकरी भी व्यवस्था सुनिश्चित की है। इसके अलावा 2017 से हमारी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि शहीद होने वाले जवान की स्मृति को आगे बढ़ाने के लिए जिस गांव, नगर, कस्बे का वह जवान होगा, वहां पर एक भव्य स्मारक, इंस्टीट्यूट या किसी मार्ग का नामकरण उस जवान के नाम पर करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के संकल्प को इसलिए ही आगे बढ़ा पा रहे हैं क्योंकि आज देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। सरकार ने तय किया है कि अग्नि वीर के रूप में जो जवान देश की सेनाओ में योगदान दे रहे हैं, उन्हे उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 20 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था की गयी है। कार्यक्रम में मंच पर मुख्यमंत्री और मेयर ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। कैप्टन मनोज पांडेय, लांस नायक केवलानंद द्विवेदी, रायफल मैन सुनील जंग और मेजर रितेश शर्मा के परिजन कार्यक्रम में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री की मेयर सुषमा खर्कवाल ने अगवानी की। सीएम के पहुंचते ही शहर के कॉलेज की छात्राओं ने %बेटी हिंदुस्तान की% गाने पर प्रस्तुति दी।

परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि बढ़ाकर डेढ़ करोड़ रुपए की गई

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बीते चार वर्षों में प्रदेश सरकार ने सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान और कल्याण के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। अमर बलिदानियों की स्मृति में देहरादून में भव्य शौर्य स्थल (सैन्य धाम) का निर्माण कार्य अंतिम चरण है। इस सैन्य धाम में प्रदेश भर की 28 नदियों का जल और शहीद सैनिकों के घरों से लाई गई मिट्टी को समाहित किया गया है। राज्य सरकार ने शहीदों के परिजनों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को ?दस लाख से ब ?ाकर ?50 लाख कर दिया है। वीरता पुरस्कारों से अंलकृत सैनिकों को दी जाने वाली एकमुश्त तथा वार्षिक धनराशि को भी बढ़ाया गया है। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि अब पचास लाख से बढाकर डे? करो? रुपए कर दी गई है। पूर्व सैनिक वीरांगनाओं और पुत्री को ड्रोन दीदी के रूप में ड्रोन संचालन का रोजगारपरक प्रशिक्षण देने का फैसला किया गया है। सरकार के द्वारा 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पूर्व सैनिकों, सैनिक वीरांगनाओं और वीर नारियों को बद्रीनाथ धाम की नि:शुल्क यात्रा की सुविधा भी प्रदान की गई है। राज्य सरकार द्वारा शहीद सैनिकों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी सेवा में लिए जाने की व्यवस्था की गई है। अब तक शहीदों के 37 आश्रितों को सरकारी नौकरी प्रदान की जा चुकी है। इस योजना के तहत सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करने की अवधि को भी दो वर्ष से ब ?ाकर पांच वर्ष कर दिया गया है। अग्निवीरों को पुलिस, परिवहन, वन और अन्य विभागों की भर्तियों में 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण देने की धामी सरकार तैयारी कर रही है। इस संबंध में प्रस्ताव कैबिनेट की मंजूरी के लिए लाया जाएगा। अग्निपथ योजना के तहत चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों को इसका लाभ मिलेगा। वीरता पुरस्कार प्राप्त सैनिकों और पूर्व सैनिकों को उत्तराखण्ड रोडवेज की बसों में नि:शुल्क यात्रा सुविधा के साथ ही सेवारत और पूर्व सैनिकों को ?25 लाख तक के मूल्य की स्थायी सम्पत्ति की खरीद पर स्टाम्प ड्यूटी में 25 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। पुत्री विवाह अनुदान जैसी अनेक योजनाएं संचालित कर राज्य सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों के कल्याण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश भर में शहीद स्मारकों का निर्माण किया जा रहा है। स्कूल और स ?कों का शहीदों के नाम पर नामकरण किया गया है। खटीमा में सैनिक मिलन केंद्र एवं सीएसडी कैंटीन का निर्माण और टनकपुर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त भव्य सैनिक विश्राम गृह का निर्माण किया जा रहा है।

संत थॉमस विद्यालय में हुए डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में कैबिनेट मंत्री श्याम ड्क्षसह राणा ने मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

यमुनानगर। संत थॉमस विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. चंदना लाल के मार्गदर्शन में कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर नगर निगम की मेयर श्रीमती सुमन बहमनी, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, हरियाणा ओलम्पिक समीति उपाध्यक्ष भारत भूषण जुयाल, अखिल भारतीय खेल, श्रम एवं रोज ?ार विभागाध्यक्ष खेल एवं कराटे प्रमुख हरियाणा कमल सैनी, तकनीकि निर्देशक, हरियाणा सुशील शर्मा को उद्घाटन समारोह में मौजूद रहे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम ड्क्षसह राणा ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास की भावना भी विकसित करता है। कराटे जैसे मार्शल आर्ट युवा पीढ़ी को आत्मरक्षा के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी प्रदान करते है। राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन हेतु जोश से भरे शब्द कहे। अपनी बाल्यावस्था की घटनाओं को स्मरण कर सबका मार्गदर्शन किया। प्रधानाचार्या डॉ. चंदना लाल ने भाव विभोर होकर सभी का अपना बहुमूल्य समय निकालकर विद्यालय में आने एवं उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया। श्रीमती पूनम भंडारी और रजनीश कालिया की अध्यक्षता में एन.सी.सी तथा बैंड के छात्र एवं छात्राओं ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया एवं उनके शुभागमन और प्रस्थान के समय नेतृत्व किया। विद्यालय की कराटे कोच श्रीमती श्वेता की अध्यक्षता में खेल विभाग ने अन्य विद्यालयों से आए प्रतिभागियों एवं उनके कोच की मेजबानी की। कराटे हेड, जनरल सेक्रेटरी यमुनानगर संजीव ने कार्यक्रम के प्रबंधन में पूर्ण सहयोग दिया। इस कार्यक्रम का संयोजन यूनाइटेड कराटे एसोसिएशन यमुनानगर द्वारा संत थॉमस में किया गया।

वन महोत्सव 2025 के उपलक्ष्य में वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा 'पौध मेला' का आयोजन

चंडीगढ। प्रशासन के वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा आज लेक क्लब पार्किंग परिसर में एक जीवंत 'पौध मेला' का आयोजन किया गया, जो वन महोत्सव 2025 के अंतर्गत प्रमुख गतिविधियों में से एक रहा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन चंडीगढ़ के मुख्य सचिव राजीव वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस मेले में 20 से अधिक विषयगत स्टॉल लगाए गए, जिनमें वन एवं वन्यजीव संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, अक्षय ऊर्जा और सामुदायिक पर्यावरण प्रयासों से संबंधित नवाचारों और पहलों को दर्शाया गया। वन विभाग द्वारा फलों वाले, फूलों वाले, सजावटी/छायादार, औषधीय तथा रसोई बागवानी के पौधों की समृद्ध प्रदर्शनी लगाई गई। नगर निगम और अभियंता विभाग ने भी सूचना प्रदर्शनों के माध्यम से भागीदारी की। युवसत्ता, यूथ इनोवेटिव सोसायटी और ग्लोबल यूथ फेडरेशन जैसे प्रमुख गैर-सरकारी संगठनों (ह्लद्दह्य) तथा शहर के विद्यालयों के ईको क्लब — वसुधा ईको क्लब सरकारी स्कूल सैक्टर 22 सोंजना ईको क्लब सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल 46ष्ठ) और नागकेसर ईको क्लब (क्क्र सीनियर सेकेंडरी स्कूल 14, धनास) — ने इको-फ्रेंडली उत्पादों की विविध प्रदर्शनी प्रस्तुत की। इन उत्पादों में सूखे पत्तों से बना वर्मीकम्पोस्ट, बची हुई कपड़ों की कतरनों से बने थैले, हर्बल जूस, टेराकोटा उत्पाद, सूखे फूलों से बने धूप बत्तियाँ और स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प शामिल थे। ष्टक्रश्वस्ञ्ज (चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसायटी) द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन और अन्य अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदर्शित किए गए, जिससे चंडीगढ़ की सतत और स्वच्छ विकास की प्रतिबद्धता झलकी।पर्यावरणीय उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए, मुख्य सचिव द्वारा चयनित ईको क्लबों को 'ईको क्लब अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जिन्होंने पर्यावरण चेतना और क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान दिया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण रहा मुख्य सचिव द्वारा वन्यजीव बचाव वैन और मोटरबाइकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना, जिसमें मंदीप सिंह बराड़, सचिव (वन एवं वन्य जीव) भी उनके साथ उपस्थित रहे (क्षतिपूरक वनीकरण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) योजना के तहत प्राप्त इन वाहनों से विभाग को मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थितियों से शीघ्र निपटने और तेज वन्यजीव बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। फ्रंटलाइन फॉरेस्ट स्टाफ को मोटर बाइकों के माध्यम से तेजी से गतिशीलता और मौके पर सहायता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।एक प्रतीकात्मक पहल के रूप में, एकपेडमांकेनाम अभियान के अंतर्गत मुख्य सचिव द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर मंदीप सिंह बराड़ (सचिव, वन एवं वन्य जीव), सौरभ कुमार (मुख्य वन संरक्षक) अनुप सोनी (वन संरक्षक) और नवनीत कुमार श्रीवास्तव (उप वन संरक्षक, चंडीगढ़) भी उनके साथ उपस्थित रहे। मुख्य सचिव राजीव वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पौध मेला और पौधारोपण अभियान केवल हरियाली की पहल नहीं हैं, बल्कि प्रकृति से जुड़ाव और पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने की गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण गतिविधियों में भागीदारी की अपील की और वन विभाग की सराहनीय पहल की सराहना की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वन महोत्सव 2025 के अंतर्गत चंडीगढ़ में 5 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इस महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ 5 जुलाई को राजेन्द्र पार्क में हुआ था, जिसका उद्घाटन पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक द्वारा किया गया था।

वार्ड स्तर पर युद्ध नशे विरुद्ध के नाम पर लगाये जा रहे कैंप राजनीतिक ड्रामा: धालीवाल

फगवाड़ा। आम आदमी पार्टी के स्थानीय नेताओं द्वारा वार्ड स्तर पर युद्ध नशे विरुद्ध मुहिम के नाम पर लगाये जा रहे कैंपों को महज राजनीतिक ड्रामा बताते हुए जिला कपूरथला कांग्रेस कमेटी के प्रधान और फगवाड़ा से विधायक बलविन्द्र सिंह धालीवाल ने आज यहां कहा कि इस रंगमंच के अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान मंजे हुए खिलाड़ी हैं। अब लोकल स्तर के आप नेता भी अपने आकाओं के नक्शेकदम पर चलते हुए यह सब ड्रामा कर रहे हैं। हर एक वार्ड में लगने वाले कैंप में मात्र दस-बारह लोग मोहल्ले के होते जबकि शेष वही पच्चीस लोग कार्पोरेशन से बुला कर हर वार्ड में बिठा दिये जाते हैं। यही नहीं बल्कि आप नेताओं के साथ जो लोग नजर आते हैं उनमें कई ऐसे चेहरे भी शामिल हैं, जिन पर नशे के कारोबार में शामिल होने के आरोप लगते रहे हैं। विधायक धालीवाल ने कहा कि आप नेता नशे की रोकथाम को लेकर बिल्कुल गंभीर नहीं हैं। उनका मकसद मात्र तस्वीरें खिचवा कर अखबारी सुर्खियां बटोरना है। यदि मुख्यमंत्री भगवंत मान और उनकी सरकार ड्रग माफिया को लेकर गंभीर होती तो क्या तीन साल सत्ता सुख भोगने के बावजूद नशे का दरिया पंजाब में इस तरह उफान पर बह रहा होता? उन्होंने कहा कि सच्चाई तो यह है कि आज भी पंजाब भर में प्रतिबंधित नशा खुलेआम बिक रहा है और नशे के आदी युवा चोरी, डकैती, छीनाझपटी करके अपनी लत की पूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशे का जो छठा दरिया अकाली-भाजपा राज में बहना शुरु हुआ था, उसे कांग्रेस ने काफी हद तक कन्ट्रोल कर लिया था लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार के सत्ता में आने के बाद ड्रग माफिया फिर से बेखौफ हो चुका है। बल्कि अब तो पंजाब में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। लोगों में इस सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर इतना गुस्सा है कि पंजाब की जनता बेसब्री से 2027 के विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रही है ताकि दिल्ली के लुटेरों के साथ मिल कर पंजाब को लूटने वाली कथित आम आदमी पार्टी के चुंगल से प्रदेश को आजाद करवाया जा सके।

तीसरी बार नॉन-स्टॉप सरकार बनाई है, काम में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य के लोगों ने प्रदेश में तीसरी बार नॉन-स्टॉप सरकार बनाई है, काम में कोई कसर नहीं छो ?ेंगे। विपक्ष के दुष्प्रचार से घबराएं नहीं बल्कि तथ्यों के आधार पर उनको जवाब दें। मुख्यमंत्री आज यहां संत कबीर कुटीर में पिछ ?ा वर्ग समाज के लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। ये लोग पिछ ?ा वर्ग के लिए सरकार द्वारा लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद करने आए थे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पूर्व की सरकारों में पिछ ?ा वर्ग के बैकलॉग को योग्य उम्मीदवार नहीं मिलने का बहाना बनाकर खाली छो? दिया जाता था जबकि वर्तमान सरकार ने पिछ ?ा वर्ग से प्रोफेसर, डॉक्टर, इंजीनियर तक भर्ती करके दिखा दिया है कि इस वर्ग के लोग हमेशा से ही योग्य रहे हैं, लेकिन पहले की सरकारों की नियत सही नहीं थी। पिछ ?ा वर्ग द्वारा उनको सम्मान के तौर पर पग ?ी पहनाये जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पग ?ी के मान -सम्मान को हमेशा ऊँचा रखेंगे। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से समय-समय पर गाइडेंस लेते रहते हैं और पूरे प्रदेश में एक समान विकास करवाने की नियत रखते हैं। श्री नायब सिंह सैनी ने यह भी कहा कि वे राज्य में पढाई और नौकरी का माहौल बदल रहे हैं, मेरिट के आधार पर भर्ती की जा रही है। सिस्टम को बदल रहे हैं। उन्होंने 26 व 27 जुलाई को होने वाली सीईटी की परीक्षा के प्रबंधों की जानकारी देते हुए कहा कि परीक्षार्थियों के लिए घर से परीक्षा केंद्र तक लाने और वापस ले जाने के लिए बसों का नि:शुल्क प्रबंध किया जा रहा है, ताकि युवाओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। ल ?कियों के साथ घर के एक सदस्य को भी जाने की अनुमति दी गई है। लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पिछ ?ा वर्ग के मेहनतकश लोग हैं, इनमें कोई न कोई हुनर है। इस वर्ग के लोगों के साथ पूर्व की सरकारों में भेदभाव होता रहा है, लेकिन वर्तमान सरकार वंचितों और पिछ ?ा वर्ग के लोगों की भलाई के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। उन्होंने केंद्र सरकार की तर्ज पर क्रीमी लेयर की आय सीमा 6 लाख से बढाकर 8 लाख करने पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। राजयसभा सांसद श्री रामचंद्र जांग ?ा ने मुख्यमंत्री आवास पर पिछ ?ा वर्ग के लोगों की भारी संख्या को महाकुंभ बताते हुए कहा कि राज्य सरकार की नीतियों से खुश होकर पिछ ?ा वर्ग के लोग महापुरुषों की जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों में भी महाकुम्भ की तरह उम? प ?ते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार महात्मा ज्योतिबा फुले और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की नीतियों पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति का उत्थान करने में लगी हुई है। इस अवसर पर धन्यवाद कार्यक्रम को मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, पूर्व मेयर श्री मदन चौहान , श्री जवाहर सैनी ने भी सम्बोधित किया। कर्यक्रम में सतबीर वर्मा, देवेंद्र पांचाल, यशपाल, जय सिंह पॉल, श्री श्यामलाल जांग ?ा, रामचंद्र कम्बोज, पूनम सैनी, शारदा यादव, निर्मल बैरागी समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

श्री कृष्ण कुमार बेदी ने पानीपत में की जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता

चण्डीगढ। हरियाणा के सामाजिक न्याय, अनुसूचित जाति और पिछ ?ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने आज जिला पानीपत में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में शिकायतकर्ताओं से सम्बंधित 13 शिकायतों के एजैण्डे पर सुनवाई करते हुए 3 का मौके पर ही समाधान किया और 10 षिकायतों को आगामी बैठक के लिए लंबित रखा गया। श्री कृष्ण कुमार बेदी ने जिला कष्ट निवारण समिति बैठक के दौरान कहा कि जो कम्पनी लोगों को प्लाट देकर उनमें किसी भी तरह का कोई विकास कार्य नहीं करवा रही वे मानवता को खत्म करके लोगों को पी ?ा दे रही हैं। ऐसे लोगों और संस्थानों के प्रति क ?ा रवैया अपनाना होगा ताकि लोग परेषान ना हो। प्रदेश सरकार के साथ-साथ प्रशासन की जिम्मेदारी है कि ऐसे लोगों को समय पर न्याय मिले। श्री बेदी के समक्ष बैठक में पानीपत क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाएं सड?, सुरक्षा, सफाई, पानी, बिजली की सुविधा ना मिलने की बात रखी थी। इस शिकायत को लेकर मंत्री ने मौके पर सारी परिस्थितियां जानी और संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा उनका वहीं निपटान भी किया।

अमेरिका द्वारा टीआरएफ को अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन घोषित करना भारत की रणनीति की पुष्टि है

अमृतसर। पंजाब भाजपा के प्रवक्ता प्रो. सरचांद सिंह ख्याला ने लश्कर-ए-तैयबा की छिपी शाखा और पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार %द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ)% को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने के अमेरिकी फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह घोषणा संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक स्तर पर भारत के सुरक्षा दृष्टिकोण तथा सीमा पार आतंकवाद को लेकर नई दिल्ली की दृढ़ रणनीति की अंतरराष्ट्रीय पुष्टि है। प्रो. सरचांद सिंह ने कहा कि यह सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की दूरदर्शी लीडरशिप की रणनीतिक जीत है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान और आतंकवादी गठजोड़ को लगातार बेनकाब किया। अब अमेरिका द्वारा इसे स्वीकार किया जाना भारत की राजनीतिक और रणनीतिक दिशा के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ है। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल आतंकवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की राजनीतिक अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों और आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा उठाया गया यह निर्णायक कदम पाकिस्तान को कटघरे में खड़ा करता है। यह स्पष्ट संकेत है कि अंतत: अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप, जिन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की मेज़बानी की थी, को भी यह अहसास हो गया है कि आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरा मापदंड एक खतरनाक रास्ता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की झूठी नैरेटिव और आईएसआई द्वारा स्थापित आतंकी संगठनों की सच्चाई अब पश्चिमी दुनिया की रडार पर आ चुकी है। प्रो. सरचांद सिंह ख्याला ने कहा कि टीआरएफ न केवल पहलगाम में मासूम नागरिकों के नरसंहार के लिए जिम्मेदार है, बल्कि भारतीय सुरक्षा बलों पर किए गए कई हमलों के लिए भी। यह संगठन पाकिस्तान की एक बड़ी साजिश का हिस्सा था, जो अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद कश्मीर घाटी में आई शांति को बर्दाश्त नहीं कर सका। उन्होंने आगे कहा, भाजपा के शासन में आतंकवाद के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जा रही है। यह नया भारत है, जो न केवल सब्र नहीं करता, बल्कि तुरंत न्याय करता है। 'ऑपरेशन संदूर' की सफलता पर टिप्पणी करते हुए प्रो. ख्याला ने कहा, पाकिस्तान का आतंकवाद को संसाधन, धन और पनाह देना वैश्विक शांति के लिए खतरा बन चुका था। लेकिन मोदी युग के नए भारत ने उसके इरादों और मंसूबों को चकनाचूर करते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि %नया भारत चुप नहीं बैठता, बल्कि दुश्मन के घर में घुसकर उसे मारता भी है और दुनिया को दिखाता भी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत की आवाज़ पूरी दुनिया में गूंज रही है।

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने एच.एस.वी.पी. कार्यालयों की लापरवाही पर जताई कड़ी नाराज़गी

चंडीगढ। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने एक मामले में एस्टेट कार्यालय, कुरुक्षेत्र और जोनल प्रशासक, पंचकूला के बीच अनावश्यक देरी और अस्पष्ट प्रक्रिया को लेकर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यप्रणाली पर कड़ी आपत्ति जताई है। आयोग के प्रवक्ता ने बताया आयोग ने जांच में पाया कि शिकायतकर्ताओं द्वारा संपत्ति हस्तांतरण के लिए 09 जून 2023 को दिया गया आवेदन लगभग दस महीने तक बार-बार तकनीकी और प्रशासनिक आधारों पर अस्वीकार किया जाता रहा । प्रवक्ता ने बताया जोनल प्रशासक कार्यालय द्वारा बार-बार की गई अस्वीकृतियां और देरी पूर्णत: अनुचित थीं और यह शिकायतकर्ताओं के साथ प्रत्यक्ष रूप से उत्पीड़न के समान है। आयोग ने इस मामले में 09 जून 2023 से 05 अप्रैल 2024 तक कार्यभार में रहे सभी जोनल प्रशासकों के खिलाफ अपनी कड़ी नाराज़गी दर्ज की है। हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 की धारा 17(1)(ह) के अंतर्गत आयोग ने शिकायतकर्ता को 5 हजार रुपये मुआवज़ा देने के निर्देश हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को दिए हैं। यह राशि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को प्रारंभ में स्वयं वहन करनी होगी और फिर संबंधित अधिकारियों से वसूली करनी होगी। आयोग ने एस.जी.आर.ए -सह-प्रशासक (मुख्यालय) के कार्यालय में भी गंभीर लापरवाही पाई, जहां एक ऑफलाइन अपील, जिसे भवन में ही बैठे अधिकारी को भेजा गया था, पंजीकृत डाक से भेजने के बाद लापता हो गई। आयोग ने इसे प्रशासनिक शिथिलता का गंभीर उदाहरण बताते हुए एस.जी.आर.ए द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण को अस्वीकार कर दिया है। आयोग के अवर सचिव द्वारा 26 जून 2025 को संबंधित कार्यालयों का निरीक्षण किया गया

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

टोल टैक्स माफी के लिए ग्रामीणों ने टोल फ्री करवाया नेशनल हाईवे

एजेंसी

झज्जर। दिल्ली- रोहतक नेशनल हाईवे पर स्थित रोहद टोल प्लाजा पर लोकल वाहनों से शुल्क वसूलने के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। सांपला के लोगों ने रोहद टोल प्लाजा पर पहुंचकर टोल की सभी लाइन फ्री कर दी। जिसके चलते 2 घंटे से ज्यादा समय तक टोल प्लाजा पर वाहनों से शुल्क नहीं वसूला जा सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे, ग्रामीणों को समझाने बुझाने का प्रयास किया गया मगर ग्रामीण नहीं माने। सांपला के लोगों का कहना है कि रोहद टोल प्लाजा उनके क्षेत्र से सटा हुआ है। उन्हें रोजाना काम के लिए टोल प्लाजा से होकर गुजरना पड़ता है। टोल प्लाजा पर उन्हें छूट नहीं दी जा रही। उनके प्राइवेट और कमर्शियल वाहनों से दिन में कई बार टोल वसूला जाता है। लोगों का आरोप है कि टोल के कर्मचारी उनसे बदतमीजी से बात करते हैं और झगड़ा करने पर भी उतारू हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि रोहद टोल प्लाजा पर साथ लगते गांव के वाहनों से टोल नहीं वसूला जाता। सांपला भी टोल के पास ही स्थित है। इसके बावजूद उनके वाहनों से टोल वसूला जा रहा है। लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार टोल प्लाजा के अधिकारियों से इस संबंध में बातचीत की है। मगर कोई समाधान नहीं निकला। इसी के चलते आज रोहद टोल प्लाजा पर वाहनों से शुल्क वसूलने नहीं दिया जा रहा। लोगों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनके लोकल वाहनों से टोल टैक्स वसूली बंद नहीं होगी तब तक वह धरना जारी रखेंगे।

नगरपालिका की आय बढ़ाए, अतिक्रमण हटाए, सफाई सुधारें : आयुक्त

सोनीपत। गन्नौर नगर पालिका कार्यालय का निगम आयुक्त हर्षित कुमार ने दौरा किया। कार्यालय पहुंचने पर नगरपालिका अध्यक्ष अरुण त्यागी ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। दौरे के दौरान निगम आयुक्त ने नगरपालिका के समस्त अधिकारियों के साथ बैठक की और विभागीय कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नगरपालिका की आय बढ़ाने के लिए जिम्मेदारी से कार्य करें। विशेष रूप से गृह कर, विकास शुल्क और संपत्ति पहचान प्रणाली (प्रोपर्टी आईडी) पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। इसके साथ ही नपा सचिव प्रदीप खर्ब से उन्होंने नगर में चल रहे विकास कार्य और सभी टेंडरों की जानकारी प्राप्त की।आयुक्त ने स्पष्ट किया कि नगर में विकास के लिए पर्याप्त निधि उपलब्ध है, अतः विकास कार्यों में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बाजारों से अतिक्रमण हटाने के लिए कठोर कदम उठाने और जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने की हिदायत भी दी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने गढ़ी केसरी क्षेत्र में बनने वाले आधुनिक शौचालयों के चयनित स्थल का भी निरीक्षण किया।

एमएसएमई को 119 करोड़ की ऋण स्वीकृति, बैंक की पहल

सोनीपत। आर्थिक विकास की रीढ़ बन चुके सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने के लिए पंजाब नैशनल बैंक ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। ऋण प्रक्रिया को सरल बनाने और उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से कार्यक्रम एक नई दिशा प्रदान कर रहा है। पंजाब नैशनल बैंक द्वारा पैन इंडिया स्तर पर एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत सोनीपत मंडल की सभी शाखाओं में जागरूकता एवं ऋण स्वीकृति शिविरों का आयोजन किया गया।मंडल स्तरीय मुख्य कार्यक्रम लीड बैंक कार्यालय, सोनीपत में मंडल प्रमुख अभय कुमार सिंह एवं उप मंडल प्रमुख संजय कुमार गोंदवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि बैंक की प्रधान कार्यालय की महाप्रबंधक दीपमाला सचना रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नवीन कौशिक, अध्यक्ष बरही औद्योगिक एसोसिएशन उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले इच्छुक उद्यमियों से 149 करोड़ रुपये की ऋण राशि के आवेदन प्राप्त किए गए। आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद 119 करोड़ रुपये की ऋण स्वीकृति पत्र मौके पर ही वितरित किए गए।

पश्चिमी सोनीपत को मिलेगा स्वच्छ पेयजल, होगा जलनिकासी समाधानः निखिल

सोनीपत। सोनीपत के नागरिकों को बेहतर पेयजल सुविधा और जलनिकासी व्यवस्था उपलब्ध करवाने के प्रयास तेज हो गए हैं। विधायक निखिल मदान ने कालूपुर चौक स्थित नवीन वाटर बूस्टर का औचक निरीक्षण कर कार्य की प्रगति जानी और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने बताया कि उनके कार्यकाल में आरंभ हुए इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत ककरोई रोड पर बने जल शुद्धिकरण संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) को कालूपुर वाटर बूस्टर से जोड़ा गया है। 1.7 एमएलडी जल भंडारण क्षमता वाले इस टैंक से लहराड़ा और औद्योगिक क्षेत्र में आपूर्ति शुरू हो चुकी है। दोनों मोटरें क्रियाशील स्थिति में मिलीं। प्रस्तावितयोजना के अनुसार, बाबा कॉलोनी, मोहन नगर, आर्य नगर, विशाल नगर, ब्रह्म नगर और मिर्च मंडी में भी अगले सप्ताह से जलापूर्ति आरंभ की जाएगी, जिससे पुरानी तहसील स्थित बूस्टर का दबाव कम होगा और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

योजनाओं का पात्र व्यक्तियों को समय पर दें लाभ, जिनमें काम नहीं उन्हें करें बंद : मनोहर लाल

एजेंसी

पानीपत। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों से कहा कि हमें हर स्कीम को सफल बनाना है, जिस स्कीम में कोई काम नही है उसको बंद करवाने के लिए लिखें। केंद्रीय मंत्री जिला सचिवालय में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति(दिशा)की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक के एजेंडे में शामिल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। केन्द्रीय मंत्री ने बैठक में बीएसएनएल के अधिकारी से जानकारी मांगी, बीएसएनएल व अन्य प्राईवेट कम्पनियों के मुकाबले आम जनता को क्या सहयोग दे रहा है, बीएसएनएल की क्या-क्या स्कीम है। अधिकारी के जवाब से संतुष्ट न होने पर केन्द्रीय मंत्री ने नाराजगी जताई और कड़े शब्दों में कहा कि अगली बैठक में इसकी पूरी विस्तार से जानकारी लेकर आएं। केन्द्रीय मंत्री ने सुझाव दिया कि जो

युवा बेरोजगार हैं वह स्वरोजगार के लिए वीटा बूथ खोल सकते हैं, इसके लिए उन्हें मुख्य स्थानों पर बूथ के लिए जमीन देखनी होगी। केन्द्रीय मंत्री ने सदस्यों को सुझाव दिया कि वह अपने नजदीक के व्यक्तियों को इसके लिए प्रेरित करें और कार्य शुरू करने के लिए आर्थिक सहयोग भी करें ताकि रोजगार मिल सके। केन्द्रीय मंत्री ने समीक्षा करते हुए कहा कि कुछ ऐसे परिवार हैं जो बहुत गरीब हैं और वह बीपीएल के लिए पात्र हैं, उनके परिवार पहचान पत्र में गलती से कई--कई गाड़ी चढ़ाई गई हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। उन्होंने अतिरिक्त उपायुक्त को निर्देश दिए कि इसकी जांच करें और जो दोषी हो उसके खिलाफ कार्यवाही भी करें और पात्र परिवारों के नाम बीपीएल सूची में दर्ज करें। इस अवसर पर बैठक में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, शहरी विधायक प्रमोद विज, समालखा के विधायक मनमोहन भड़ाना, मेयर कोमल सैनी, कमेटी के सदस्य व पूर्व सांसद संजय भाटिया, भाजपा जिला महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नायब सिंह सैनी ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात, किशाऊ बांध और सीईटी पर चर्चा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गृहमंत्री को हरियाणा में तीन नए आपराधिक कानूनों के संबंध में एक बड़े कार्यक्रम के लिए न्योता दिया और किशाऊ बांध सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए तीव्र गति से कार्य किया है। अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को 11वें स्थान से उठाकर चौथे स्थान तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आज एक मजबूत और सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा है। मीडियाकर्मियों द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने बताया कि सीईटी परीक्षा को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। प्रदेश में 26 व 27 जुलाई को लाखों की संख्या में परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हरियाणा पुलिस में शीघ्र ही कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। इसके लिए भी अधिकारियों को सभी तैयारियां करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने बिहार दौरे के दौरान एक कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि बिहार प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक-एक पंचायत में 700 से 900 तक मकान बनाकर गरीबों को प्रदान किए गए हैं।

स्वच्छ गुरुग्राम अभियान के तहत मेयर राजरानी ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर और बेहतर बनाने की दिशा में नगर निगम की टीमें पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रही हैं। यह बात गुरुग्राम नगर निगम की मेयर राजरानी मल्होत्रा ने सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ अभियान के तहत आयोजित विशेष स्वच्छता ड्राइव के दौरान कही।

इस विशेष अभियान की शुरुआत भूतेश्वर मंदिर चौक से खांडसा सब्जी मंडी तक की गई, जिसमें नगर निगम पार्षदों, अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों तथा स्वच्छता कर्मियों ने हिस्सा लिया। मेयर ने इस अवसर पर नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और उनके साथ झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि नगर निगम की स्वच्छता टीमें प्रतिदिन गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट्स और सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंट्स से कचरा उठाने के साथ-साथ सड़कों, गलियों व सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई में जुटी हुई हैं।

मेयर ने नागरिकों की

भागीदारी को बताया अनिवार्य

मेयर मल्होत्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वच्छता अभियान की सफलता तभी सुनिश्चित की जा सकती है जब नागरिक सक्रिय भागीदारी दिखाएं। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा गया है कि सफाई कर्मियों द्वारा क्षेत्र की सफाई के बाद कुछ लोग दोबारा वहीं कचरा फैला देते हैं, जिससे पूरी व्यवस्था बाधित हो जाती है। उन्होंने विशेष रूप से दुकानदारों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखें और सफाई के बाद कूड़े को सड़क पर फेंकने की बजाय नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराई गई गार्बेज ट्रॉलियों में डालें। मेयर ने जानकारी दी कि केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा हरियाणा शहरी स्थानीय निकाय विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत यह अभियान जारी रहेगा। इसका मुख्य उद्देश्य केवल सफाई कराना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करना भी है। उन्होंने गुरुग्राम वासियों से अपील की कि अपने घरों व प्रतिष्ठानों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों की भी सफाई रखें। केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, जन सहयोग से ही गुरुग्राम को एक आदर्श, स्वच्छ व सुंदर शहर बनाया जा सकता है।

सीएम फ्लाइंग की बड़ी कार्रवाई

एजेंसी

तावडू। खंड के अंतर्गत सोहना रोड पर स्थित गांव धुलावट में केएमपी फ्लाईओवर के नजदीक एक अवैध रूप से संचालित रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांट पर मुख्यमंत्री उड़न दस्ता टीम ने एक प्रभावी छापेमारी अभियान चलाया। यह प्लांट, जो ग्राम पंचायत गोगजाका के बिधुवास सीमा क्षेत्र में संचालित एसपीएल मिक्सर प्लांट के नाम से जाना जाता है, जिसे गंभीर अनियमितताओं और पर्यावरण नियमों की अवहेलना के प्लांट को पूरी तरह सील कर दिया गया है।

यह छापेमारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार के नेतृत्व में कई गई, जिनके निर्देशन में गठित टीम ने प्लांट की विस्तृत जांच की। जांच में पाया गया कि संयंत्र संचालक के पास न तो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से और न ही जिला नगर विकास प्राधिकरण से कोई वैध एनओसी मौजूद थी। यह प्लांट पहले भी अनियमितताओं के कारण सील किया जा चुका था, लेकिन संचालकों ने नियमों की अनदेखी करते हुए इसे पुनः चालू कर दिया। टीम ने पाया कि यहां धूल प्रदूषण, अपशिष्ट प्रबंधन में लापरवाही और औद्योगिक मानकों का घोर उल्लंघन हो रहा था, जो न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक

था, बल्कि स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा पैदा कर रहा था। अनियमितताओं के पाए जाने के बाद सीएम फ्लाइंग की टीम ने तत्काल प्रभाव से प्लांट को सील करने का आदेश दिया। इस कार्रवाई के दौरान संयंत्र की सभी गतिविधियों को रोक दिया गया और मौके पर मौजूद सामग्री की सूची बनाई गई। इसके बाद एक विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट तैयार की गई। यह रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित कर दी गई है, ताकि आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अवैध संचालन के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उपमंडल प्रदूषण नियंत्रण विभाग से अभियंता मनीष यादव ,डीटीपी विभाग से जेई विकास,खनन विभाग सुनील कुमारऔर मुख्यमंत्री उड़न दस्ता टीम के अन्य सदस्यों मौजूद रहे। टीम के अनुसार धुलावट और आसपास के गांवों के निवासियों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है, क्योंकि लंबे समय से वे इस प्लांट से होने वाले प्रदूषण और शोर से परेशान थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की अवैध इकाइयां उनके जीवन को प्रभावित कर रही थीं, और अब उन्हें उम्मीद है कि प्रशासन भविष्य में भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रखेगा।

औद्योगिक क्षेत्रों को प्रोत्साहन के लिए हरियाणा में व्यापक स्तर पर काम जारीः राव नरबीर सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना पर आगे बढ़ते हुए हरियाणा में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने की नीति पर व्यापक स्तर पर काम किया जा रहा है। हरियाणा सरकार उद्योग आधारित नीतिगत ढांचे को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे प्रदेश में आर्थिक प्रगति, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सुगम व्यापार का वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने यह बात लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में हरियाणा फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइसेज निर्माण नीति, 2025 तथा हरियाणा इलेक्ट्रॉनिक्स वेस्ट रीसाइक्लिंग नीति, 2025 के ड्राफ्ट पर संबंधित क्षेत्रों के हितधारकों के साथ परामर्श बैठक को संबोधित करते हुए कही। राव नरबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने उद्यमियों व स्टार्टअप को प्रोत्साहन

देने के लिए अनेक सकारात्मक पहल की है। उद्यमियों की सुविधा के लिए इन्वेस्ट हरियाणा पोर्टल के माध्यम से 135 सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध करवाई जा रही है। इन सेवाओं की उच्च स्तर पर मॉनिटरिंग भी की जाती है ताकि समय पर उद्यमियों को विभिन्न विभागों की सेवाएं मिल सके। हितधारकों के सुझाव मिलने पर इस सुविधा में समय-समय पर अपडेट भी किया जाता है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने वेस्ट रीसाइक्लिंग नीति को लेकर कहा कि वर्तमान समय में ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के थ्री आर- रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल पर फोकस करते हुए इस नीति को तैयार किया गया है, ताकि विकसित भारत-2047 के विजन में हरियाणा की प्रमुख भागीदारी हो। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव अमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए आधुनिक, नवाचार आधारित और आत्मनिर्भर औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने हेतु प्रतिबद्ध है। इसलिए नए-नए क्षेत्रों की पहचान कर उनके लिए अलग से नीतियां व विकासोन्मुखी कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। इस बैठक में राज्य में ई-वेस्ट प्रबंधन के लिए सशक्त ढांचा तैयार करना, रीसाइक्लिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देना, उत्पादक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना और सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में कौशल विकास व नवाचार को प्रोत्साहन देने पर हितधारकों से व्यापक चर्चा की गई। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक डीके बेहरा वीडियो कांफ्रेंस से बैठक में शामिल हुए।

पलवल के पृथला क्षेत्र में जलभराव संभावित जगहों का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

एजेंसी

पलवल। पृथला क्षेत्र में जलभराव संभावित जगहों, जल निकासी व अवैध कब्जा हटवाने के साथ सफाई व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने गंभीरता से निरीक्षण करते हुए आवश्यक कदम उठाने संबंधित दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से जलभराव की समस्या को दूर करने और जोहड़ से अवैध कब्जा हटवाने के लिए तुरंत प्रभाव से प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। इस मौके पर उपायुक्त ने पृथला-दूधौला रोड, दूधौला से नगला भीकू, नगला भीकू से भुर्जा तथा नया गांव के सडक़ मार्ग का निरीक्षण कर जायजा लिया। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने दोपहर बाद संबंधित अधिकारियों को साथ लेकर पृथला क्षेत्र का दौरा किया। उपायुक्त ने पृथला क्षेत्र में सडक़ों पर जलभराव की समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस समस्या का स्थाई समाधान करवाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि नालों की सफाई करवाएं और गंदे पानी की निकासी का उचित समाधान करें, ताकि जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पृथला क्षेत्र में जिन सडक़ों पर पेचवर्क की आवश्यकता है उन्हें जल्द से जल्द दुरुस्त करवाया जाए। इसके अलावा जिन सडक़ों को नया बनाया जाना है उनके टेंडर अलॉट करवाकर जल्द बनवाया जाए। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने पृथला क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान भुर्जा गांव में जोहड़ का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा गांव में साफ-सफाई दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे गांव के गंदे पानी की निकासी के लिए नाली का निर्माण करवाया जाए, ताकि मार्ग पर जलभराव की समस्या न हो।

वर्ष 2034 तक सहकारिता क्षेत्र की जीडीपी में तीन गुणा वृद्धि होगी सुनिश्चितः डॉ. अरविंद शर्मा

एजेंसी

गुरुग्राम। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत मिशन में सहकार से समृद्धि के संकल्प को राष्ट्रीय सहकारिता नीति के माध्यम से रफ्तार दी जाएगी। यह नीति वर्ष 2034 तक देश के सहकारिता क्षेत्र की जीडीपी में तीन गुणा वृद्धि सुनिश्चित करेगी, जिसमें हरियाणा भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गरीब, वंचित को अपार अवसरों व सम्भावनाओं के साथ देश के अर्थतंत्र का मजबूत भागीदार बनाया जाएगा। वे गुरुवार देर शाम यहां लक्ष्मणराव इनामदार राष्ट्रीय सहकारी अनुसंधान एवं विकास अकादमी (लिनाक) व सहकार भारती के तत्वावधान में सहकार कार्यकर्ताओं व विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि देश में लंबे समय से सहकार आंदोलन मृतप्राय स्थिति में पहुंच गया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता मंत्रालय के गठन व सहकार से समृद्धि के आह्वान के साथ जीवंत करते हुए गति प्रदान की है। वर्ष

2021 में नए मंत्रालय के साथ -साथ राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर पर सुनियोजित प्रयासों का नतीजा है कि आज देश में सहकार आन्दोलन न केवल चर्चा में है, बल्कि देश के अर्थतंत्र को रफ्तार देने, युवाओं, महिलाओं, किसानों को आत्मनिर्भरता की दिशा में उज्ज्वल भविष्य के तौर पर कदम बढ़ा रहा है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा राष्ट्रीय सहकारिता नीति के लिए आभार व्यक्त करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि सहकार से समृद्धि के संकल्प में यह नीति ऐतिहासिक कदम साबित होने जा रही है। उन्होंने कहा कि आणंद में देश के पहले सहकारिता विश्वविद्यालय की नींव रखे जाने और राष्ट्रीय सहकारिता नीति लागू होने से देशभर में दूरदर्शिता, व्यवहारिकता व परिणाम आधारित निर्णयों के माध्यम से वर्ष 2034 तक देश मे सहकार आंदोलन की जीडीपी तीन गुणा बढने जा रही है।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने दिल्ली रोहतक रोड पर गड्ढों को भरने के कार्य का किया निरीक्षण

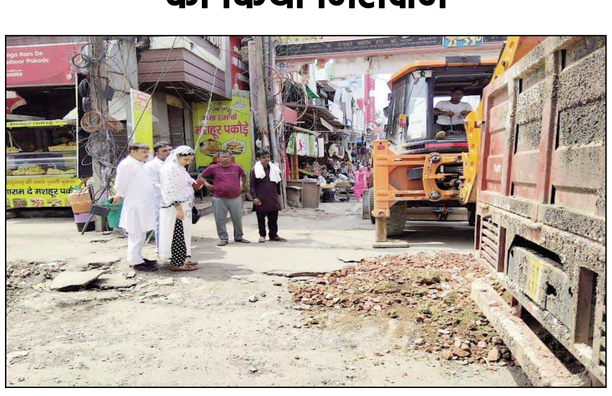

एजेंसी

बहादुरगढ़। नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने दिल्ली रोहतक रोड पर मौजूद गड्ढों को भरने के कार्य का निरीक्षण किया। चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि आमजन द्वारा दिल्ली रोहतक रोड पर मौजूद गड्ढों की समस्या से अवगत कराया था और आज दिल्ली रोहतक रोड पर गड्ढों को भरने का कार्य किया जा रहा है ताकि गड्ढों की वजह से किसी प्रकार की दुर्घटना घटित न हो। इस अवसर पर चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि बरसात के बाद जल्द ही दिल्ली रोहतक रोड बनाया जाएगा और रोड के साथ में टाइल भी लगाई जाएगी। चेयरपर्सन ने बताया कि सांखोल मोड़ से सेक्टर 9 बाईपास तक दिल्ली रोहतक रोड बनेगा तब तक मौजूदा गड्ढों को भरने का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस अवसर पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी, लोक निर्माण विभाग के जेई शुभम मौजूद रहे।

स्कूल वाहनों की हो नियमित जांच, सुरक्षा में चूक पर होगी सख्त कार्रवाई : जितेंद्र गर्ग

एजेंसी

तावडू। एसडीएम जितेंद्र गर्ग ने 'सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी' के तहत छह निजी स्कूलों की बसों की औचक जांच की। इस दौरान उन्होंने सभी स्कूल संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे समय रहते अपने स्कूल वाहनों की सभी कमियों को दूर करें, अन्यथा नियमों की अवहेलना पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा यह मामला है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी स्कूलों को चेताया कि यदि बसों में सुरक्षा मानकों की कमी पाई गई, तो चालान किए जाएंगे और जरूरत पड़ी तो बसों को जब्त भी किया जा सकता है। सख्त हिदायतें दी गईं।

एसडीएम गर्ग ने उपमंडल स्तरीय कमेटी को भी सक्रिय रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सभी स्कूल बसों में सुरक्षा सुविधाएं होनी चाहिए। जिनमें मुख्य रूप से प्राथमिक उपचार किट,अग्निशमन यंत्र, सीसीटीवी कैमरे व जीपीएस सिस्टम,बस रूट चार्ट,निर्धारित सीटिंग क्षमता से अधिक बच्चे न बैठाए जाएं,यदि बालिकाएं हो तो महिला अटेंडेंट। बस के बाहर स्कूल का नाम, मालिक का नंबर, पुलिस कंट्रोल रूम और

चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर लिखा होना चाहिए। एसडीएम ने कहा कि स्कूल बस ड्राइवरों के पास कम से कम पांच साल का अनुभव होना जरूरी है। उन्हें किसी भी हालत में नशे की स्थिति में वाहन नहीं चलाने दिया जाना चाहिए। स्कूल प्रबंधन को अपने ड्राइवर, कंडक्टर और अटेंडेंट के व्यवहार की नियमित समीक्षा करनी चाहिए। किसी भी तरह का संदेह होने पर ड्राइवरों का मेडिकल टेस्ट करवाना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि वाहन के फिटनेस सर्टिफिकेट, बीमा, पंजीकरण और परमिट पूरे व मान्य होने चाहिए। गाड़ी की हेडलाइट, बैकलाइट और हॉर्न सही स्थिति में होने चाहिए, और टायरों की गुणवत्ता भी ठीक होनी चाहिए। अंत में एसडीएम ने दोहराया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इस दिशा में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पानीपत में प्लाट धारकों को परेशान करने वाले बिल्डर पर होगी कार्रवाईःकृष्ण बेदी

एजेंसी

पानीपत। सामाजिक न्याय सशक्तिकरण अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने जिला सचिवालय सभागार में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में शिकायतों पर सुनवाई करते हुए कहा कि जो कम्पनी लोगों को प्लाट देकर उनमें किसी भी तरह का कोई विकास कार्य नही करवा रही वे मानवता को खत्म करके लोगों को पीड़ा दे रही हैं। उनमें किसी भी तरह का कोई दयाभाव नही है। ऐसे लोगों और संस्थानों के प्रति कड़ा रवैया अपनाना होगा ताकि लोग दुखी ना हो और यह प्रदेश सरकार के साथ-साथ प्रशासन की इतनी जिम्मेदारी है कि ऐसे लोगों को समय पर न्याय दिलाने का काम करे। उन्होंने कहा की जरूरतमंदो का शोषण करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में पहली शिकायत हवा सिंह वासी टीडीआई सिटी द्वारा दी गई जो टीडीआई सिटी में सुविधाए उपलब्ध ना करवाने से सम्बंधित थी। टीडीआई निवासियों ने मूलभूत सुविधाएं सडक़, सुरक्षा, सफाई, पानी की सुविधा ना मिलने की बात मंत्री के समक्ष रखी थी। रणधीर सिंह वासी नई अनाज मण्डी समालखा द्वारा दी गई। यह शिकायत बैंक से सम्बंधित थी। इस पर गम्भीरता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए गये थे। शिकायत कर्ता पवन कुमार ने अंसल सिटी पानीपत के बीपीएल प्लेटो में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने की बात कही। शिकायतकर्ता रविन्द्र सिंह वासी झटीपुर ने की थी। यह शिकायत पिछली बैठक की लंबित शिकायत थी। शिकायतकर्ता गुलशन निवासी पारसनाथ डेवलपर लिमिटेड पानीपत ने की। यह भी पिछली बैठक की लम्बित शिकायत थी। इसमें पारसनाथ के नाम से कॉलोनी काटी गई थी जिसमें प्लाटों को खरीदा गया था। इसमें गुलशन कुमार ने शिकायत की थी कि सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने कहा कि सुविधाओं के ना होने की वजह से हम अपने प्लाटों व मकानों का निर्माण नही कर पा रहे। पारसनाथ डेवलपर सुविधाओं के नाम से चार्ज वसूल कर रही है जबकि मौके पर कोई सुविधा नही दी जा रही। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी कॉलोनी डेवलपरों पर सख्त दिखाई दिए।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 695.49 अरब डॉलर पर

- पिछले सप्ताह में भी भंडार 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रह गया था

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 18 जुलाई 2025 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.18 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 695.49 अरब डॉलर पर आ गया है। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखी गई है। इससे पिछले सप्ताह में भी भंडार 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर 2024 के अंत में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के सर्वोच्च स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया था, लेकिन हालिया आंकड़ों के अनुसार इसमें गिरावट का रुझान देखने को मिल रहा है। 18 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां, 1.20 अरब डॉलर घटकर 587.61 अरब डॉलर रह गईं। विदेशी मुद्रा आस्तियों में डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का असर भी शामिल होता है। हालांकि, स्वर्ण भंडार में इस दौरान मामूली वृद्धि दर्ज की गई और इसका मूल्य 15 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.49 अरब डॉलर हो गया। इस सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में भी गिरावट दर्ज की

गई और यह 11.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.68 अरब डॉलर पर आ गया। इसके अलावा, भारत का अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखा गया भंडार भी 1.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.69 अरब डॉलर रह गया। इस गिरावट के पीछे विदेशी बाजारों में मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव, आयात-निर्यात असंतुलन और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को संभावित कारण माना जा रहा है।

भारत की विनिर्माण गतिविधि जुलाई में उच्चतम स्तर पर पहुंची

- महंगाई-रोजगार की चुनौती बनी चिंता का विषय

मुंबई । जुलाई 2025 में भारत की विनिर्माण गतिविधियां 17.5 वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा जारी एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जुलाई में 59.2 पर पहुंच गया, जो जून के 58.4 के मुकाबले उल्लेखनीय वृद्धि है। यह वृद्धि घरेलू और वैश्विक मांग में मजबूती का संकेत देती है। वहीं विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों का संयुक्त पीएमआई 60.7 पर पहुंच गया, जो पिछले एक साल से अधिक समय में सबसे तेज उछाल है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से तेज मांग, तकनीकी निवेश और उत्पादन क्षमता के विस्तार के कारण संभव हुई है। रोजगार के क्षेत्र में भी सकारात्मक विकास देखने को मिला है, खासकर सेवा क्षेत्र में रोजगार सृजन में मजबूती आई है। भारतीय कंपनियां आने वाले 12 महीनों में उत्पादन वृद्धि को लेकर आशावादी हैं।

कंपनियों ने इस वृद्धि के पीछे बढ़ती मांग, तकनीक में निवेश और क्षमताओं के विस्तार को मुख्य कारण बताया है। पीएमआई आंकड़ों से यह भी पता चला कि वस्तु उत्पादकों ने सेवा प्रदाताओं की तुलना में उत्पादन में तेजी से वृद्धि दर्ज की है, जो अप्रैल 2024 के बाद से सबसे मजबूत रही। हालांकि सेवा क्षेत्र में जुलाई के दौरान गतिविधियों में थोड़ी नरमी देखी गई, फिर भी ऐतिहासिक मानकों के अनुसार वृद्धि की दर अच्छी रही। निजी क्षेत्र में परिचालन सुधार जारी रहा, साथ ही कुल बिक्री, निर्यात आदेश और उत्पादन स्तर में तेज वृद्धि हुई। हालांकि, कारोबारी विश्वास महंगाई और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण लगभग ढाई साल के निचले स्तर पर आ गया है। रोजगार सृजन की दर भी पिछले 15 महीनों में सबसे कम रही।

रेलवे ने ऑनलाइन टिकट धोखाधड़ी रोकने 2.5 करोड़ यूजर आईडी बंद की

- यूजर्स के बुकिंग पैटर्न में अनियमितताएं पाए जाने पर लिया फैसला

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग में हो रही गड़बड़ियों और धोखाधड़ी को रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने आईआरसीटीसी की 2.5 करोड़ से अधिक संदिग्ध यूजर आईडी को बंद कर दिया है। यह जानकारी सरकार ने संसद में दी, जहां सांसद ए. डी. सिंह ने इस मामले को उठाया था। उन्होंने सवाल किया था कि करोड़ों यूजर आईडी क्यों बंद की गईं, टिकट बुकिंग खुलते ही टिकट कैसे गायब हो जाते हैं और इस समस्या से निपटने के लिए रेलवे क्या कदम उठा रहा है। सरकार ने बताया कि इन यूजर्स के बुकिंग पैटर्न में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते इनकी आईडी को बंद करना जरूरी था। रेलवे ने यह भी बताया कि ट्रेनों की टिकट मांग साल भर एक जैसी नहीं होती। कुछ ट्रेनों की मांग अधिक होती है, खासकर वे जो लोकप्रिय हैं या जिनमें यात्रा का समय कम होता है। ऐसे ट्रेनों के टिकट जल्दी बिक जाते हैं, जबकि अन्य ट्रेनों में टिकट आसानी से मिल जाते हैं। यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए रेलवे ने कई नए नियम लागू किए हैं। 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आइआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप पर आधार कार्ड से वेरिफिकेशन अनिवार्य होगा। साथ ही, एजेंट तत्काल टिकट बुकिंग खुलने के पहले 30 मिनट तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। यह कदम टिकट बुकिंग प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए उठाया गया है।

आरबीआई की 7 दिन की वीआरआरआर नीलामी में बैंकों ने बढ़ाई बोली

- बैंकों ने 1.25 लाख करोड़ की अधिसूचित राशि से अधिक की बोली लगाई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में 7 दिन की वैरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) नीलामी आयोजित की, जिसमें बैंकों ने 1.25 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि से अधिक, यानी 1.42 लाख करोड़ रुपये की बोली लगाई। यह मांग इस बात को दर्शाती है कि बाजार में लिक्विडिटी की जरूरत बढ़ी है। पिछले सप्ताह बैंकों ने आरबीआई के पास जमा किए गए 2 लाख करोड़ रुपये वापस लिए थे, जिससे बाजार में पैसा कम हो गया था और इस नीलामी के जरिए फिर से पैसा उपलब्ध कराया गया। आरबीआई ने इस नीलामी को 5.49 प्रतिशत की कटऑफ रेट पर स्वीकार किया। एक सरकारी बैंक के डीलर ने कहा कि पिछले सप्ताह की वापसी के कारण इस बार मांग अधिक रही। इसके चलते मुद्रा बाजार में ओवरनाइट कॉल रेट गिरकर 5.39 प्रतिशत हो गया, जो पिछले दिन 5.54 प्रतिशत था। यह गिरावट बाजार में सस्ते पैसे का संकेत है। पिछले सप्ताह

आरबीआई ने दो बार वीआरआरआर नीलामी कराई थी क्योंकि ओवरनाइट मनी मार्केट रेट ने नीतिगत रीपो रेट से ऊपर जाना शुरू कर दिया था। इन नीलामियों के बाद ओवरनाइट रेट में गिरावट आई, जो मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) से नीचे आ गया। एमएसएफ रेट रीपो रेट से 25 बेसिस पॉइंट ऊपर है, जबकि स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी रेट 25 बेसिस पॉइंट नीचे है। आरबीआई की ये नीलामी और दरों में बदलाव मौद्रिक नीति के तहत बाजार में तरलता बनाए रखने के लिए उठाए गए कदम हैं, ताकि मनी मार्केट स्थिर रहे और बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त पैसा बना रहे। ऐसे कदम से आर्थिक गतिविधियों को सहारा मिलता है और ब्याज दरों में अस्थिरता कम होती है।

टाटा समूह ने पांच साल में किया 1 लाख करोड़ का निवेश

- एन. चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा समूह भविष्य के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार

मुंबई । टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने समूह की वार्षिक रिपोर्ट में जानकारी दी है कि बीते पांच वर्षों में टाटा समूह ने अपनी कंपनियों में 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश किया है। समूह अब सेमीकंडक्टर, डिजिटल सेवाओं, बैटरियों और अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को अपनी वृद्धि का अगला चरण मान रहा है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह भविष्य के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। चंद्रशेखरन ने बताया कि समूह का कुल राजस्व पांच वर्षों में 1.9 गुना बढ़ा है, जबकि शुद्ध लाभ 3.6 गुना तक पहुंच गया है। ऋण अनुपात घटकर 0.7 गुना रह गया है और इक्विटी पर रिटर्न 8.7 से बढ़कर 17.5 फीसदी हो गया है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में उन्होंने कहा कि कंपनी एकीकृत तकनीकी हार्डवेयर और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रही है। इस कंपनी में 65,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 70 फीसदी महिलाएं हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में 66,000 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। वहीं टाटा की एयर इंडिया ने 78,636 करोड़ का राजस्व और 10,859 करोड़ का घाटा दर्ज किया। टाटा डिजिटल ने 32,188 करोड़ के राजस्व के साथ 4,600 करोड़ का घाटा दिखाया। हालांकि बीमा क्षेत्र की संयुक्त कंपनियों ने लाभ कमाया। चंद्रशेखरन ने कहा कि रणनीतिक अनुशासन और दीर्घकालिक सोच के कारण समूह की नींव मजबूत हुई है, और अब यह अगले तकनीकी युग के लिए तैयार है।

जून में हीरो की स्प्लेंडर मॉडल की कुल 3,31,057 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली । भारतीय टू-व्हीलर बाजार में हीरो मोटोकॉर्प की बाइक्स ने बिक्री के मामले में फिर से अपनी बादशाहत कायम रखी है। एक बार फिर हीरो स्प्लेंडर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक का ताज अपने नाम किया है। जून 2025 के आंकड़ों से पता चलता है कि इस महीने में इस मॉडल की कुल 3,31,057 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो पिछले साल के मुकाबले 8.34प्रतिशत ज्यादा है। वहीं होंडा शाइन दूसरे नंबर पर रही, हालांकि इसकी बिक्री में 11.96 प्रतिशत की गिरावट देखी गई और केवल 1,43,218 यूनिट्स ही बिक पाईं। हीरो एचएफ डीलक्स भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए 1 लाख से अधिक यूनिट्स बेचने में सफल रही, जो पिछले साल की तुलना में 12.16 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। हालांकि बजाज पल्सर की बिक्री में 20.39 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिससे इसकी यूनिट्स घटकर 88,452 रह गईं। टीवीएस अपाचे ने 11.37प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 41,386 यूनिट्स बेचीं, जबकि रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 की बिक्री 17.61प्रतिशत बढ़कर 29,172 यूनिट्स पहुंच गई। टीवीएस रेडर की बिक्री में गिरावट आई और इसकी 27,481 यूनिट्स ही बिक पाईं।

एनएफएल ने एवीएफसीसीएल में 1.8 लाख का निवेश किया

नई दिल्ली । नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) ने असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) में 1.8 लाख का निवेश किया है। एनएफएल ने 10 रुपए प्रति शेयर की दर से 18,000 इक्विटी शेयर खरीदकर एवीएफसीसीएल में 18 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है। एवीएफसीसीएल को 25 जुलाई को एक संयुक्त उद्यम के रूप में शामिल किया गया है, जिसका उद्देश्य असम के नामरूप क्षेत्र में नामरूप आईवी अमोनिया-यूरिया फर्टिलाइजर प्लांट की स्थापना करना है। इस जॉइंट वेंचर में असम सरकार, ऑयल इंडिया लिमिटेड, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड, ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और एनएफएल शामिल हैं।

भारत की स्टील स्लैग रोड तकनीक ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई

- अमेरिका और ओमान में हो रहा उपयोग

नई दिल्ली । वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) द्वारा विकसित स्टील स्लैग रोड तकनीक अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पा रही है। अमेरिका के शिकागो और ओमान जैसे देशों में भी इस तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। सीआरआरआई के एक वैज्ञानिक ने बताया कि यह तकनीक भारत के सड़क निर्माण क्षेत्र में एक गेम चेंजर साबित होगी। सड़क निर्माण में मुख्य सामग्री प्राकृतिक एग्रीगेट (जैसे बजरी और रोड़ी) होती है, जिसकी वार्षिक खपत लगभग 1.2 बिलियन टन है। इसके कारण पर्यावरण पर भारी दबाव पड़ता है, क्योंकि एग्रीगेट के लिए माइनिंग करनी पड़ती है। स्टील स्लैग रोड तकनीक पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ संसाधनों के पुनर्चक्रण में भी मददगार साबित हो रही है। इसमें स्टील स्लैग का इस्तेमाल कर पारंपरिक सड़क निर्माण सामग्री की जगह ली जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है।

ब्याज दरों में राहत और बेहतर मौसम से मांग में सुधार की उम्मीद: आईटीसी

- ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में सुधार के मिल रहे संकेत कंपनी के लिए सकारात्मक

नई दिल्ली । आईटीसी लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कंपनी की सालाना आम बैठक (एजीएम) में निवेशकों को संबोधित करते हुए बाजार मांग में नरमी को लेकर सतर्क रुख अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कमजोर वैश्विक वातावरण, खाद्य महंगाई और भारतीय बाजार में उत्पादों की डंपिंग जैसी वजहों से उपभोक्ता मांग प्रभावित हुई है। इस कारण कंपनी के कारोबार पर भी असर पड़ा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ब्याज दरों में संभावित कटौती, बेहतर मानसून और समग्र महंगाई में कमी से आने वाले महीनों में स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में सुधार के संकेत मिल रहे हैं, जो कंपनी के लिए सकारात्मक हैं। एफएमसीजी कारोबार को लेकर उन्होंने बताया कि आईटीसी ने आंतरिक दक्षता बढ़ाने, लागत नियंत्रण, और उत्पाद मिश्रण को बेहतर करने जैसे कई कदम उठाए हैं। मांग में नरमी को देखते हुए कीमतों को भी सावधानीपूर्वक तय किया गया है। गैर-सिगरेट व्यवसाय पर ध्यान देते हुए पुरी ने कहा कि आईटीसी का एफएमसीजी खंड 5 लाख करोड़ के बाजार आकार तक पहुंच गया है और इसे बेहद पूंजी-कुशल तरीके से विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कंपनी की संस्थागत ताकत और दीर्घकालिक रणनीति का परिणाम है। पुरी ने भरोसा जताया कि इन रणनीतियों के परिणाम आने वाली तिमाहियों में दिखने लगेंगे, जिससे कंपनी के विकास को गति मिलेगी।

सोने की कीमतों में गिरावट, त्योहार से पहले खरीदारी का सुनहरा मौका

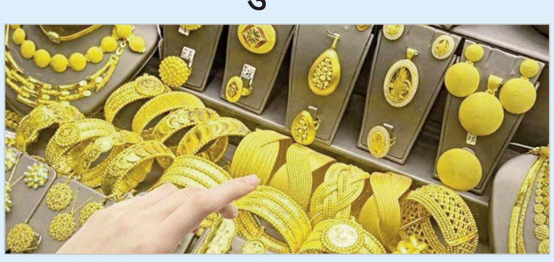

आर्थिक कारणों ने सोना और चांदी दोनों की कीमतों पर दबाव डाला

नई दिल्ली । अगर आप सोने के गहने खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह समय आपके लिए बेहद लाभदायक हो सकता है। सोने की कीमतों में पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है, जिससे खरीदारों के लिए ज्वेलरी सस्ती हो गई है। 24 कैरेट और 22 कैरेट दोनों प्रकार के सोने के रेट में कमी दर्ज की गई है, जिससे त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों के पास खरीदारी का बेहतरीन अवसर है। कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजहें अमेरिका के टैरिफ से जुड़ी चिंताओं में कमी, डॉलर इंडेक्स का दो सप्ताह के निचले स्तर तक गिरना और स्पॉट मार्केट में मांग का कमजोर होना हैं। इन आर्थिक कारणों ने सोना और चांदी दोनों की कीमतों पर दबाव डाला है। यही वजह है कि सोना लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ है। दिल्ली में 26 जुलाई 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,620 प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट की कीमत 92,240 प्रति 10 ग्राम है। बीते तीन दिनों में 24 कैरेट सोने में 1860 और 22 कैरेट में 1710 प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है। अन्य प्रमुख शहरों की बात करें तो मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में 22 कैरेट सोना 92,090 और 24 कैरेट सोना 1,00,470 प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।

शेयर बाजार में 2025 की सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट रही

- सेंसेक्स 721.08 अंक गिरकर 81,463.09 पर बंद

- निफ्टी 225.10 अंक टूटकर 24,837 पर बंद

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारत के प्रमुख इक्विटी सूचकांकों ने 2025 की सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। यह अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार हुआ है कि सेंसेक्स और निफ्टी लगातार चार सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुए हैं। बाजार में भारी वोलैटिलिटी देखने को मिली, जिसका मुख्य कारण भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते पर अनिश्चितता, कंपनियों के मिले-जुले नतीजे, विदेशी निवेश की निरंतर निकासी और अमेरिका-भारत व्यापार सौदे को लेकर असमंजस था। सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 294.64 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी 131.4 अंक नीचे आया। सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को दोनों सूचकांक गिरावट के साथ खुले, लेकिन आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में हुई खरीदारी के कारण शुरुआती नुकसान की भरपाई हुई। बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 148.68 अंक गिरकर 81,609.05 पर खुला और 442.61 अंक की तेजी के साथ 82,200.34 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 67.55 अंक गिरकर 24,900.85 पर खुला और 122.30 अंक बढ़कर 25,090.70 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 337.83 अंक बढ़कर खुले, लेकिन अंत में 13.53 अंक नीचे बंद हुए। निफ्टी भी सुबह 91.3 अंक की तेजी से खुला, पर दिन के अंत में 29.80 अंक गिर गया। बुधवार को अमेरिकी और जापानी व्यापार समझौते की खबर से बाजार में तेजी आई, सेंसेक्स 539.83 अंक और निफ्टी 159 अंक चढ़े। गुरुवार को फिर से गिरावट शुरू हुई। सेंसेक्स 542.47 अंक और निफ्टी

157.80 अंक टूटे। शुक्रवार को बजाज फाइनेंस में कमजोरी और विदेशी पूंजी निकासी के चलते बाजार और नीचे गया। सेंसेक्स 721.08 अंक गिरकर 81,463.09 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 225.10 अंक टूटकर 24,837 पर पहुंच गया।

विदेशी निवेशक बाहर निकले और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने बाजार पर दबाव डाला। निवेशकों के लिए आगामी सप्ताह चुनौतीपूर्ण रहने की संभावना है।

रिलायंस ने कैल्विनेटर ब्रांड अधिग्रहित कर पुरानी यादें ताज़ा कीं

- पुराने ब्रांड्स को नए दौर में वापस लाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने प्रसिद्ध फ्रिज ब्रांड कैल्विनेटर का अधिग्रहण कर पुरानी यादों को एक बार फिर ताज़ा कर दिया है। 1970 और 80 के दशक में घर-घर में लोकप्रिय यह फ्रिज ब्रांड अब रिलायंस के कंज्यूमर प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा बनेगा। सोशल मीडिया पर कैल्विनेटर के पुराने विज्ञापन तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें बुज़ुर्ग व्यक्ति के नकली दांत फ्रिज खोलते ही खड़खड़ाने लगते हैं। यह विज्ञापन उस दौर की याद दिलाते हैं जब कैल्विनेटर द टू रिस्ट वन टैगलाइन के साथ भारत में होम रेफ्रिजरेशन को लोकप्रिय बना रहा था। कैल्विनेटर के अधिग्रहण के साथ रिलायंस ने अपनी नॉस्टैल्जिया आधारित रणनीति को और मजबूत किया है। इससे पहले कंपनी ने अगस्त 2022 में कैम्पा कोला को 22 करोड़ में खरीदा था, जो एक समय में हर घर में लोकप्रिय था लेकिन बाद में मार्केट से गायब हो गया था। इसके अलावा रिलायंस ने गुजरात के 1923 में शुरू हुए कार्बोनेटेड ड्रिंक ब्रांड सोस्यो में भी 50 फीसदी हिस्सेदारी ली है।

आकर्षक लुक के साथ पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट एमजी साइबेस्टर कार लॉन्च

शुरुआती कीमत 74.99 लाख रुपए एक्स-शोरूम तय

नई दिल्ली।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आखिरकार शनिवार को भारतीय बाजार में देश की पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट कार एमजी साइबेस्टर को बिक्री के लिए लॉन्च कर दिया है।

आकर्षक लुक और दमदार बैटरी पैक से लैस इस इलेक्ट्रिक स्पोर्ट कार की शुरुआती कीमत 74.99 लाख रुपये एक्स-शोरूम तय की गई है। बता दें इस कार को कंपनी ने इस साल के भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो के दौरान शोकेस किया था, जहां इस कार ने खूब सूर्खियां बटोरी थी।

एमजी मोटर ने एमजी साइबेस्टर की बुकिंग पहले ही शुरू कर दी थी. ऐसे ग्राहक जिन्होंने इस कार को लॉन्च से पहले बुक किया उन्हें ये कार महज 72.49 लाख रुपए की शुरुआती कीमत में मिलेगी यानी तकरीबन 2.5 लाख का शुद्ध मुनाफा।

कंपनी का दावा है कि ये दुनिया की सबसे फास्ट एमजी कार है, जिसे एक इलेक्ट्रिक स्पोर्ट अवतार में पेश किया है. इस कार के दो दरवाजों और दो सीट वाली इस कन्वर्टिबल स्पोर्ट कार को विशेष रूप से एमजी सेलेक्ट प्रीमियम शोरूम के जरिए से बेचा जाएगा। इस कार का डिज़ाइन 1960 के दशक के एमजी बी रोडस्टर से प्रेरित है।

रेट्रो लुक के साथ ही अत्याधुनिक तकनीक से लैस इस कार के फ्रंट बोनट को स्लोपी बनाया गया है, जो नीचे की तरफ झुकता हुआ दिखता है। इस कार में सीजर डोर्स का इस्तेमाल किया है, जो बटन दबाते ही खुलते और बंद होते हैं।

इसके फ्रंट में आकर्षक एलईडी लाइटिंग के साथ शार्प डीआरएल और एक शानदार बोनट दिया है जबकि पीछे का हिस्सा इंटिग्रेटेड इंडिकेटर्स के साथ पूरी चौड़ाई वाली एलईडी लाइट बार से और भी खूबसूरत नजर आता है। 20-इंच के हल्के अलॉय व्हील, पिरेली पी-ज़ीरो टायरों के साथ, बेहतरीन ग्रिप और परफॉर्मेंस के लिए डिज़ाइन किए गए इस कार में कई एडवांस फीचर्स हैं।

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता- नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

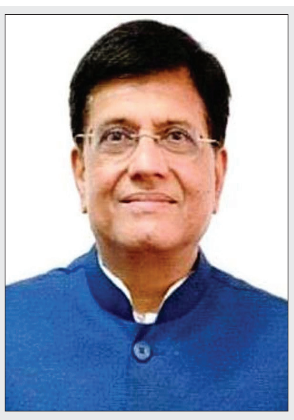

पीयूष गोयल

भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वपन्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोजगार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा।

भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वपन्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री की रणनीति- वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुनः स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्यस बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था।

यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पाँच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्यि के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यालपक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है।

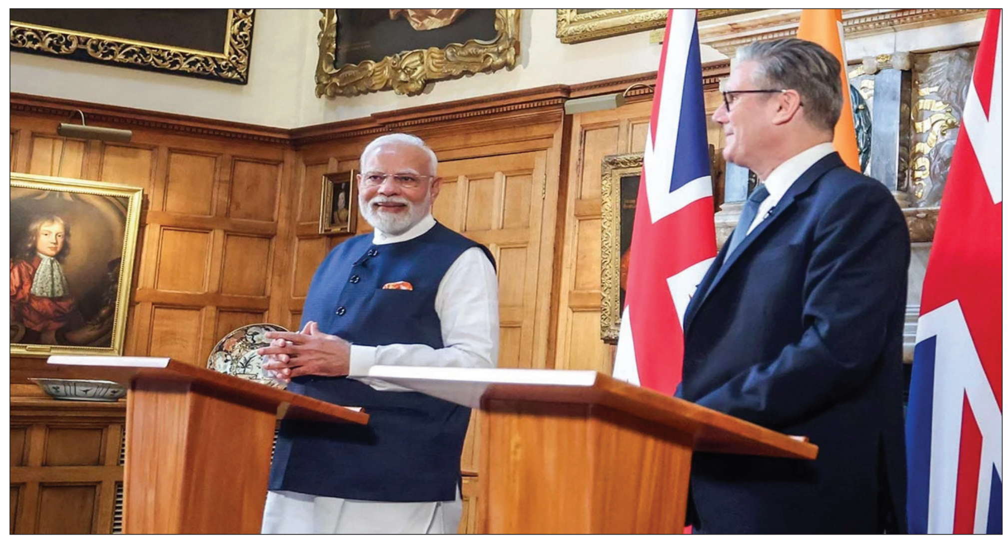

छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

असंख्य रोजगार- आकर्षक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थाकयित्वि के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। भारत वस्त्रा, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यायवसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा।

रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है।

किसान प्रथम- 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाजार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा।

हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के असंख्य अवसर सृजित होंगे।

कमजोर वर्गों की सुरक्षा-घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेयरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है।

ये रियायतें, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को रेखांकित करती हैं।

मछुआरों का विकासझ्भारतीय मछुआरे, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरे, ब्रिटेन के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव करेंगे।

झींगा और अन्य समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क वर्तमान 20 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा।

यह संभावना अभूतपूर्व है क्योंकि ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.25 प्रतिशत है।

सेवाएं और पेशेवर-यह समझौता आईटी/आईटीईएस, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित विभिन्नि सेवाओं को गति प्रदान करेगा और भारतीयों के लिए नवीन अवसरों का सजृन करेगा। इस समझौते में संविदा सेवा प्रदाता, व्यावसायिक यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये सहित कुशल पेशेवरों के लिए भारत ने अनुकूल गतिशीलता प्रावधान सुनिश्चित किए हैं।

अभिनव एफटीए-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत के एफटीए में वस्तुओं और सेवाओं के अलावा अन्यव महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। इस एफटीए ने नए मानक स्थापित किए हैं। इस ईएफटीए के साथ, भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के साथ, भारत ने दोहरे कराधान के मुद्दे का समाधान किया, जो आईटी कंपनियों के लिए एक बाधा बना हुआ था।

इस एफटीए का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू दोहरा अंशदान समझौता है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं और अस्थायी भारतीय कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं-व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता युक्त् वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्सापहन और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर वातार्लाप किया है।

सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है। यह जानकर प्रसन्नीता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है।

सीईटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है। यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

(लेखक भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

संपादकीय

समझौता बनेगा संजीवनी

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को जबरदस्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लेकिन लगता है कि असली फायदा भारत को मिलने वाला है। भारत से 99 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क श्रेणियां खत्म होंगी। दोनों देशों में व्यापार 34 अरब डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच तीन साल की बातचीत के बाद इस व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया है। समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं बस ब्रिटेन की संसद को इसे मंजूरी की औपचारिकता बाकी है। अब भारतीय वस्तुओं के लिए सभी क्षेत्रों में व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित होने की उम्मीद है। व्यापार समझौते के बाद भारतीय वस्त्र, जूते, रत्न एवं आभूषण, समुद्री खाद्य और इंजीनियरिंग वस्तुओं को ब्रिटेन में बेहतर बाजार मिलेगा और कृषि उत्पादों एवं प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग को वृद्धि के नये अवसर मिलेंगे। समझौता भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और सूक्ष्म, एमएसएमई क्षेत्र के लिए वरदान समान साबित होगा। ब्रिटेन में बने चिकित्सा और वैमानिकी उपकरण जैसे उत्पाद भारतीयों एवं उद्योगों तक किफायती कीमत पर पहुंच सकेंगे। दोनों देश एफटीए के साथ 'दोहरे अंशदान समझौते' (डीसीसी) पर भी आम सहमति के करीब हैं। इससे दोनों के सेवा क्षेत्र, खासकर प्रौद्योगिकी और वित्त, में नई ऊर्जा का संचार होगा। ब्रिटेन का भी भारतीय बाजार में अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त मिलेगी। ब्रिटेन पहले से ही भारत से 11 अरब पाउंड का सामान आयात करता है लेकिन भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम होने से ब्रिटिश उपभोक्ताओं के लिए भारतीय उत्पादों की खरीद अधिक आसान हो जाएगी। इससे ब्रिटेन को होने वाला निर्यात बढ़ेगा। दीर्घावधि में ब्रिटेन की जीडीपी में सालाना 4.8 अरब पाउंड की बढ़ोतरी होगी जिसका फायदा ब्रिटेन के हर क्षेत्र को होगा। ईयू छोड़ने (ब्रेक्जिट) के बाद ब्रिटेन के लिए यह सबसे महत्त्वपूर्ण द्विपक्षीय व्यापार समझौता है। भारत के लिए भी यह अब तक का सबसे व्यापक समझौता है। ब्रिटेन और भारत के बीच निर्यात एवं आयात करने के लिए बहुत से दस्तावेज की जरूरत भी कम हो जाएगी और प्रक्रिया बहुत सरल हो जाएगी। विश्व की पांचवीं और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुआ यह समझौता ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन को मुश्किल से निकालेगा तो भारत को भी दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं। कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

हरियाली तीज: परंपरा की जड़ें और आधुनिकता की डालियाँ

प्रियंका सौरभ

हरियाली तीज केवल श्रृंगार, झूला और व्रत का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री के आत्मबल, प्रेम और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है। आधुनिकता की दौड़ में यह त्योहार भले ही प्रदर्शन का माध्यम बनता जा रहा हो, पर इसकी आत्मा अब भी स्त्री के मन, पर्यावरण और लोकसंस्कृति में जीवित है। यह पर्व रिश्तों में स्थायित्व, समाज में समरसता और जीवन में हरियाली लाने का संदेश देता है। आवश्यकता है इसे सादगी, सामूहिकता और संवेदना के साथ फिर से जीने की, ताकि परंपरा आधुनिकता के संग आगे बढ़े।

हरियाली तीज का नाम लेते ही आँखों के सामने एक चित्र उभरता है—हरा चूनर ओढ़े खेत, बारिश की बूंदों से भीगी धरती, झूलती बालाएं, मेंहदी रचे हाथ और लोकगीतों की सुमधुर गूंज। पर यह चित्र अब केवल स्मृति में रह गया है, क्योंकि आधुनिकता की तेज रफ्तार ने परंपराओं के रंगों को हल्का कर दिया है। फिर भी हरियाली तीज आज भी भारतीय स्त्रियों के मन में गहरे तक रची-बसी है। यह पर्व आज केवल धार्मिक या पारंपरिक नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक और सांस्कृतिक संदर्भों में भी विशेष महत्व रखता है।

हरियाली तीज वर्षा ऋतु में मनाया जाने वाला एक प्रमुख पर्व है, जो शिव-पार्वती के पुनर्मिलन की स्मृति में विवाहित महिलाओं द्वारा मनाया जाता है। यह श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को आता है, जब आसमान बादलों से भर जाता है और धरती पर हरियाली बिछ जाती है। हरियाली तीज का मूल भाव प्रेम, समर्पण, सौंदर्य और प्रकृति के साथ तादात्म्य का है। पहले जहां इस पर्व को गाँवों और कस्बों में सामूहिक रूप से खुले वातावरण में मनाया जाता था, वहीं आज शहरी अपार्टमेंटों, वातानुकूलित हॉलों और सोशल मीडिया की चमक में इसकी आत्मा कहीं खोती जा रही है।

प्रश्न यह नहीं है कि पर्व मनाया जा रहा है या नहीं, प्रश्न यह है कि हम किस भाव से उसे निभा रहे हैं। पहले यह त्योहार स्त्रियों को सालभर की व्यस्तता और परिश्रम से थोड़ी राहत देने वाला, उनके भावनात्मक संसार को सहेजने वाला एक सहज अवसर होता था। स्त्रियाँ बिना किसी दिखावे के, प्राकृतिक परिवेश में एक-दूसरे से मिलती थीं, अपने सुख-दुख साझा करती थीं, लोकगीतों में अपने अनुभवों को पिरोती थीं। लेकिन अब यह पर्व कहीं-कहीं 'सर्वश्रेष्ठ श्रृंगार प्रतियोगिता', 'तीज क्वीन' और 'सेल्फी विद स्विंग' जैसे आयोजनों में तब्दील हो गया है, जहाँ संवेदना की जगह प्रतियोगिता ने ले ली है। हरियाली तीज स्त्री मन के उस पक्ष को उजागर करता है जो प्रेम, प्रतीक्षा और पारिवारिक समर्पण से जुड़ा होता है। आज के दौर में जब रिश्ते त्वरित संवाद और क्षणिक भावनाओं में बदलते जा रहे हैं, तब यह पर्व स्थायित्व, आस्था और धैर्य का संदेश देता है। यह पर्व यह भी सिखाता है कि संबंधों को केवल अधिकार से नहीं, कर्तव्य और भावना से निभाया जाता है। पति की दीघार्यु के लिए व्रत रखना हो या शिव-पार्वती जैसे दांपत्य संबंधों की कल्पना, इन सबमें एक ऐसा भाव छिपा है जो स्त्री को त्याग का नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक बनाता है।

आधुनिक संदर्भ में देखें तो यह पर्व कई नए अर्थों को जन्म देता है। जहां पहले तीज केवल विवाहित स्त्रियों तक सीमित थी, अब कई स्थानों पर इसे अविवाहित लड़कियाँ भी आत्मिक अनुभूति और सामूहिक संस्कृति के रूप में मनाने लगी हैं। कार्यरत महिलाओं के लिए यह पर्व अपने अस्तित्व और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ने का एक माध्यम बनता जा रहा है। वही महिलाएं, जो दिनभर कार्यालयों में कंप्यूटर की स्क्रीन के सामने बैठी रहती हैं, तीज के अवसर पर झूला झूलते हुए कुछ पल के लिए प्रकृति के साथ जुड़ जाती हैं। यह जुड़ाव आज की मानसिक थकान और तनाव के दौर में एक भावनात्मक उपचार जैसा है।

परंतु आधुनिकता की यह यात्रा केवल सकारात्मक बदलाव नहीं लाती। तीज अब एक 'सोशल मीडिया इवेंट' बन गया है, जहाँ हर महिला को यह सोचकर श्रृंगार करना पड़ता है कि उसकी फोटो सबसे सुंदर दिखे। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर #TeejLook, #GreenDressChallenge और #TeejVibes जैसे ट्रेंड त्योहार को ग्लैमर से तो भरते हैं, पर उसकी आत्मा को खोखला भी करते हैं। त्योहार अब मन की खुशी से ज्यादा दिखावे की होड़ में शामिल हो गया है। यही कारण है कि त्योहार बीतने के बाद भी मन संतुष्ट नहीं होता, क्योंकि वह जुड़ाव, वह सामूहिकता, वह आत्मीयता अब केवल तस्वीरों में सीमित रह जाती है।

हरियाली तीज की सबसे सुंदर बात यह थी कि यह पर्व हमें प्रकृति के करीब ले जाता था। खेतों में लगे झूले, पेड़ों पर टंगे कागज के फूल, मिट्टी से बने शिव-पार्वती के स्वरूप – ये सब हमें याद दिलाते थे कि हम प्रकृति के ही अंश हैं। आज जब हम जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वॉर्मिंग, पेड़ों की कटाई और प्रदूषण जैसे संकटों से जूझ रहे हैं, तब तीज जैसे पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण की चेतना दे सकते हैं। अगर हर तीज पर एक पेड़ लगाने की परंपरा शुरू की जाए, अगर बच्चों को झूला झुलाने के साथ-साथ पेड़ से प्रेम करना सिखाया जाए, तो यह पर्व केवल धार्मिक नहीं, पर्यावरणीय आंदोलन बन सकता है।

तीज में महिलाएं लोकगीत गाती थीं, जिनमें नारी की पीड़ा, उसकी उम्मीदें, उसकी हंसी, और उसका समाज से संवाद छुपा होता था। आज वह लोकगीत मोबाइल की रिंगटोन बन चुके हैं या यूट्यूब के व्यूज तक सिमट गए हैं। हमें इन गीतों को फिर से जीवन में लाना होगा। नारी की आवाज को उसकी भाषा, उसकी धुन, और उसके लोकसंगीत में फिर से पिरोना होगा। यदि हम सच में महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं तो इन सांस्कृतिक मंचों को पुनर्जीवित करना जरूरी है, क्योंकि यही स्त्रियों को आत्म-अभिव्यक्ति की सबसे स्वाभाविक जमीन देते हैं।

अब्दुल कलाम: जो सपना देखना भी सिखा गए और जीना भी

योगेश कुमार गोयल

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी के दिल को जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर। देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे। भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

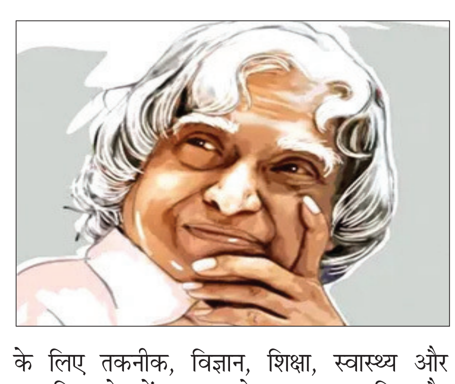

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महान् विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई।

जम्मू–कश्मीर के पुंछ में बारूदी सुरंग विस्फोट में एक जवान शहीद, दो घायल

पुंछ (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में गुरुवार को गश्त के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट हो गया था। इस विस्फोट में भारतीय सेना का एक जवान शहीद हो गया, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सेना सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार, नियमित गश्त के दौरान एक जवान का पैर छिपी हुई बारूदी सुरंग पर पड़ गया, जिससे जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट की चपेट में तीन जवान आ गए। तत्काल राहत अभियान चलाकर घायलों को नजदीकी सैन्य अस्पताल पहुंचाया गया। वहां अग्निवीर जवान ललित कुमार को शहीद घोषित कर दिया गया। वहीं, नायब सूबेदार हरीराम और हवलदार गजेन्द्र सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा के लिए कमांड अस्पताल रेफर कर दिया गया। धमाके की आवाज सुनते ही पास ही में मौजूद अन्य सैनिक भी मौके पर पहुंचे और इलाके को घेर लिया। सेना और प्रशासन की संयुक्त टीमें अब क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रही हैं ताकि किसी और खतरे की आशंका को सिरे से खत्म किया जा सके। सेना ने घटना पर गहरा शोक जताया है। इसी के साथ क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी कर दी गई है।

अदालतें आपराधिक शिकायतों में संशोधन की अनुमति दे सकती हैं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि आपराधिक मामलों में दायर शिकायतों में संशोधन किया जा सकता है, बशर्ते इससे अभियुक्त के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ रहा हो। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि प्रक्रियात्मक कानून का उद्देश्य न्याय में सहायक होना है, न कि उसे बाधित करना। अदालत ने यह टिप्पणी परक्राम्य लिखत अधिनियम (नेगोशेबल इन्स्ट्रुमेंट एक्ट) की धारा 138 के तहत दायर एक आपराधिक शिकायत में संशोधन की अनुमति देते हुए की। पीठ ने कहा, कि यदि आरोपों में बदलाव से अभियुक्त को कोई पूर्वाग्रह नहीं होता, तो मुकदमा आगे बढ़ सकता है। लेकिन अगर पूर्वाग्रह की संभावना है, तो अदालत नए मुकदमे का आदेश दे सकती है या सुनवाई को स्थगित कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 217 के तहत अभियोजन और बचाव पक्ष को यह अधिकार है कि आरोपों में बदलाव की स्थिति में वे गवाहों को पुन: बुला सकते हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि शिकायतों में संशोधन का प्रावधान भारतीय दंड प्रक्रिया प्रणाली के लिए कोई नई बात नहीं है और यह न्याय की सुचारु प्रक्रिया का हिस्सा है।

विवादों के चलते बढ़ा आक्रोश : हिमाचल में मंत्री की गाड़ी पर फेंका जूता दिखाए काले झंडे?

मंडी (एजेंसी)। जिले के सराज के थुनाग में बागवानी और राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी का घेराव किया गया। इस दौरान उनका काफिला रोकने और फिर गाड़ी पर काले झंडे और जूता फेंका गया। इउस पर अब कैबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी की प्रतिक्रिया आई है थुनाग से वापिस लौटते वक्त गोहर के बासा स्थित विश्राम गृह में उन्होंने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में अपना पक्ष रखा और इस सारे प्रकरण को भाजपा की सोची समझी साजिश बताया। उन्होंने कहा कि थुनाग बाजार के कुछ दुकानदार नहीं चाहते कि राजकीय औद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय यहां से शिफ्ट हो, जबकि इसमें पढ़ने वाले स्टूडेंट्स और उनके परिजन सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पहले भी यहां आपदा आ चुकी है। पूर्व सरकार ने यहां हॉस्टल बनाने के लिए कोई काम नहीं किया, बच्चों को रहने में दिक्कतें पेश आ रही हैं। अब इस कॉलेज को गोहर उपमंडल के गुडाहरी में शिफ्ट करने की योजना है और जल्द ही सरकार के आदेशों पर इसे वहां शिफ्ट कर दिया जाएगा। जगत सिंह नेगी ने बताया कि उनके सराज दौरे के दौरान थुनाग को छोड़कर और कहीं पर भी कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और प्रभावितों से मुलाकात करके उनकी समस्याएं भी सुनी और उनका समाधान भी किया। गौरतलब है कि सराज घाटी के थुनाग में 20 जून और 1 जुलाई को फ्लेश फ्लड आ गया था। इस दौरान बागवानी कॉलेज के बच्चे भी फंस गए थे और बाद में उन्हें निकाला था। यहां पर सड़कों और घाटी को काफी नुकसान हुआ है और इस वजह से सरकार यहां से कॉलेज को शिफ्ट करना चाहती है, जबकि लोग विरोध कर रहे हैं।

भागलपुर में पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने किया हमला, सब इंस्पेक्टर आईसीयू में भर्ती

भागलपुर (एजेंसी)। भागलपुर के पीरपैंती में पुलिस टीम पर हमला हुआ, जिसमें सब इंस्पेक्टर दुबे देवगुरु गंभीर रूप से घायल हुए और उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। यह घटना तब हुई जब पुलिस अपहरण की सूचना पर निजी वाहन में और सादे कपड़ों में मौके पर पहुंची।

बात दें कि कहलगांव पुलिस को अपहरण की जानकारी मिली थी। इसके बाद रात 10 बजे पुलिस टीम एक निजी गाड़ी में सादे कपड़ों में गांव पहुंची। गांव में किसी ने पुलिस को देखकर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। गोलियों की आवाज सुनकर सैकड़ों ग्रामीण इकट्ठा हो गए और उन्होंने पुलिस टीम को घेर लिया। इस दौरान दोनों ओर से कुल 18 राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ ने एसआई दुबे देवगुरु सहित 4 पुलिसकर्मियों को दौड़ा–दौड़ाकर पीटा। ग्रामीणों ने उन पर पत्थर फेंके और लाठी–डंडों से भी मारा। मारपीट में एसआई दुबे देवगुरु को गंभीर हालत में अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

हमले की सूचना पर दूसरी पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिसमें कहलगांव थाने के एसआई शत्रुघ्न कुमार, एनटीपीसी थानाध्यक्ष सुशील कुमार और डीएसपी कल्याण आनंद शामिल थे। गांव वालों ने उन पर भी हमला कर दिया, जिसके बाद इन सभी पुलिसकर्मियों को भागकर जान बचानी पड़ी। कुछ पुलिसकर्मियों के जूते मौके पर ही छूट गए। घायल अफसरों और पुलिसकर्मियों को एनटीपीसी अस्पताल और फिर मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कांग्रेस पर भड़के शिवराज, कारगिल और ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाना 'महापाप', बोले- ये देशद्रोह जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी पर पाकिस्तान की भाषा बोलने और कारगिल विजय दिवस पर बेवजह सवाल उठाने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का विरोध करने की कोशिश में कांग्रेस देश का ही विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कारगिल विजय दिवस पर भी सवाल उठाती है। 2004 से 2009 तक, जब यूपीए सत्ता में थी, कारगिल विजय दिवस नहीं मनाया गया। यहाँ तक कि एक कांग्रेस सांसद ने भी कहा था कि हम जश्न क्यों मनाएँ? वह युद्ध एनडीए सरकार के दौरान लड़ा गया था।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब देश युद्ध लड़ता है, तो क्या वह किसी सरकार के लिए करता है? क्या ऐसे सवाल उठाना देशभक्ति है? कांग्रेस न केवल कारगिल, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाने का पाप कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस का रवैया ÷राष्ट्र-विरोधी÷ होने की हद तक पहुँच गया है और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा सैनिकों की बहादुरी का सम्मान किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह रवैया राष्ट्र-विरोधी होने की हद तक जाता है। प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते वे देश का ही विरोध करने लगे। वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। लेकिन हम अपने सैनिकों की बहादुरी के आगे नतमस्तक हैं। चौहान कांग्रेस नेता राशिद अल्वी द्वारा 2009 में दिए गए उस बयान का ज़िक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि ÷कारगिल जश्न मनाने की चीज़ नहीं है÷ और ÷एनडीए जश्न मना सकता है।÷ उन्होंने यह भी कहा कि चूँकि यह युद्ध प्रधानमंत्री अटल वाजपेयी के नेतृत्व में हुआ था, इसलिए यह पूरे देश की नहीं, बल्कि गठबंधन की जीत थी।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेता सिर्फ़ ग़लत काम करते हुए लगातार माफ़ी मांगना जानते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कैसे लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपातकाल, राफेल सौदे, सिख दंगों समेत कई चीज़ों के लिए माफ़ी मांगी है। उन्होंने कहा कि अगर वह आज कुछ ग़लत करेंगे, तो राहुल गांधी दस साल बाद उसके लिए माफ़ी मांगेंगे।

उन्होंने आगे कहा, ÷राहुल जी को बहुत देर से समझ आती है। पहले उन्होंने आपातकाल के लिए माफ़ी मांगी। फिर उन्होंने सिख दंगों के लिए माफ़ी मांगी। फिर उन्होंने ओबीसी से माफ़ी मांगी। कांग्रेस ने ओबीसी के लिए क्या किया? कांग्रेस ने ओबीसी के कल्याण के हर संभव कदम को कुचलने का काम किया। उन्होंने राफेल मामले में भी माफ़ी मांगी और अब राहुल गांधी जो कर रहे हैं, उसके लिए वह दस साल बाद फिर माफ़ी मांगेंगे। वह कभी सही काम नहीं करते और दस साल बाद माफ़ी मांगते हैं।÷ इससे पहले दिन में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, पार्टी अध्यक्ष ने लिखा कि उन्होंने कारगिल युद्ध में मातृभूमि की बहादुरी से रक्षा की।

हिमाचल में बारिश का कहर जारी... 221 सड़कें, 36 बिजली के ट्रांसफॉर्मर और 152 जलापूर्ति योजनाएं बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। इनदिनों देश के कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है। देश के उत्तरी पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का कहर लगातार जारी है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के मुताबिक राज्य में शुक्रवार शाम तक 221 सड़कें, 36 बिजली के ट्रांसफॉर्मर और 152 जलापूर्ति योजनाएं बंद थीं। हिमाचल में इस बारिश सीजन 24 जुलाई तक बादल फटने की 25, लैंडस्लाइड की 30 और अचानक बाढ़ की 42 घटनाएं हुई हैं। इसमें से 414 मकान और 297 मकान जमींदोज हो गए। वहीं, 877 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा। राज्य में अब तक 153 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 1436 करोड़ रुपए की सरकारी व निजी संपत्ति नष्ट हो चुकी हैं। वहीं मध्य प्रदेश के बालाघाट में लांजी के प्रसिद्ध भगवान कोटेश्वर मंदिर के गर्भगृह में पानी भर गया। शनिवार सुबह से हो रही बारिश के कारण मंदिर जाने वाले रास्ते पर काशीनाला पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। इसके बावजूद लोग मंदिर पहुंच रहे हैं। सुरक्षा को देखते हुए मंदिर के गेट को बंद कर दिया गया है। मध्यप्रदेश से सटे महाराष्ट्र के पालघर जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इससे जिले की नदियां और नहरें उफान पर हैं। सूर्या, वैतरणा और पिंजल नदी में बाढ़ आई हुई है। बांधों का जलस्तर भी बढ़ा हुआ है। धामनी और कवदास बांध से सूर्या नदी में 10 हजार 400 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम विभाग ने पालघर में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

हिंजवड़ी आईटी पार्क के बेंगलुरु-हैदराबाद शिफ्ट होने पर भड़के अजित पवार

–यह पार्क पुणे की अर्थव्यवस्था और टेक इंडस्ट्री का एक अहम हिस्सा

पुण (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे पुणे के हिंजवड़ी आईटी पार्क के बेंगलुरु और हैदराबाद शिफ्ट होने को लेकर नाराजगी जता रहे हैं। अजित ने यह बयान पिंपरी-चिंचवड़ में नागरिक कार्यों का निरीक्षण के दौरान दिया, जहां उन्होंने वॉटर लॉगिंग को लेकर सुबह 6 बजे से दौरा शुरू किया था। इस दौरान एक स्थानीय सरपंच ने मीडिया की मौजूदगी में उनसे इलाके की समस्याओं को लेकर सवाल किए।

इस पर अजित पवार ने कहा कि हम बर्बाद हो गए हैं। हिंजवड़ी का पूरा आईटी पार्क बाहर जा रहा है। मेरा पुणे, मेरा महाराष्ट्र छोड़कर बेंगलुरु और हैदराबाद जा रहा है, आपको कोई फर्क नहीं पड़ता क्या? अजित ने कहा कि वो इतनी सुबह निरीक्षण के लिए क्यों आते हैं, उन्हें समझ नहीं आता। उन्होंने कहा कि डैम बनाते समय मंदिर भी हटाए जाते हैं। आप जो कहना है कहिए, मैं सुनूंगा...लेकिन करूंगा वही जो मैं चाहूंगा।

अजित पवार ने मीडिया कर्मियों से कैमरा बंद करने की भी अपील की और कहा कि अब सख्त कार्रवाई ही एकमात्र रास्ता है। बता दें हिंजवड़ी का राजीव गांधी इन्फोटेक पार्क महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा विकसित किया गया है, जो करीब 2800 एकड़ में फैला है और यहां 800 से ज्यादा कंपनियों के ऑफिस हैं। यह पार्क पुणे की अर्थव्यवस्था और टेक इंडस्ट्री का एक अहम हिस्सा है।

बता दें अजित पवार सुबह 6 बजे हिंजेवाड़ी पहुंचे, जहां उन्होंने जलभराव जैसी स्थानीय समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने पिंपरी चिंचवाड़ के कई इलाकों का दौरा किया। पिंपरी चिंचवाड़ में नगर निगम के कार्यों का निरीक्षण करते हुए पवार के गुस्से का वीडियो वायरल हो गया। इस दौरान वह सरपंच से बात कर रहे थे, जब उन्होंने आईटी पार्क के शिफ्ट होने की बात कही।

बंगाल में ममता सरकार के अपराजिता बिल को राज्यपाल ने लौटाया

–टीएमसी नेता घोष ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और शर्मनाक बताया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने अपराजिता बिल को राज्य सरकार के पास वापस भेज दिया है। राजभवन के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने बताया कि केंद्र सरकार ने विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों, खासकर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में दुष्कर्म की सजा से जुड़े प्रावधानों को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई हैं, जिसके बाद राज्यपाल ने यह कदम उठाया।

राज्य विधानसभा ने सितंबर 2024 में अपराजिता महिला और बाल विधेयक पारित किया था। इस विधेयक में दुष्कर्म के दोषियों के लिए मौजूदा न्यूनतम 10 साल की सजा को बढ़ाकर उम्रकैद या मृत्युदंड देने का प्रस्ताव किया है। सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय ने इस सजा को 'अत्यधिक कठोर और असंगत' बताते हुए असहमति जताई है। इसके अलावा, विधेयक में बीएनएस की धारा 65 को हटाने का प्रस्ताव भी शामिल है, जो वर्तमान में 16 और 12 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ दुष्कर्म के लिए विशेष रूप से कठोर दंड का प्रावधान करती है। इस प्रस्तावित बदलाव को भी गृह मंत्रालय ने समस्याजनक बताया है।

सबसे ज्यादा विवाद धारा 66 के तहत आने वाले एक खंड को लेकर खड़ा हुआ है, जिसमें दुष्कर्म के ऐसे मामलों में मृत्युदंड को अनिवार्य करने की बात कही है, जहां पीड़िता की मृत्यु हो जाती है या वह जीवनभर के लिए लाचार हो जाती है। मंत्रालय ने इसे न्यायिक विवेकाधिकार को खत्म करने वाला प्रावधान बताया है और यह भी कहा कि यह देश के संवैधानिक और कानूनी ढांचे के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के स्थापित फैसलों का उल्लंघन करता है।

उधर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रवक्ता कुणाल घोष ने इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्र और बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अपराजिता विधेयक को लौटाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय है। सीएम ममता बनर्जी ने महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए यह विधेयक लाया था, ताकि ऐसे जघन्य अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके। घोष ने कहा कि राजभवन की ओर से उठाए मुद्दों पर सीएम ममता जरुरत जवाब देंगी, लेकिन यह साफ है कि बीजेपी दुष्कर्म जैसे अपराधों में अधिकतम सजा लागू करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि इनके कई नेता खुद इन मामलों में आरोपी हैं। यह एक मॉडल विधेयक है, जिसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए था।

बता दें अपराजिता विधेयक को राज्य विधानसभा ने 9 अगस्त 2024 को सर्वसम्मति से पारित किया था। यह कदम कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की दिल दहला देने वाली घटना के बाद उठाया गया था, जिसने राज्यभर में जनाक्रोश भड़का दिया था। राज्य सरकार इस विधेयक को महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के विरुद्ध सख्त रुख के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जबकि केंद्र इसे दंड प्रक्रिया की बुनियादी कानूनी समझ और न्यायिक स्वतंत्रता के खिलाफ मान रहा है।

भाजपा ने राहुल गांधी से किया सवाल कहा- यूपीए सरकार में कितने आरक्षित पदों को भरा गया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने अब राहुल गांधी से पूछा है, वह बताएं कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के दूसरे कार्यकाल में ओबीसी वर्ग के कितने मंत्री थे। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में खाली आरक्षित पदों के संबंध में राहुल गांधी की टिप्पणी पर उन्होंने पलटवार किया है। कांग्रेस नेता से पूछा था कि 2004 से 2014 के बीच यूपीए शासन के दौरान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणियों के तहत कितने फैकल्टी मेंबर्स की नियुक्ति की गई थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षित पदों को खाली रखना एक साजिश है, ताकि इन वर्गों को शिक्षा, शोध और नीतियों से बाहर रखा जा सके। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह पूरी तरह अस्वीकार्य है और बहुजन को उनका अधिकार मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ये पूरी तरह से अस्वीकार्य है। सभी रिक्त पद तुरंत भरे जाएं। बहुजनों को उनका अधिकार मिलना चाहिए, मनुवादी बहिष्कार नहीं। तालकटोरा स्टेडियम

में ओबीसी के भागीदारी न्याय सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान जाति जनगणना नहीं करवा पाना उनकी गलती थी, लेकिन अब उन्होंने इस गलती को सुधारने के लिए कदम बढ़ाया है। भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'कांग्रेस के प्रथम परिवार के सदस्य राहुल गांधी, जिन्होंने चार पीढ़ियों से पिछड़े वर्गों की आकांक्षाओं का दमन किया, चुनावों में अपनी पार्टी की हार पर अपनी हताशा व्यक्त कर रहे हैं। राहुल गांधी, ध्यान से सुनिए- विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बनने के लिए पहले सहायक प्रोफेसर के पद पर चयन होना जरूरी है और फिर एक निश्चित अवधि के बाद एक प्रक्रिया से एसोसिएट प्रोफेसर बनना होता है। ये कांग्रेस अध्यक्ष का पद नहीं है जो आपको पैदा होते ही दे दिया जा सकता है। त्रिवेदी ने कहा कि जो लोग आज विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर हैं, उनकी नियुक्ति 15 से 20 साल पहले सहायक प्रोफेसर के पद पर हुई होगी।

बिहार में कानून-व्यवस्था पर सवाल: बोधगया में एंबुलेंस के भीतर युवती से गैंगरेप

होमगार्ड बहाली के फिजिकल टेस्ट में हुई थी बेहोश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के बोधगया में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद एक 26 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि चलती एम्बुलेंस में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। यह घटना कथित तौर पर 24 जुलाई को हुई जब शारीरिक परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया कि गाड़ी में बेहोशी की हालत में कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की। बोधगया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

प्राथमिकी दर्ज होने के कुछ ही घंटों बाद, पुलिस ने दो संदिग्धों एम्बुलेंस चालक विनय कुमार और गाड़ी में सवार तकनीशियन अजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि दोनों फिलहाल हिरासत में हैं और पूछताछ चल रही है, गया पुलिस ने इस कार्रवाई को त्वरित और तत्काल बताया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज से एम्बुलेंस के रास्ते और समय की पुष्टि करने में मदद मिली है, जिससे चल रही जाँच में अहम सबूत मिले हैं। फॉरेंसिक टीम जल्द ही अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट पेश करेगी।

पुलिस शिकायत के अनुसार, महिला ने बताया कि शारीरिक परीक्षण के दौरान वह बेहोश हो गई थी और अस्पताल ले जाते समय उसे आंशिक रूप से होश आया। बाद में उसने पुलिस और अस्पताल के कर्मचारियों को बताया कि एम्बुलेंस में तीन-चार लोगों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। इस घटना के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर चिंताएँ फिर से बढ़ गई हैं। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा, 'बिहार में जिस तरह से अपराध हो रहे हैं, प्रशासन अपराधियों के सामने पूरी तरह से नतमस्तक हो गया है।'

पासवान ने आगे कहा, 'यह घटना निंदा योग्य है - लेकिन असली सवाल यह है कि ऐसे अपराध बार-बार क्यों हो रहे हैं? अपराधों का एक सिलसिला चल रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो स्थिति भयावह हो जाएगी - वास्तव में, यह पहले ही हो चुकी है।' उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोग इसे चुनाव से पहले सरकार को बदनाम करने की साजिश मान सकते हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का कर्तव्य है।

देश में किसान से ज्यादा स्टूडेंट कर रहे आत्महत्या, सुप्रीम कोर्ट को भी कहना पड़ा- कुछ तो गड़बड़ है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'तुझे सूरज कहूँ या चंदा, तुझे दीप कहूँ या तारा, मेरा नाम करेगा रोशन जग में मेरा राज दुलारा' 70 के दशक में आई फिल्म एक फूल दो माली के गीत को सुनने पर वो इंस्पिरेशन दिखती है जो माता- पिता अपने बच्चों में देखते हैं। जब उन्हें लगता है कि बेटा बड़ा होगा या बेटी बड़ी होगी तो कुछ अच्छा, नया, इनोवेटिव करेगी। कुल का नाम रोशन करेगा। लेकिन हो क्या रहा है? देश की सर्वोच्च अदालत ने बकायदा संज्ञान लेकर कहा है कि कैंपस में कुछ तो ऐसा गलत चल रहा है, जिस पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात ये है कि कोर्ट ने सुओ मोटो यानी स्वतः संज्ञान लिया है। क्या है पूरा मामला और सुप्रीम कोर्ट ने इस पर क्या कहा तमाम मसलों पर बात करेंगे। एक तो आपने आईआईटी खड़गपुर की बात सुनी होगी जहां पर चतुर्थ वर्ग के अंडरग्रेजुएट लड़के ने सुसाइड कर लिया। दूसरा मामला ग्रेटर नोएडा की शादरा यूनिवर्सिटी से जुड़ा है। वहां पर बीडीएस यानी बैचलर ऑफ डेंटल सर्जन की स्टूडेंट ज्योति शर्मा ने हास्टल के कमरे में सुसाइड कर लिया। उसने दो फैकल्टी मेंबर का नाम आगे किया कि इनकी वजह से सुसाइड किया। आपको कुछ महीने पहले की एक घटना याद होगी जब नेपाल की एक लड़की ने एक लड़के की वजह से आत्महत्या कर लिया था। आत्महत्या जैसे विषयों की बात करें तो बहुत बार ये चर्चा में आता है। आखिर बच्चे अपने प्राण क्यों ले लेते हैं? कई बार ऐसी चीज हम नई जनरेशन पर थोप देते हैं कि नई जनरेशन ही ऐसी है कि जल्दी हार मान जाती है। वो परिवार जो बहुत आशाओं से अपने बच्चे को पढ़ने के लिए भेजता है। पैसा बचाकर, जुटाकर खुद सस्ते कन्वेंस के द्वारा ट्रैवल करता है। लेकिन कोशिश करता है कि बच्चा हमारा अच्छे से पढ़े। लेकिन बहुत से ऐसे कारण हैं जिन वजहों से बच्चे सुसाइड करने पर आ जाते हैं। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कुछ तो गड़बड़ है जिसपर ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

वहीं एक विशाखापट्टनम में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। शिक्षण संस्थानों में स्टूडेंट्स की आत्महत्या और उनमें बढ़ती मेंटल हेल्थ की समस्याओं पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई और कहा कि आत्महत्या की रोकथाम के लिए देश में कोई माकूल कानून नहीं है। इसे देखते हुए कोर्ट ने 15 गाइडलाइंस जारी कीं, जो तब तक पूरे देश में लागू और बाध्यकारी होंगी, जब तक कानून नहीं बन जाता है। ये गाइडलाइंस सभी सरकारी, सार्वजनिक, प्राइवेट स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, प्रशिक्षण और कोचिंग संस्थानों और हॉस्टलों पर लागू होंगी, चाहे वे किसी भी चाहे वे किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय से संबद्ध हों। सुप्रीम कोर्ट ने नीट की तैयारी कर रही 17 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध हालत में मौत के मामले में सुनवाई करते हुए ये गाइडलाइंस जारी कीं। साथ ही, छात्रा की मौत की सीबीआई से जांच कराने का भी आदेश दिया है।

1 लाख 70 हजार सुसाइड केस में 13 हजार छात्र

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट में बढ़ते आंकड़े परेशान करने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में देशभर में कुल 1 लाख 70 हजार 924 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें से 13,044 छात्र थे। साल 2001 में स्टूडेंट्स की मौत के आंकड़े 5,425 थे।

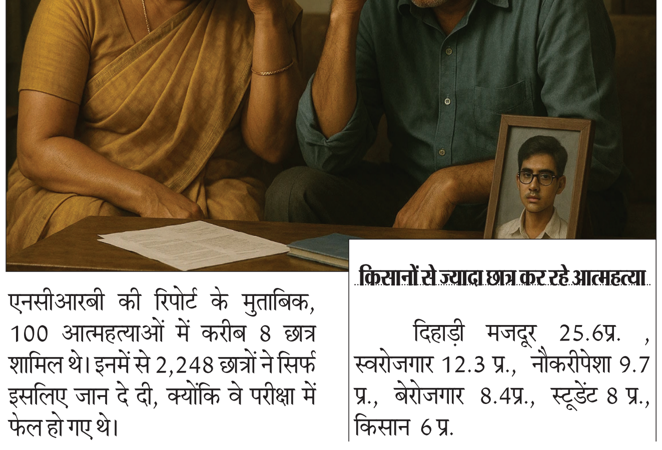

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक, 100 आत्महत्याओं में करीब 8 छात्र शामिल थे। इनमें से 2,248 छात्रों ने सिर्फ इसलिए जान दे दी, क्योंकि वे परीक्षा में फेल हो गए थे।

किसानों से ज्यादा छात्र कर रहे आत्महत्या

दिहाड़ी मजदूर 25.6प्र. , स्वरोजगार 12.3 प्र., नौकरीपेशा 9.7 प्र., बेरोजगार 8.4प्र., स्टूडेंट 8 प्र., किसान 6 प्र.

इस खास वजह से होती है अंगुलियों में सूजन

शरीर के किसी हिस्से में अगर सूजन है तो यह बड़ी परेशानी का संकेत हो सकता है। शरीर के अलग-अलग अंगों में सूजन कई बीमारियों का लक्षण हो सकती है। विभिन्न हिस्सों में सूजन के जरिए ही रोग अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। आमतौर पर पैरों के पंजे या अंगुलियों में सूजन ज्यादा रहती है। इसे चिकित्सा की भाषा में डेक्टलाइटिस कहते हैं।

किसी भी बीमारी या चोट को लेकर मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली प्रतिक्रिया देती है। इसी प्रतिक्रिया के तहत सूजन होती है। सूजन के अलावा दर्द भी हो सकता है या फिर कोई अन्य लक्षण नजर आ सकते हैं। डेक्टलाइटिस एक ऐसी ही सूजन है जो कि अंगुलियों या पैरों के पंजों में होती है और कई स्थिति में पूरे पैर या हाथ पर भी फैल सकती है। इससे अंगुलियां फूल सकती हैं। डेक्टलाइटिस की समस्या किसी प्रतिरक्षा प्रणाली के बदलाव के अलावा संक्रमण का कारण भी हो सकती है। इस स्थिति में प्रतिरक्षा प्रणाली स्वस्थ ऊतकों पर हमला कर देती है। यह किसी ऑटोइम्यून डिसऑर्डर के कारण हो सकता है। कई बार मरीज अंगुलियों में सूजन को नजरअंदाज कर देते हैं और उसे सामान्य समझकर टाल देते हैं। लेकिन ऐसा करने पर यह संक्रमण हड्डियों तक पहुंच जाता है। किसी भी स्थिति में चिकित्सक की सलाह के बिना सूजन उतारने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आमतौर पर लोग मालिश करने लगते हैं, या लेप लगाने लगते हैं। ऐसी जगहों पर बेवजह दबाव डालने से बचना जरूरी है। इस सूजन के आम कारणों में से एक है सिकल सेल डिसीज। यह लाल रक्त कोशिकाओं से जुड़ी एक जेनेटिक समस्या है। ये कोशिकाएं वैसे तो डिस्क के आकार की होती हैं लेकिन सिकल सेल डिसीज में इसका आकार घुमावदार होता है। बच्चों में खासकर डेक्टलाइटिस के शुरुआती लक्षण के रूप में उभर सकता है। इसके साथ ही दर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। यह छह महीने के बच्चे को भी हो सकता है।

टीबी के कारण भी डेक्टलाइटिस की समस्या उभर सकती है। इस स्थिति में फेफड़ों में सूजन आती है लेकिन कई बार हड्डियों में सूजन की वजह भी बन सकता है। इससे अंगुलियां सूज जाती हैं।

क्या है इलाज और सावधानियां

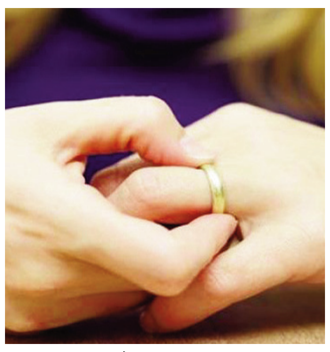

सूजन का कारण विशेष प्रकार के आर्थराइटिस के कारण भी हो सकता है

इस रोग के लिए त्वचा संबंधित संक्रमण भी कई बार अंगुलियों में सूजन का कारण बन सकते हैं। यह त्वचा की निचली परत ही नहीं, हड्डियों तक पहुंच जाते हैं। एक अन्य कारण में सारकॉइडोसिस भी शामिल है जो कि एक ऑटोइम्यून डिसीज है। इसके कारण लिवर, दिल, फेफड़ों और अन्य अंगों पर प्रभाव पड़ता है। यह जानलेवा भी हो सकती। हड्डियों के अलावा मांसपेशियां भी प्रभावित हो सकती है। अगुलियों में सूजन का कारण विशेष प्रकार के आर्थराइटिस के कारण भी हो सकता है। यह सराइटिक आर्थराटिस में ज्यादा देखने को मिलता है। इस तरह की सूजन से आर्थराइटिस के निदान में चिकित्सकों को मदद मिलती है। इस बीमारी को लेकर इलाज और सावधानियां समझ लेना जरूरी हैं। इसके लिए दवाइयों के अलावा फिजियोथैरेपी काम आएगी। साथ ही खानपान और लाइफस्टाइल में बदलाव जरूरी है। इस बात का ध्यान रखें कि सूजन किसी बीमारी का संकेत हो सकता है इसलिए नजरअंदाज करने की बजाए डॉक्टर से परामर्श जरूर लेना चाहिए।

रेसिपी

कॉर्न बिरयानी

सामग्री

■ डेढ़ कप कॉर्न ■ 3 कप बासमती चावल ■ लंबाई में कटे हुए 2 बड़े प्याज ■ 3 बारीक कटे टमाटर ■ 2 टीस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट ■ 6 बारीक कटी हरी मिर्च ■ 4 टेबलस्पून तेल ■ 4 टेबलस्पून घी ■ 200 ग्राम दही ■ 750 मिली पानी ■ स्वादानुसार नमक ■ 2 टीस्पून मिर्च पाउडर ■ 1/4 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/4 कप बारीक कटा हरा धनिया ■ 1/4 कप मिंट की पत्तियां ■ 2 टुकड़े दालचीनी ■ 5 लौंग ■ 3 इलायची

विधि

आधे घंटे के लिए चावल को पानी में भिगो कर रख दें। पानी निकालने के बाद चावल को अलग रख दें। भारी तले वाले बर्तन में तेल और घी को एक साथ गरम करें। उसमें दालचीनी, इलायची और लौंग को फ्राई करें। उसमें प्याज को भूरा होने तक भूनें। उसके बाद उसमें टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब उसमें हरी मिर्च, धनिया और मिंट की पत्तियां डालें। मक्के के दानों के साथ उसमें हल्दी, मिर्च, दही और नमक मिलाकर गाढ़ी ग्रेवी तैयार कर लें। इस ग्रेवी में पानी और चावल मिलाकर प्रेशर कुकर में पका लें। धनिया की पत्तियों से गार्निश कर सर्व करें।

बीमारी के कारण पुरुषों में खुदकुशी का खतरा अधिक

माना जाता है कि शारीरिक रोगों से पुरुषों के मुकाबले महिलाएं अधिक परेशान रहती हैं। लेकिन, एक नए अध्ययन में पता चला है कि शारीरिक बीमारी और चोट से पुरुष अधिक परेशान होते हैं। रोगों के चलते उनमें आत्महत्या करने का खतरा बढ़ जाता है। जबकि महिलाओं के साथ ऐसा नहीं होता। यह अध्ययन जेएएमए साइकाइट्री नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं द्वारा यह अध्ययन किया गया। उन्होंने डेनमार्क के लोगों का डाटा लिया और मशीन लर्निंग सिस्टम से आत्महत्या के जोखिम कारक का पता लगाने के लिए उसका विश्लेषण किया। एपिडेमिओलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर और अध्ययन के लेखक डॉ. जैमी ग्रेडस ने कहा कि आत्महत्या का अनुमान लगाना अविश्वसनीय रूप से चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि प्रत्येक आत्महत्या हर एक के जीवन के अलग-अलग जोखिम कारकों का परिणाम है। डॉ. ग्रेडस और उनके सहयोगियों ने 14,103 उन लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड में हजारों कारकों को देखा, जो 1995 से 2015 के बीच डेनमार्क में आत्महत्या से मरे थे।

दिमागी कसरत के लिए खूब पढ़िए किताबें, जानें क्या कहता है शोध

एक अध्ययन में पाया गया है कि किताबें पढ़ना दिमाग के लिए अच्छा होता है। ये आदत दिमाग की कसरत करवाती हैं और मानसिक क्षमता को बढ़ाने का काम करती हैं। यह अध्ययन बर्केले की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया।

शोधकर्ताओं ने कहा कि दिमाग को स्वस्थ बनाए रखने के लिए किताबें पढ़ना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि ये बात हम पहले से ही जानते हैं कि पढ़ना से बच्चों का विकास होता है। हालांकि उन्होंने शोध में पाया कि जो बच्चे कम उम्र से ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वे बौद्धिक परीक्षणों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं।

अध्ययन में यह भी पता चला कि पढ़ने से वयस्कों के दिमाग का विकसित होना जारी रहता है। अध्ययन के दौरान, लोगों को पढ़ने के लिए एक किताब दी गई और उनका एमआरआई किया गया। इसमें पता चला कि अलग-अलग तरह की किताबें पढ़ने से मस्तिष्क के विभिन्न हिस्सों का व्यायाम होता है। एक अन्य अध्ययन का कहना है कि जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, वैसे-वैसे पढ़ने से आपकी दिमागी क्षमता कमजोर होने की गति धीमी हो जाती है या फिर रुक जाती है। शोधकर्ताओं ने कहा, किताबों पर अंकित शब्द आपकी मानसिक क्षमता में सुधार कर सकते हैं। शोध के मुताबिक, किताबें केवल आपकी दिमागी क्षमता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि ये आपको एक अच्छा इंसान भी बनाती हैं।शोधकर्ताओं का कहना है कि अधिकतर लोग व्यस्त होने के कारण किताबें नहीं पढ़ पाते। हालांकि, अगर वे किताबें पढ़ने का एक उद्देश्य बना लेंगे तो व्यस्तता में भी समय निकाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन रोज एक-एक पेज पढ़ने से धीरे-धीरे उनको पूरी किताब पढ़ने की आदत हो जाएगी।

शोध

■ कम उम्र से किताब पढ़ने वाले बच्चों को प्रदर्शन होता है बेहतर।

■ किताबें पढ़ने से मस्तिष्क के हिस्सों का व्यायाम।

रेसिपी

ऑलिव नॉन

सामग्री

■ 300 ग्राम मैदा ■ 100 मिलीलीटर मिल्क ■ 50 मिलीलीटर पानी ■ 50 ग्राम पिघला हुआ बटर, 5 ग्राम नमक ■ 50 ग्राम ग्रीन ऑलिव ■ 30 ग्राम ब्लैक ऑलिव ■ 3 ग्राम ऑरगेनो

विधि

एक बोल में मैदा, नमक, मिल्क, बटर, ऑरगेनो और पानी डालकर अच्छी तरह गूंथे। अब लगभग 60 ग्राम आटा लेकर आटे की बॉल्स तैयार करें और उस पर ऑयल से ब्रेश करें।सभी बॉल्स को ट्रांसपेरेंट प्लास्टिक से रैप करें और फ्रिज में लगभग 7-8 घंटे के लिए रख दें। फ्रिज से बॉल्स निकालकर रूम टेम्प्रेचर पर करीब 40-50 मिनट के लिए रखें। अब एक-एक कर बॉल को बेल लें और नान का शेप दें। ऊपर से बारीक कटे हुए ग्रीन और ब्लैक ऑलिव्स काटकर फैलाएं। गर्म तंदूर में नान को अच्छी तरह सेंक लें। अब तैयार ऑलिव नान पर बटर से ब्रशिंग कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 5022

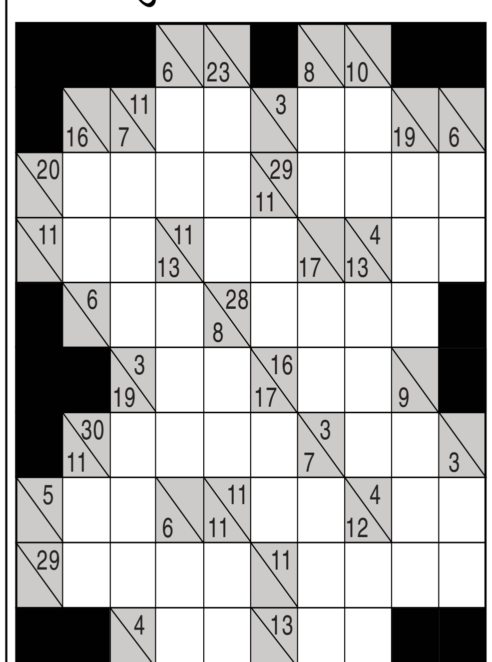

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 → 1 2 3 4 5; 24 ↓ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो 5021 का हल

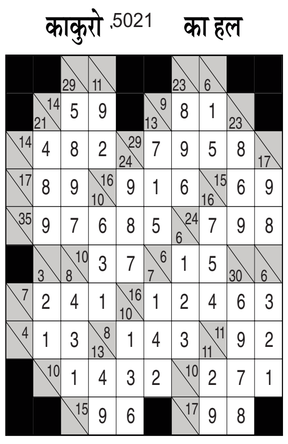

लॉफिंग ज़ोन

एक चोर अदालत में अपनी गवाही देने खुद ही खड़ा हो गया। वहाँ खड़ा होकर जब वह अनाप-शनाप बकने लगा तो न्यायाधिश ने झुँझलाकर कहा- तुमको तो ठीक से झूठ भी नहीं बोलना आता।

चोर- तो मैं क्या करूँ महोदय।

न्यायाधिश- तुम एक वकील को अप्वाइंट क्यों नहीं कर लेते। ताकि तुम आसानी से झूठ बोल सको।

□ □ □

ब्यूटी-क्लीनिक पहुँची एक महिला डॉक्टर से बोली- मेरे चेहरे को और सुंदर बनाने के लिए क्या फीस लगेगी?

डॉक्टर साहब (गंभीर होकर बोले)- पाँच हजार पाँच सौ रुपए।

निराश होकर महिला बोली- इससे सस्ता कोई उपाय नहीं है क्या? सुझाइए न!

डॉक्टर साहन ने सलाह दी- इससे सस्ता उपाय भी है...। आप बस घूँघट काढ़ना शुरू कर दीजिए।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम जानती हो, संगीत में इतनी शक्ति है कि उससे पानी भी गरम हो सकता है।

प्रेमिका- हाँ हाँ क्यों नहीं! तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5022

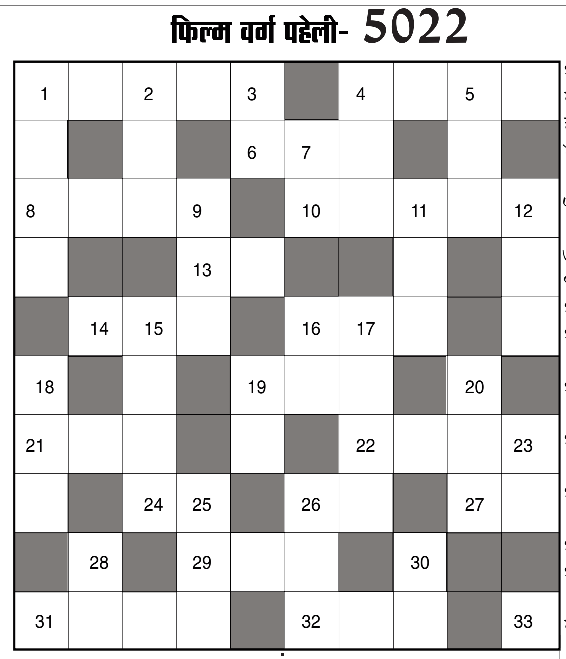

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5021

क्या	क	ह	ना		जं	ग		मि	
	सू		रा	जा	जी		हे	ल	न
अ	र	बा	ज		र	ह	मा	न	
भि		गी		अ		व			चा
मा	ला		दे	व		स	सु	रा	ल
न		डॉ		ता	ल		हा		बा
	जा	न	व	र		र	ग	बा	ज
दि	ल		र		गैं	ग		जी	
ल		अं	दा	ज			सं	ग	म
गी	त		न		कां	टे		र	

सूडोकु -5022

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5021 हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली -5022

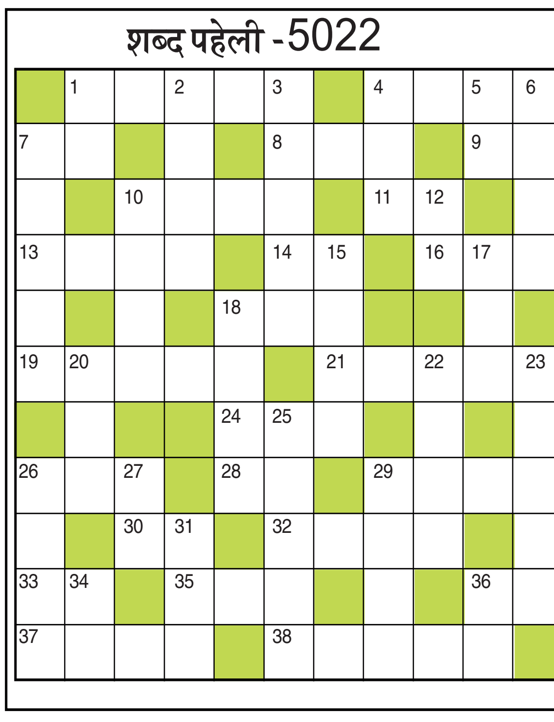

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली -5021 का हल

अ	रा	ज	क	ता			म	वा	ली	
स	म		ल		चा	ला	न		ख	त
मा			प	ना	ह		न			म
न	ज	रा	ना			म		क	या	स
ता		व		ना	ला	य	क		प	
	प्रा	ण		म		खा		जा	न	
	रु		आ	ज	मा	ना		हि		म
स	प	ना		द			ब	ल	वा	न
र			स		ल	की	र			भा
ल	व		न	सी	ब		सा		दा	व
	ध	म	की			इ	त	मी	ना	न

पुंछ की नियंत्रण रेखा पर बारूदी सुरंग विस्फोट में एक सैन्यकर्मी बलिदान, दो अन्य घायल

एजेंसी

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक सैन्यकर्मी बलिदान हो गया और दो अन्य घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कृष्णा घाटी के सामान्य क्षेत्र में क्षेत्र प्रभुत्व गश्त के दौरान एक बारूदी सुरंग विस्फोट हुआ, जिसमें एक अग्निवीर जवान बलिदान हो गया और दो अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों में से एक जेसीओ है, जिसे एक सैन्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है और उनकी हालत स्थिर है। व्हाइट नाइट कोर के जीओसी और सभी रैंक अधिकारियों ने अग्निवीर ललित कुमार को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कृष्णा घाटी ब्रिगेड के सामान्य क्षेत्र में एक बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद क्षेत्र प्रभुत्व गश्त के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि हम दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।

महाराष्ट्र के जलगांव में 60 करोड़ रुपये कीमत का 39 किलो केटामाइन ड्रग जब्त

मुंबई,। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के चालीसगांव के पास कन्नड़ घाट पर पुलिस ने बीती रात लगभग 60 करोड़ रुपये कीमत का 39 किलो केटामाइन जब्त किया है। यह ड्रग दिल्ली से बेंगलुरु एक वाहन में जा रही थी। पुलिस ने इस मामले में कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना की गहन छानबीन हाइवे पुलिस के साथ जलगांव क्राइम ब्रांच पुलिस कर रही है। पुलिस के अनुसार महाराष्ट्र राज्य हाइवे पुलिस के अधिकारी सचिन सावंत को दिल्ली से बेंगलुरु जा रही कार के बारे में गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी के आधार पर सचिन सावंत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चालीसगांव तहसील में कन्नड़ घाट की तलहटी में कार संख्या डीएल 1 सीबीबी 7771 को शक के आधार पर रोका और कार की तलाशी ली। इस दौरान कार में 39 किलो केटामाइन पाया गया, जिसका इस्तेमाल मादक पदार्थ बनाने में किया जाता है। पुलिस ने ड्रग जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान कार चालक ने बताया कि यह वाहन दिल्ली से इंदौर होते हुए धुले से छत्रपति संभाजीनगर और फिर बेंगलुरु जा रहा था। पुलिस इस मामले की गहन छानबीन कर अन्य तस्करों का पता लगा रही है।

विपक्ष में बिहार विधानसभा चुनाव के बहिष्कार की हिम्मत नहीं : चिराग पासवान

पटना। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा है कि विपक्ष में बिहार विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने की हिम्मत नहीं है। विपक्ष सत्ता का भूखा है। मीडिया से बात करते हुए चिराग पासवान ने कहा, बहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चुनाव आयोग करा रहा है, जो संवैधानिक संस्था है। इसमें सरकार का कोई रोल नहीं है। इस विषय पर विपक्ष में विरोधाभास है, जो मुझे समझ नहीं आता। एसआईआर की प्रक्रिया विपक्ष की मांग पर ही चुनाव आयोग ने शुरू की है। विपक्ष हर चुनाव के बाद चुनाव आयोग के पास जाकर फर्जी वोट और वोटिंग में धांधली की शिकायत करता रहा है। महाराष्ट्र और दिल्ली चुनाव परिणाम के बाद विपक्ष ने हम पर आरोप लगाए थे। इन्हीं शिकायतों को दूर करने के लिए एसआईआर की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। पूर्व में भी आयोग ने ऐसे अभियान चलाए हैं। इस बार तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी मतदाता के साथ अन्याय न हो और किसी भी घुसपैठिए को वोट का अधिकार न मिले। जहां तक धांधली की बात है, तो आपके कार्यकर्ता क्या कर रहे हैं? अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करें कि कहीं कोई धांधली नहीं है। लेकिन, विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ता जमीन पर उतरना ही नहीं चाहते हैं।

कांग्रेस हारने के बाद हर बार सिर्फ आरोप लगाती है : शाहनवाज हुसैन

मेरठ। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि जब वे जीतते हैं, तब तो उनके लिए सब ठीक रहता है और जब हारते हैं तो सिर्फ आरोप लगाते हैं। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, कहीं भी वोट चोरी जैसा कुछ नहीं होता। जब वे कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल, रायबरेली और वायनाड जीत गए, तब वोट चोरी नहीं हुई। लेकिन जब महाराष्ट्र-हरियाणा में हार मिली और दिल्ली में जीरो पर आउट हो गए, तो वोट चोरी की बात कर रहे हैं। बिहार में लगातार 20 साल से हमारी सरकार है और आगे भी एनडीए की सरकार बनेगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद अखिलेश यादव के मस्जिद में सांसदों के साथ कथित तौर पर मीटिंग करने को लेकर शाहनवाज हुसैन ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, मस्जिद इबादत की जगह है। मैं मस्जिद इबादत करने और जुमे की नमाज करने आता हूं। यह सियासत की जगह नहीं है। यहां सियासत से बचना चाहिए। अगर मीटिंग करनी है, तो बहुत सी जगह हो सकती है। मस्जिद में इमाम ही सब कुछ होते हैं। इसलिए सियासत की इमामत अलग और मस्जिद की इमामत अलग है। उन्होंने बिहार में एनडीए सरकार बनने का दावा करते हुए कहा, लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाना बहुत बड़ी बात है।

प्रधानमंत्री के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था 11वें से चौथे स्थान पर पहुंची : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में तीन नए आपराधिक कानूनों के संबंध में एक बड़े कार्यक्रम के आयोजन की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने यह जानकारी आज नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात के उपरांत पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान केशाऊ बांध सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह से विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा, राज्य में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति से भी केंद्रीय मंत्री को अवगत करवाया गया । मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के

लिए तीव्र गति से कार्य किया है। अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को 11वें स्थान से उठाकर चौथे स्थान तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आज एक मजबूत और सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा है। मीडियाकर्मियों द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने बताया कि सीईटी परीक्षा को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। प्रदेश में 26 व 27 जुलाई को लाखों की संख्या में परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हरियाणा पुलिस में शीघ्र ही कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। इसके लिए भी अधिकारियों को सभी तैयारियां करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 वर्षों से गरीबों, किसानों, गांवों और शहरों के सर्वांगीण विकास के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रहे हैं, जिससे देश के हर नागरिक का जीवन सरल, सुगम और सशक्त बन रहा है। उन्होंने कहा कि देश में हो रहा तेज़ विकास विपक्ष को हजम नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान केंद्र सरकार के कार्यकाल में लगभग 4 करोड़ गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं।

तमिलनाडु में बंगाल के चार प्रवासी मजदूरों पर हमला, भाषा के आधार पर प्रताड़ना का आरोप

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के चार प्रवासी मजदूरों ने तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थानीय लोगों द्वारा मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है। पीड़ितों का कहना है कि बंगाली भाषा में बात करने को लेकर उन्हें अवैध बांग्लादेशी समझकर हमला किया गया। यह घटना 15 जुलाई को घटी थी और इस संबंध में 18 जुलाई को मुर्शिदाबाद में शिकायत दर्ज कराई गई है। परिवार के लोगों ने बताया कि सुझन शेख, उनके भाई मिलन शेख और दो अन्य मजदूर साहिल शेख और बाबू शेख तीन सप्ताह पहले काम की तलाश में चेन्नई गए थे। चारों वहां एक निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे। सुझन शेख ने फोन पर बताया कि कुछ स्थानीय लोग आए, हमसे नाम और मूल स्थान पूछा। जब उन्होंने हमें बंगाली में बात करते सुना, तो लाठी और लोहे की रॉड से मारने लगे। बार-बार कह रहे थे कि हम बांग्लादेशी हैं। हमले में सुझन शेख के हाथ में फ्रैक्चर हो गया है और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। चारों मजदूरों को पहले तिरुवल्लूर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका यह भी आरोप है कि चेन्नई की स्थानीय पुलिस को पहले सूचित किया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ितों ने बताया कि वे पिछले चार वर्षों से काम के लिए चेन्नई जाते रहे हैं, लेकिन इस तरह की घटना पहली बार हुई है। सुझन ने कहा कि हम अभी भी सदमे में हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि घटना से पहले उन्हें 11 दिन के काम का भुगतान भी नहीं किया गया।

गुजरातियों पर टिप्पणी को लेकर शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी सांसद पर बोला हमला

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान गुजराती समुदाय पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर पश्चिम बंगाल विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने तीखा हमला बोला है। शुभेंदु अधिकारी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्ववर्ती ट्विटर) पर एक वीडियो साझा किया। इसमें कल्याण बनर्जी कथित तौर पर बंगाली में गुजरातियों के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो संसद भवन के अंदर रिकॉर्ड किया गया बताया जा रहा है, हालांकि इसकी प्रामाणिकता स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं की जा सकी है। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक ने कहा, हम एक भी गुजराती को नहीं छोड़ेंगे जैसा बयान सिर्फ आपत्तिजनक नहीं, बल्कि एक पूरे समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने की खतरनाक कोशिश है। बनर्जी की यह बयानबाजी न सिर्फ समाज को बांटने वाली है, बल्कि यह इतिहास के साथ भी गंभीर छेड़छाड़ है। गुजराती समुदाय को देश

की आजादी की लड़ाई से अलग बताना उन अनगिनत बलिदानों का अपमान है जो इस समुदाय ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में दिए। महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महान नेता गुजरात से ही थे। ऐसे में बनर्जी की यह टिप्पणी बेहद शर्मनाक है। विधायक शुभेंदु अधिकारी ने यह भी कहा कि वह इस मसले को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से औपचारिक शिकायत करेंगे। उन्होंने यह मांग की कि संसद परिसर में की गई इस तरह की टिप्पणी पर उपयुक्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री से भी अपील की कि कल्याण बनर्जी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी सार्वजनिक मंच से किसी समुदाय के खिलाफ इस तरह की घृणास्पद टिप्पणी करने का दुस्साहस न कर सके।

हिमाचल में 26-31 जुलाई तक भारी बारिश का येलो अलर्ट, 153 मौतों के साथ 1,436 करोड़ का नुकसान

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग ने एक बार फिर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 26 जुलाई से 31 जुलाई तक लगातार छह दिन कई जिलों में येलो अलर्ट लागू किया गया है। 26 जुलाई को मंडी, शिमला और सिरमौर, 27 जुलाई को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी, 28 जुलाई को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर, 29 जुलाई को हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला, जबकि 30 और 31 जुलाई को भी भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। प्रदेश में मानसून के चलते इस सीजन में अब तक भारी तबाही हुई है। 20 जून से अब तक हुई बारिश और आपदाओं में 153 लोगों की मौत हो चुकी है, 252 लोग घायल हुए हैं और 34 लोग अभी भी लापता हैं। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 31 लोगों की मौत और 27 लोग लापता हुए हैं। कांगड़ा में 22, चंबा में 17, कुल्लू में 15, शिमला और ऊना में 11-11, हमीरपुर और सोलन में 10-10, किन्नौर में 9, बिलासपुर में 8, लाहौल-स्पीति में 5 और सिरमौर में 4 लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में अब तक 1,291

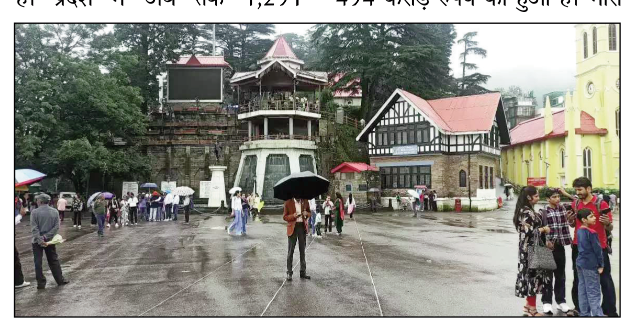

मकानों को नुकसान पहुंचा है, जिनमें से 414 घर पूरी तरह ढह गए हैं। सबसे ज्यादा मंडी जिले में 978 मकानों को नुकसान हुआ, जिनमें 375 घर पूरी तरह गिर गए। मौजूदा मानसून सीजन में 21,500 पोल्ट्री पक्षियों और 1,376 पशुओं की भी मौत दर्ज की गई है। अब तक की सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, हिमाचल को इस मानसून में करीब 1,436 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को 700 करोड़ रुपये और जलशक्ति विभाग को 494 करोड़ रुपये का हुआ है। भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं के चलते प्रदेश के कई क्षेत्रों में जनजीवन पटरी पर नहीं लौट पाया है। तक राज्य में एक नेशनल हाईवे समेत 221 सड़कें अभी भी बंद हैं। मंडी जिले में एनएच-70 मंडी-कोटली मार्ग सहित कुल 144 सड़कें बंद हैं। कुल्लू जिले में 48 सड़कें अवरुद्ध हैं। इसके अलावा प्रदेश में 56 बिजली के ट्रांसफार्मर और 139 पेयजल योजनाएं भी बाधित हैं।

राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले थे श्रीकृष्ण दास : चम्पतराय

एजेंसी

हरदोई। शहर के जे.के. ग्रांड रिसॉर्ट में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे स्मृतिशेष श्रीकृष्ण दास की जन्म शताब्दी पर राष्ट्र मंदिर से राम मंदिर गोष्ठी आयोजित की गयी, जिसमें मुख्य वक्ता विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय रहे। चंपत राय ने श्रीकृष्ण दास के बारे में कहा कि हरदोई जिले के माधौगंज में साधारण सामान्य परिवार में जन्म लेकर जिस समय देश अंग्रेजों से आज़ादी की लड़ाई लड़ रहा था, उस वक्त स्वयंसेवक बनकर आज़ादी के लिए घर छोड़कर चले जाने वाले श्रीकृष्ण दास जी अद्भुत प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व वाले इंसान थे। वे रोज़ यही बोलते थे कि अपने देश को वैभवशाली बनाएंगे। निरक्षरता को

समाप्त करेंगे। मूलमंत्र से हटे जड़ से कटे मूल भूत आधारों पर रहकर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने हिंदू स्वाभिमान को जगाने के लिए राम भक्तों को भी प्रेरित किया। राय ने कहा कि श्रीकृष्ण दास जी ने 21 वर्ष की आयु में ही प्रचारक जीवन स्वीकार कर देहरादून, पीलीभीत, झांसी, फतेहपुर, जालौन, इटावा आदि अनेक स्थानों पर जिला एवं विभाग प्रचारक के रूप में काम किया। सन् 1948 में प्रतिबंध के समय वे जेल में भी रहे। ब्रज प्रान्त प्रचारक के रूप में काम करते हुए वे सेवा कार्य शुरू करने के लिए प्रदेश के हर जिले में जाकर प्रवास कर हर जिले में सेवा कार्य स्थापित किया। आशीर्वचन एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता पूज्या देवी महेश्वरी श्री जी (अंतरराष्ट्रीय कथा व्यास श्रीधाम वृन्दावन) ने की। कार्यक्रम संयोजक डॉ सुरेश चंद्र अग्निहोत्री ने श्रीकृष्ण दास के बारे में कहा कि सन 1977 से 1984 तक राष्ट्रधर्म प्रकाशन लिमिटेड में निदेशक के पद पर भी उन्होंने काम किया, जिसके स्वरूप घाटे में चलने वाला प्रकाशन भी लाभ की स्तिथि में आ खड़ा हुआ था। इसके साथ जीवन के कई महत्वपूर्ण विषयों को रखा। फाउंडेशन के उपाध्यक्ष नवल महेश्वरी ने फाउंडेशन द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों को विस्तार पूर्वक बताया एवं भविष्य में फाउंडेशन इसी तरह कार्यक्रम एवं काम करता रहेगा।

नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ 2027 के लिए रेलवे पांच स्टेशनों को करेगा विकसित

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2027 में नासिक में आयोजित होने वाले त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ महाकुंभ के लिए विशेष रेल योजनाओं का खाका तैयार कर लिया है। इस संदर्भ में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने एक उच्चस्तरीय बैठक में सभी प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। रेल मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि महाकुंभ के दौरान इस्तेमाल की गई सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाते हुए नासिक क्षेत्र के सभी प्रमुख स्टेशनों नासिक रोड, देवलाली, ओढ़ा, खेरवाड़ी और कसबे-सुकेणे पर व्यापक बुनियादी ढांचा तैयार किया जाए। इनमें प्लेटफॉर्म विस्तार, एफओबी निर्माण, स्टेब्लिंग लाइनें, यार्ड रीमॉडलिंग, होल्डिंग एरिया, जल शोधन संयंत्र और सूचना प्रणाली जैसी सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने स्टेब्लिंग क्षमता बढ़ाने और भीड़ नियंत्रण की दिशा में विशेष ध्यान देने को कहा। रेलवे के अनुसार, पांचों स्टेशनों पर प्रस्तावित बुनियादी ढांचे के कार्यों और यात्री सुविधाओ के प्रस्तावित कार्यों की अनुमानित लागत 1,011 करोड़ से अधिक है, जिनमें से 33 कार्यों को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। सभी विकास कार्यों को दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। नासिक रोड स्टेशन पर प्लेटफॉर्म-4 को दोनों दिशाओं वाला बनाया जाएगा, जबकि प्लेटफॉर्म-1 का विस्तार 24 कोच वाली ट्रेनों के लिए किया जाएगा। देवलाली में उन्नत कोच परीक्षण केंद्र और दो एफओबी प्रस्तावित हैं। ओढ़ा में पांच स्टेब्लिंग लाइनें और चार पैदल पुल बनाए जाएंगे।

दूसरे सबसे लंबे समय तक पद पर रहने का कीर्तिमान प्रधानमंत्री मोदी ने जनता के जनादेश से किया हासिल : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे प्रधानमंत्री बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री पद पर 4078 दिन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4077 दिनों (24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977) का रिकॉर्ड तोड़ा है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी निर्बाध कार्यकाल के साथ देश के दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी देश के प्रधानमंत्री बने, तो यह तत्कालीन परिस्थितियों का परिणाम था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने यह कीर्तिमान जनता के जनादेश से हासिल किया है। भाजपा मुख्यालय

में आयोजित प्रेस वार्ता में सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू के बाद सबसे लंबे समय तक निरंतर प्रधानमंत्री के पद पर रहने का जन विश्वास, जन आशीर्वादऔर राष्ट्र की निष्ठा से युक्त इस कार्यकाल का रिकॉर्ड बनाने में जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र का योगदान रहा है, उससे हर भारतवासी हर्ष का अनुभव कर रहा है। एक तरफ पूर्व के जो दो प्रधानमंत्री हैं, उनके कार्यकाल में निरंकुशता के काले अध्याय रहे। दूसरी तरफ मोदी जी के कार्यालय में विकास के स्वर्णिम अध्याय रहे। नरेन्द्र मोदी जन समर्थन के द्वारा चुनकर आकर प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने वाले प्रधानमंत्री हैं, जबकि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी दोनों पहली बार प्रधानमंत्री जन समर्थन से नहीं, बल्कि परिस्थितियों की अपरिहार्यता या राजनीतिक दांवपेंच के बीच से बने। सुधांशु त्रिवेदी ने झारखंड सरकार के एक मंत्री अंसारी द्वारा दिए गए बयान को विद्वेषपूर्ण और अवमानना से भरा हुआ बताया। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि यह बयान एक बार फिर कांग्रेस की उसी घृणित मानसिकता को दर्शाता है। देश के सर्वोच्च पद पर बैठे हुए एक चाय बनाने वाले के बेटे के बचपन और उनकी पृष्ठभूमि को लेकर दिया गया ये बयान कांग्रेस की एक सुविचारित योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार प्रधानमंत्री के बारे में अपमानजनक और अशोभनीय बातें करते रहे हैं। एक ओर चुनावी हार के बाद, राहुल गांधी अपनी हताशा जाहिर करते दिख रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों की श्रेणी पर सवाल उठाया है। अगर वह प्रोफेसरों पर सवाल उठा रहे हैं, तो उन्हें कम से कम नियुक्ति की उचित प्रक्रिया तो पता होनी चाहिए।

महाराष्ट्र के पुणे, सातारा सहित राज्य के छह जिलों में रेड अलर्ट घोषित

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के आपातकालीन परिचालन केंद्र ने अगले 24 घंटों के लिए रायगढ़, रत्नागिरी, गोंदिया, चंद्रपुर, भंडारा, गढ़चिरौली सहित पुणे घाट, सातारा घाट क्षेत्र के छह जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही समुद्र में ऊंची ऊंची लहरें उठने की संभावना है। इसके चलते मछुआरों को समुद्र में ना जाने की चेतावनी दी गई है। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र ने 25 जुलाई, 2025 की शाम 5.39 बजे से 27 जुलाई, 2025 की रात 8.30 बजे तक मुंबई शहर, मुंबई उपनगरों, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग जिलों में 4.1 से 4.8 मीटर ऊँची ऊँची लहरें उठने की चेतावनी जारी की है। इस दौरान छोटी नावों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। समुद्र के कटाव और तट से ऊँची लहरें टकराने की चेतावनी जारी की गई है और जिला प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के

अनुसार मुंबई सहित कोंकण क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार जारी बारिश से निचले इलाकों में जलभराव हो गया है। पवई में भारी बारिश से चैतन्य नगर के कई घरों में बारिश का पानी भर गया है । इसी तरह अंधेरी सबवे, मिलन सबवे भी जलमग्न हो गया है। मुंबई नगर निगमकर्मी पंपिंग के सहयोग से जलनिकासी का काम जारी है। भारी बारिश से गढ़चिरौली जिले की पर्लकोटा नदी खतरे के निशान तक पहुंच चुकी है और निचले इलाकों में बसे लोगों को सुरक्षित स्थल पर पहुंचाया जा रहा है। इसी तरह भंडारा जिले में हो रही भारी बारिश से लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ है। रत्नागिरी जिले में जगबुडी नदी चेतावनी स्तर को पार कर गई है और नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पवना बांध 82.21 फीसदी भर चुका है और जलग्रहण क्षेत्र में बारिश जारी है। नागरिकों को सूचित किया गया है कि पवना बांध से नदी तल में 1600 क्यूसेक पानी छोड़ा जा सकता है। इसलिए लोगों को निचले इलाकों से सुरक्षित स्थल पर जाने की अपील प्रशासन द्वारा की गई है। मुंबई को जलापूर्ति करने वाले जलाशय क्षेत्रों में भारी बारिश दर्ज की गई है। इससे मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय जिलों को पानी की आपूर्ति करने वाले मोदक सागर, मध्य वैतरणा और तानसा बांधों से क्रमशः 4488.25 क्यूसेक, 2012.67 क्यूसेक और 3315.25 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश में बाढ़ से भारी तबाही, राहत कार्य में देरी कर रही प्रदेश सरकारः जयराम ठाकुर

एजेंसी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से आई बाढ़ के बाद कई ज़िलो में भारी जानमाल का नुकसान हुआ है। सिराज विधानसभा क्षेत्र में अभी भी हालात गंभीर बने हुए हैं। प्रभावित इलाकों में राहत कार्य में तेजी और प्रभावित लोगों की मदद के लिए नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल एवं अन्य विधायकों ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुलाकात के बाद हिमाचल प्रदेश भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार से प्राप्त फंड मिलने के बाद भी प्रभावित इलाकों में राहत काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। लोग भगवान भरोसे हैं। केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का दौरा करने आपदा के कुछ ही दिनों बाद पहुंच गए लेकिन मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने में नौ दिन लग गए। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र सिराज में सबसे ज्यादा जानमाल का नुकसान हुआ। करीब एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ, लेकिन प्रदेश सरकार की तरफ से लोगों को राहत पहुंचाने का काम बेहद धीमी गति से चल रहा है।

मध्य प्रदेश का इंदौर बना 'वेटलैंड सिटी', वैश्विक मान्यता से फिर रचा गौरव का इतिहास

एजेंसी

इंदौर। स्वच्छता और स्मार्ट सिटी की तरह अब मध्य प्रदेश के इंदौर ने एक और गौरवशाली उपलब्धि हासिल की है। इंदौर को वैश्विक स्तर पर वेटलैंड सिटी के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। यह दर्जा दुनिया की प्रतिष्ठित रामसर साइट सूची के आधार पर दिया गया है और इसका पुरस्कार जिम्बाब्वे के विक्टोरिया हॉल में आयोजित समारोह में कन्वेंशन ऑन वेटलैंड्स की जनरल सेक्रेटरी डॉ. मोसिंदा मुंबा द्वारा इंदौर को प्रदान किया गया। यह

अवार्ड पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. सुजीत कुमार बाजपेयी ने ग्रहण किया। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस उपलब्धि को शहरवासियों से साझा करते हुए हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा मुझे यह बताते हुए गर्व है कि भारत के दो ही शहरों को यह गौरव प्राप्त हुआ है और इंदौर उनमें से एक है। यह हमारे लिए सम्मान की बात है कि संयुक्त राष्ट्र के रिकॉर्ड में भी अब इंदौर वेटलैंड सिटी के रूप में दर्ज हो गया है। महापौर भार्गव ने कहा कि यह मान्यता सिरपुर और यशवंत सागर जैसे रामसर प्रमाणित वेटलैंड्स के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में इंदौर द्वारा किए गए प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी इंदौरवासियों को बधाई देते हुए आह्वान किया कि हम सभी मिलकर अपने इन प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए सतत प्रयास करते रहें और इंदौर को पर्यावरण के क्षेत्र में भी अग्रणी बनाए रखें। यह उपलब्धि इंदौर को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक मंच पर पर्यावरणीय जागरूकता और संरक्षण की मिसाल के रूप में स्थापित करती है।

भारत/इंग्लैंड चौथे टेस्ट : इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाई 311 रन की बढ़त, भारत का स्कोर 1/2

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के शनिवार को यहां चौथे टेस्ट मैच के चौथे दिन पहली पारी में 669 रन बनाकर 311 रन की विशाल बढ़त लेने के बाद भारत ने लंच तक दूसरी पारी में एक रन पर दो विकेट गंवा दिए। तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने पहले ही ओवर में लगातार गेंदों पर यशस्वी जायसवाल और बी साई सुदर्शन को आउट कर दिया जिससे मेहमान टीम अब 310 रन से पीछे है।

इससे पहले कप्तान बेन स्टोक्स के शतक की बदौलत इंग्लैंड ने पहली पारी में 669 रन का विशाल स्कोर बनाया। स्टोक्स (141 रन, 198 गेंद) ने दो साल के सूखे को खत्म करते हुए अपना 14वां टेस्ट शतक जड़ा। जसप्रीत बुमराह ने अपने 48वें टेस्ट में पहली बार एक पारी में 100 या उससे ज्यादा रन दिए। भारत के लिए रविंद्र जडेजा ने चार विकेट लिए। तीसरे दिन स्टंप्स के समय इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स 77 रन पर खेल रहे थे जबकि लियाम डॉसन 21 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए है। रूट ने अपनी इस यादगार पारी के दौरान ओली पोप (71) के साथ तीसरे विकेट के लिए 144 और बेन स्टोक्स के साथ 142 रन की साझेदारी की।

रूट ने अपनी 248 गेंद की शानदार पारी के दौरान 14 चौके लगाने के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। वह 120 के व्यक्तिगत स्कोर पर पहुंचते ही ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग (13378) को पछाड़कर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गये। अपना 157वां टेस्ट खेल रहे 34 साल के रूट ने दिन के पहले सत्र में सबसे ज्यादा टेस्ट रन के मामले में भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ (13288) और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान हरफनमौला जैक कैलिस (13289) को पीछे छोड़ा। वह अब सिर्फ भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (15921) से पीछे हैं।

भारत के खिलाफ 2012 में नागपुर टेस्ट पदार्पण करने वाले रूट ने इस देश के खिलाफ अपना 12वां शतक जड़कर एक और रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के भारत के खिलाफ 11 टेस्ट शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। रूट के टेस्ट करियर का यह 38 वां शतक हैं। वह खेल के सबसे लंबे प्रारूप में शतक बनाने वालों की सूची में श्रीलंका के पूर्व दिग्गज कुमार संगकारा के साथ चौथे स्थान पर आ गए हैं। इस सूची में उनसे आगे तेंदुलकर (51), जैक कैलिस (45) और पोंटिंग (41) हैं। रूट ने अपनी इस यादगार पारी के दौरान ओली पोप (71) के साथ तीसरे विकेट के लिए 144 और स्टोक्स के साथ 142 रन की साझेदारी की।

स्टोक्स 66 रन के व्यक्तिगत स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हो गये लेकिन क्रिस वोक्स (चार) के रूप में छठा विकेट गिरने के बाद फिर से बल्लेबाजी के लिए क्रीज पर आये। पिच की असमान उछाल को देखते हुए इंग्लैंड की कोशिश बड़ी बढ़त कायम कर भारत पर दबाव बनाने की होगी क्योंकि मैच के चौथे और पांचवें दिन गेंद के नीचे रहने के कारण बल्लेबाजी और मुश्किल होती जाएगी। रूट ने अपनी पारी में मैदान के चारों ओर शानदार शॉट लगाए। तेज गेंदबाजों के खिलाफ कवर क्षेत्र की ओर गेंद को सहलाते हुए चौका लगाने के अलावा उन्होंने शॉट गेंद के खिलाफ सहजता से पुल शॉट खेले तो वही स्पिनरों के खिलाफ आसानी से स्वीप और रिवर्स स्वीप पर रन बटोरे। उनकी पारी का अंत दिन के आखिरी सत्र में रविंद्र जडेजा (117 रन पर दो विकेट) की गेंद पर हुआ, जब उनका पैर क्रीज से बाहर निकल गया और विकेट के पीछे ध्रुव जुरेल ने समय गवाएं बिना गिल्लियां बिखेर दी।

जसप्रीत बुमराह (95 रन पर एक विकेट) ने इसके बाद खतरनाक जैमी स्मिथ (नौ) को चलता किया तो वहीं मोहम्मद सिराज (113 रन पर एक विकेट) को वोक्स के रूप में पहली सफलता मिली। भारतीय गेंदबाजों के लिए दिन का पहला सत्र पूरी तरह से निराशाजनक रहा लेकिन वाशिंगटन सुंदर (57 रन पर दो विकेट) ने दूसरे सत्र की शुरुआत में पोप और हैरी ब्रुक (तीन) के विकेटों के साथ भारत को दो सफलता दिलाई। भारत ने लंच के बाद दूसरे सत्र की शुरुआत में सुंदर और रविंद्र जडेजा की स्पिन गेंदबाजों की जोड़ी से गेंदबाजी कराई। सुंदर ने पोप को स्लीप में लोकेश राहुल के हाथों कैच कराकर रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए उनकी 144 रन की साझेदारी को तोड़ा। हैरी ब्रुक सुंदर के खिलाफ क्रीज से बाहर निकल कर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में स्टंप हो गए।

रूट ने अंशुल कंबोज (89 रन पर एक विकेट) के खिलाफ ग्लांस कर चौके के साथ टेस्ट में अपना 38वां शतक पूरा किया और चाय के विश्राम से पहले इस गेंदबाज के खिलाफ एक रन चुराकर पोंटिंग के टेस्ट करियर के रनों को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने नयी गेंद से सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी की और फिर मैदान से बाहर चले गये जिससे भारत की मुश्किलें और बढ़ गयी। वह चाय के विश्राम से पहले गेंदबाजी के लिए लौटे लेकिन अंपायरों ने उन्हें बताया कि वह जितने देर मैदान से बाहर रहे है उतना समय मैदान पर बिताने के बाद ही गेंदबाजी कर सकते हैं।

बुमराह के नाम जुड़ा एक और रिकॉर्ड, इंग्लैंड में 50 टेस्ट विकेट वाले तीसरे एशियाई तेज गेंदबाज बने

लंदन (एजेंसी)। मैनचेस्टर = भारतीय अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में 50 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह वसीम अकरम (53) और इशांत शर्मा (51) के बाद इंग्लैंड में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले सरे एशियाई गेंदबाज बन गए। उन्होंने शुक्रवार को ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट मैदान पर चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की।

अब बुमराह के नाम 12 मैचों में 26.38 की औसत और मात्र 2.79 की इकॉनमी रेट के साथ 50 विकेट हो गए हैं। उन्होंने 4 विकेट हॉल भी अपने नाम किए हैं। बुमराह ने चौथे टेस्ट के तीसरे दिन 15 ओवर फेंके, 48 रन दिए और विकेटकीपर जेमी स्मिथ का केवल एक विकेट लिया। दूसरे दिन की गेंदबाजी को ध्यान में रखते हुए उनका कुल स्पेल 28 ओवरों में 1/95 रहा।

श्रृंखला में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज होने के बावजूद उन्होंने पांच पारियों में 26.69 की औसत से 13 विकेट लिए, जिसमें 2 बार पांच विकेट भी शामिल हैं, लेकिन आंकड़े अभी भी निराशाजनक लग रहे हैं क्योंकि वह चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद टेस्ट मैचों में वापसी कर रहे थे, जो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024/25 के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर से दूर हुई थी, जिसके दौरान उन्होंने 13.06 की औसत से रिकॉर्ड तोड़ 32 विकेट लिए, जिसमें दो बार चौके और तीन बार पांच विकेट शामिल हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एथरटन बोले- भारत के दो विकेट जल्दी गिरना कोई आश्चर्य की बात नहीं

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का मानना है कि ओल्ड ट्रैफर्ड में चल रहे चौथे टेस्ट में भारत अब बहुत पीछे है। उन्होंने आगे कहा कि चौथे दिन लंच ब्रेक से पहले मेहमान टीम के दो विकेट जल्दी गिरने से उन्हें कोई आश्चर्य नहीं हुआ। अनुभवी ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने यशस्वी जायसवाल और बी साई सुदर्शन को शून्य पर आउट कर दिया जिससे भारत तीन ओवर में मुश्किल में पड़ गया। वे अभी भी इंग्लैंड से 300 से ज़्यादा रन पीछे हैं और टेस्ट को आखिरी दिन तक ले जाने के लिए उन्हें कुछ बड़ा करने की जरूरत है।

एथर्टन ने कहा, 'सलामी बल्लेबाजों को 300 से ज़्यादा रन पीछे रहना होगा, टेस्ट क्रिकेट में शायद इससे मुश्किल कोई स्थिति नहीं होती और इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि शुरुआती दो विकेट गिर गए। अब बहुत पीछे है। जायसवाल के लिए यह पुरानी सीरीज वाकई मजेदार रही है, कुछ उतार-चढ़ाव भरे भी। और सुदर्शन के साथ भारत को तीसरे नंबर पर एक समस्या का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वे वहां किसी को चुन ही नहीं पा रहे हैं।'

टिम डेविड ने लगाया तीसरा सबसे तेज शतक, ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर टी20 श्रृंखला जीती

बासेटेरे (सेंट किट्स) (एजेंसी)। टिम डेविड ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सबसे तेज शतक बनाया जिससे उनकी टीम ने शुक्रवार को पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर श्रृंखला अपने नाम कर ली।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शाई होप के नाबाद 102 रन की मदद से चार विकेट पर 214 रन बनाए लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने डेविड और मिशेल ओवेन की 128 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 16.1 ओवर में चार विकेट पर 215 रन बनाकर जीत सुनिश्चित की और श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

डेविड ने सेंट किट्स के वार्नर पार्क में छोटे मैदान का पूरा फायदा उठाते हुए अपना छठा चौका लगाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक पूरा किया और ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने सिर्फ 37 गेंदों में 11 छक्कों की मदद से नाबाद 102 रन बनाए और पिछले साल स्कॉटलैंड के खिलाफ जोश इंग्लिस द्वारा बनाए गए 43 गेंदों पर शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्णकालिक सदस्य देशों में यह क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में तीसरा सबसे तेज शतक भी है। केवल भारत के रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ही उनसे आगे हैं। इन दोनों ने 2017 में 35 गेंदों में शतक लगाया था।

डेविड ने मैच के बाद कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे ऑस्ट्रेलिया की तरफ से शतक बनाने का मौका मिलेगा, इसलिए मैं उस अवसर के लिए बहुत आभारी हूं और बहुत उत्साहित हूं।' डेविड की आतिशी पारी ने होप (57 गेंदों पर 102 रन) के शानदार नाबाद शतक को फीका कर दिया, जिसमें आठ चौके और छह छक्के शामिल हैं। होप ने अपने सलामी जोड़ीदार ब्रैंडन किंग के साथ मिलकर 11.4 ओवर में 125 रन जोड़े। किंग ने 36 गेंदों पर 62 रन बनाए। क्रिस गेल के बाद होप वेस्टइंडीज के ऐसे दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने तीनों प्रारूप में शतक लगाए हैं।

मेस्सी एक मैच के लिए निलंबित, इंटर मियामी ने जताया विरोध

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। लियोनेल मेस्सी और जोर्डी अल्बा को ऑल स्टार मैच में भाग नहीं लेने के कारण मेजर लीग सॉकर (स्र्र्स) ने एक मैच के लिए निलंबित कर दिया है जिसका उनके क्लब इंटर मियामी ने विरोध किया है। इंटर मियामी के मालिक जॉर्ज मास ने शुक्रवार को एक मैच के निलंबन के बारे में कहा, 'यह उनकी समझ से परे है कि प्रदर्शनी मैच में भाग न लेने पर सीधे निलंबन क्यों हो जाता है।' मेस्सी और अल्बा ने एमएलएस और मैक्सिको के लीगा एमएक्स के बीच मैच के लिए टीम में चुने जाने के बावजूद हिस्सा नहीं लिया था। मेस्सी व्यस्त कार्यक्रम के बीच आराम करने के लिए नहीं खेले और अल्बा अपनी पिछली चोट से जूझ रहे हैं। मास ने कहा कि क्लब ने मेस्सी और अल्बा को ऑल-स्टार मैच से बाहर रखने का फैसला किया। स्र्र्स के नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो लीग से अनुमति लिए बिना ऑल स्टार मैच में नहीं खेलता उसे एक मैच के लिए निलंबित कर दिया जाता है।

जो रूट ने तोड़ा रिकी पोंटिंग का 13 साल पुराना रिकॉर्ड, पोंटिंग ने दी बधाई

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचते हुए अब तक के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाम हासिल किया, जिनका रिकॉर्ड पिछले 13 वर्षों से अटूट बना हुआ था। जो रूट अब सिर्फ भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 15,921 रन दर्ज हैं, जबकि रूट के अब 13,409 रन हो गए हैं। मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल करते समय रूट 120 रन पर नाबाद थे। रिकी पोंटिंग खुद उस समय कमेंट्री कर रहे थे और उन्होंने रूट को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए ऑन-एयर बधाई दी। पोंटिंग ने कहा, जो रूट को बधाई। अब वह टेस्ट क्रिकेट में रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। यह इतिहास का एक शानदार क्षण है। ओल्ड ट्रैफर्ड का यह जानकार दर्शक वर्ग इस पल का गवाह बना। अब बस एक और खिलाड़ी उनसे आगे है सचिन तेंदुलकर। जो रूट की यह पारी उनकी मौजूदा फॉर्म का प्रमाण भी है। इस पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में यह उनका दूसरा शतक है, और उन्होंने इस मुकाबले में 150 रन की अहम पारी खेली। इस प्रदर्शन के साथ ही सीरीज में उनके कुल रन 400 के पार पहुंच गए हैं। खास बात यह है कि इस मैच से पहले वह सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में पांचवें स्थान पर थे, लेकिन अब उन्होंने राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और पोंटिंग को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। रूट की निरंतरता और तकनीकी उत्कृष्टता ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है। जिस तरह से उन्होंने बीते कुछ वर्षों में प्रदर्शन किया है, उसे देखकर क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर फिटनेस बनी रही तो वह सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को भी चुनौती दे सकते हैं।

एशिया कप 2025 का आयोजन यूएई में होगा

- 9 से 28 सितंबर तक चलेगी प्रतियोगिता

ढाका (एजेंसी)। एशिया कप 2025 का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 9 से 28 सितंबर तक किया जाएगा। इसकी आधिकारिक पुष्टि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने ढाका में हुई बैठक के बाद की। इस बैठक में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रतिनिधि भी वर्चुअली शामिल हुए। नकवी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट क्रिकेट प्रेमियों के लिए शानदार अनुभव होगा और जल्द ही विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी दी जाएगी।

गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट की मेजबानी मूल रूप से भारत को सौंपी गई थी, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच जारी राजनीतिक तनाव के चलते इसका स्थानांतरण यूएई में कर दिया गया। टूर्नामेंट के मुकाबले दुबई, शारजाह और अबू धाबी जैसे शहरों में कराए जाने की संभावना है। एशिया कप 2025 इस बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, यूएई, हांगकांग और ओमान जैसी टीमें भाग लेंगी। भारत मौजूदा चैंपियन है, जिसने 2023 में श्रीलंका को हराकर 50 ओवर के फॉर्मेट में यह खिताब अपने नाम किया था।

इससे पहले 2023 का एशिया कप भी भारत-पाक संबंधों के कारण हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था, जिसमें चार मैच पाकिस्तान और बाकी श्रीलंका में आयोजित किए गए थे। इसी तरह, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर भी राजनीतिक माहौल का असर पड़ा और भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाकर खेलने से इनकार कर दिया, जिससे उसे यूएई में ही अपने सभी मुकाबले खेलने पड़े। टूर्नामेंट के कार्यक्रम को लेकर उत्साह इस बात से भी है कि अगर भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया तो वे तीन बार भिड़ सकते हैं ग्रुप स्टेज, सुपर-4 और फिर फाइनल में। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह एक रोमांचक अनुभव साबित हो सकता है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम को असुरक्षित बताने वाली रिपोर्ट से महिला विश्व कप पर संकट

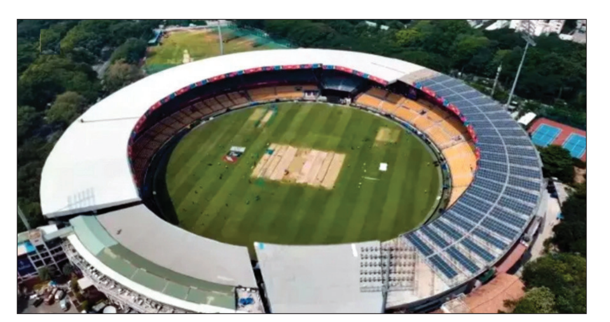

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार द्वारा गठित न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी'कुन्हा आयोग ने बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को जनसमूह के लिए अनुपयुक्त और असुरक्षित घोषित कर दिया है। यह निष्कर्ष उस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के बाद आया है, जिसमें आईपीएल विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जश्न के दौरान मची भगदड़ में 11 प्रशंसकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हुए। इस घटना के बाद राज्य सरकार ने आयोग का गठन किया था, जिसकी रिपोर्ट अब राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश की जा चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टेडियम का वर्तमान ढांचा बड़ी भीड़ के अनुकूल नहीं है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा को गंभीर खतरा है। इस रिपोर्ट के प्रकाश में आने के बाद इस साल के अंत में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप के शुरुआती मुकाबले और फाइनल जैसे बड़े आयोजन खतरे में पड़ सकते हैं, क्योंकि ये मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही निर्धारित हैं। इससे बीसीसीआई को वैकल्पिक स्थानों पर विचार करना पड़ सकता है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने भी एहतियात के तौर पर अगले महीने होने वाले महाराजा ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट को दर्शकों के बिना कराने का फैसला लिया है। आयोग का कहना है कि बड़ी खेल प्रतियोगिताओं को ऐसे स्थानों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए, जो बड़ी संख्या में दर्शकों को सुरक्षित रूप से समायोजित कर सकें। रिपोर्ट में सुधारात्मक सुझाव भी शामिल हैं, जैसे प्रवेश और निकास द्वारों का पुनर्गठन तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप आपातकालीन निकासी योजनाओं की तैयारी। आयोग ने चेताया है कि जब तक ये ढांचागत परिवर्तन नहीं होते, तब तक चिन्नास्वामी जैसे आयोजन स्थलों पर बड़े कार्यक्रमों का आयोजन सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जोखिम बना रहेगा। इसके साथ ही आयोग ने केएससीए के शीर्ष पदाधिकारियों और आयोजन से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश की है। हालांकि, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स ने इस आयोग और उसकी रिपोर्ट के निष्कर्षों को चुनौती देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया है।

दूसरे छोर से सहयोग मिलने पर और खतरनाक हो जाते हैं बुमराह: जोनाथन ट्रॉट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर जोनाथन ट्रॉट ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर अहम टिप्पणी की है। उनका मानना है कि बुमराह जब गेंदबाजी के दूसरे छोर से अच्छा समर्थन पाते हैं, तो बुमराह कहीं ज्यादा असरदार साबित होते हैं। मौजूदा पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पिछड़ रही है और चौथे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड पर 186 रनों की बढ़त हासिल कर चुका है। इस मैच में बुमराह अब तक कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं, हालांकि ट्रॉट का कहना है कि उन्होंने सधी हुई गेंदबाजी की है, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया।

ट्रॉट ने कहा कि बुमराह की इकॉनमी दर इस बात का संकेत है कि उन्होंने अनुशासित गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त दबाव का सहयोग नहीं मिला। जब गेंदबाजी इकाई पूरी ताकत से नहीं खेल रही होती, तो दोनों सिरों से एक साथ दबाव बनाना जरूरी हो जाता है, जिससे बल्लेबाजों पर असर पड़ता है। ट्रॉट ने यह भी जोड़ा कि जब गेंदबाज अकेले दम पर जिम्मेदारी उठाते हैं, तो सफलता मिलना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने भारतीय टीम के गेंदबाजी संयोजन पर भी सवाल उठाए और कहा कि अंशुल कंबोज टेस्ट क्रिकेट की कसौटी पर खरे नहीं उतर पाए। तेज गेंदबाजों ने लगभग 82 ओवर में केवल तीन विकेट चटकाए, जबकि स्पिनरों ने 52 ओवर में चार विकेट लिए। ऐसे में भारत को अपनी गेंदबाजी रणनीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है। बुमराह के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक इस दौरे पर दो टेस्ट खेले हैं और दोनों में भारत को हार का सामना करना पड़ा है। मौजूदा मैच संभवतः उनका इस सीरीज में आखिरी मुकाबला हो सकता है, और अब तक की स्थिति देखकर ऐसा नहीं लगता कि टीम को उनसे उस प्रभाव की उम्मीद पूरी तरह मिल पाई है, जो आमतौर पर उनसे जुड़ी रहती है।

'बुमराह जल्द ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं', पूर्व भारतीय क्रिकेटर का चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट मैच में मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने में विफल रहने के बाद लाल गेंद के क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। बुमराह ने अब तक इंग्लैंड की पहली पारी में 28 ओवर फेंके हैं और 1/95 रन देकर एक विकेट के आंकड़े के साथ लौटे हैं।

शुक्रवार को खेल के अंतिम सत्र में उनका एकमात्र आउट जेमी स्मिथ था। यह विकेट लेने के बारे में नहीं था, लेकिन चल रहे चौथे टेस्ट में उनकी गति में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जहां वह ज्यादातर 130-135 किमी प्रति घंटे की रेंज में चल रहे हैं। हेडिंग्ले में श्रृंखला के पहले मैच के दौरान उनकी गति से काफी गिरावट आई है। लीड्स और लॉर्ड्स दोनों टेस्ट मैचों में, 31 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को छुआ।

कैफ ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे और शायद संन्यास भी ले लें। वह अपने शरीर के साथ संघर्ष कर रहे हैं और इस टेस्ट मैच में उनकी गति कम हो गई है। वह एक ईमानदार इंसान हैं और अगर उन्हें लगता है कि वह देश को अपना शत-प्रतिशत नहीं दे पा रहे हैं, तो वह खुद को बाहर कर लेंगे। विकेट न मिलना एक बात है, लेकिन गति भी 125-130 किमी प्रति घंटे तक गिर गई है।'

चिंताएं तब और बढ़ गईं जब बुमराह को दूसरे सत्र के दौरान अपने टखने को पकड़ते हुए देखा गया, हालांकि वह बाद में गेंदबाजी करने के लिए वापस लौटे। यहां तक कि कमेंटेटरों ने भी कहा कि वह खुद को संभालते हुए अपने आप में ही गेंदबाजी करते हुए और सावधानी से क्रीज पर आते हुए दिखाई दिए। कार्यभार प्रबंधन के कारण बुमराह पहले से ही 5 में से केवल तीन टेस्ट मैचों में ही खेल पाएंगे, कैफ ने सुझाव दिया कि प्रशंसकों को आगे चलकर उन्हें लंबे प्रारूप में कम देखने की संभावना के साथ तालमेल बिठाना शुरू करना होगा।

पूर्व बल्लेबाज ने आगे कहा, 'उनके जुनून और प्रतिबद्धता पर कोई शक नहीं है, लेकिन उनका शरीर कमजोर पड़ रहा है। इस टेस्ट में उनका खराब प्रदर्शन साफ दर्शाता है कि उन्हें आगे टेस्ट मैच खेलने में दिक्कत होगी और शायद वह टेस्ट मैच भी न खेलें। विराट कोहली, रोहित शर्मा और अश्विन के बाद भारतीय प्रशंसकों को बुमराह के बिना खेलने के लिए खुद को तैयार करना होगा। मुझे उम्मीद है कि मेरी भविष्यवाणी गलत निकलेगी, लेकिन मैंने जो देखा, मैं वही कह रहा हूं।'

दीक्षा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ के कट में प्रवेश करने वाली इकलौती भारतीय

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड)। दीक्षा डागर संयुक्त रूप से 59वें स्थान के साथ 2025 द्बस्क्र- हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय रही। दीक्षा ने पार-72 के कोर्स पर दूसरे दिन चार ओवर 76 का कार्ड खेल कुल एक ओवर के स्कोर के साथ कट में प्रवेश किया। कट में कुल 71 खिलाड़ियों ने जगह बनाई। दीक्षा ने पहले दिन तीन अंडर 69 के कार्ड के साथ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन लय बरकरार नहीं रख सकी। पेशेवर गोल्फ में पदार्पण कर रही इंग्लैंड की लॉटी वोड दूसरे दिन 65 का कार्ड खेलने के बाद कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। दीक्षा आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर कट में प्रवेश करने में सफल रही। इस दौर के 16वें होल तक उनका स्कोर छह ओवर का था। टूर्नामेंट में खेल रही दो अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (75-73) और त्वेसा मलिक (77-77) कट से चूक गईं।

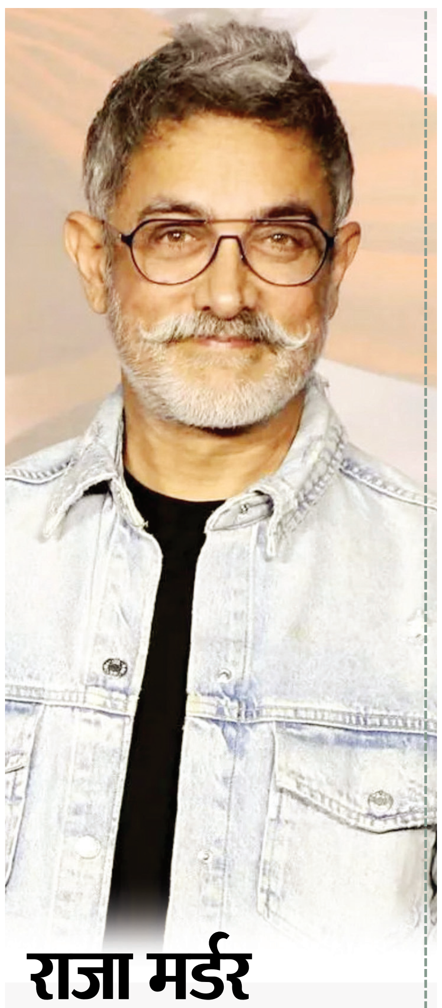

राजा मर्डर केस पर फिल्म बनाएंगे आमिर!

आमिर खान ने फिल्म सितारे जमीन पर के जरिए जबर्दस्त सफलता हासिल की है। अब वे अपने अगले प्रोजेक्ट्स की तैयारी में जुट गए हैं। सूत्रों के मुताबिक अभिनेता अब मेघालय मर्डर केस पर क्राइम थ्रिलर फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। पूरे देश को झकझोर देने वाले राजा रघुवंशी हत्याकांड पर अभिनेता फिल्म बनाने की तैयारी में हैं।

आमिर खुद रख रहे अपडेट पर नजर मीडिया रिपोर्ट में अभिनेता के एक करीबी सूत्र के हवाले से कहा गया है, आमिर खान मेघालय हत्याकांड की अपडेट पर करीब से नजर रख रहे हैं। उन्होंने निजी रूप से इस केस पर नजर रखी है और अपने करीबी लोगों के साथ इस पर चर्चा की है। हो सकता है कि उनके प्रोडक्शन की तरफ से भी इस विषय पर कोई डेवलपमेंट हो।

सितारे जमीन पर के बाद नहीं किया अगली फिल्म का एलान

जूम की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि आमिर खान रियल लाइफ ट्रेजडी पर आधारित एक क्राइम-थ्रिलर फिल्म बनाने के इच्छुक हैं। बता दें कि आमिर खान को सिनेमा की दुनिया में परफेक्शन के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपनी हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर के बाद अगली फिल्म का एलान नहीं किया है। हालांकि, खबरों के अनुसार मेघालय मामले ने उनका ध्यान खींचा होगा, लेकिन अभी यह तय नहीं हुआ है कि उन्होंने सिर्फ फिल्म का निर्माण करने का फैसला किया है या इसमें अभिनय भी करेंगे।

अब तक नहीं हुई कास्ट

आमिर खान का अगला प्रोजेक्ट चाहे जो भी हो, यह अभी शुरुआती स्टेज पर है। अभी तक किसी की कास्टिंग नहीं हुई है। बता दें कि मेघालय मर्डर केस इंदौर के सोनम और राजा रघुवंशी से जुड़ा है। इंदौर के राजा और सोनम की शादी इस साल 11 मई को हुई। 20 मई को वे हनीमून पर गए। तीन दिन बाद कपल शिलांग से 65 किलोमीटर दूर सोहरा के पास लापता हो गया। पुलिस ने बताया कि 02 जून को राजा का क्षत-विक्षत शव चेरापूंजी में वेइसाडोंग फॉल्स के पास 200 फीट गहरी खाई से बरामद हुआ। हफ्तेभर बाद सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान, उसने कथित तौर पर अपने पति की हत्या की बात कबूल की। सोनम ने कुशवाहा तथा तीन हत्यारों- विशाल चौहान, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत के साथ इस मर्डर की साजिश रची।

एशियन प्रोजेक्ट मार्केट के लिए चुनी गई आलिया भट्ट की फिल्म डिफिकल्ट डॉटर्स

आलिया भट्ट इन दिनों सुर्खियों में हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म डिफिकल्ट डॉटर्स बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (बीआईएफएफ) के लिए चुनी गई है। डेडलाइन के मुताबिक यह फिल्म उन 30 फिल्मों में से एक है जो एशियन प्रोजेक्ट मार्केट (एपीएम) के लिए चुनी गई है।

आलिया भट्ट हैं फिल्म की निर्माता

फिल्म का निर्देशन आलिया की मां सोनी राजदान ने किया है। इसकी निर्माता आलिया भट्ट, उनकी बहन शाहीन भट्ट और एलन एमसीएलेक्स हैं। डिफिकल्ट डॉटर्स एशिया भर से चुनिंदा फिल्मों में से एक है, जिसे एपीएम में प्रदर्शित किया जाएगा। इस प्रोग्राम में फिल्म निर्माता अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों और सह-निर्माताओं से जुड़ेंगे।

द लास्ट ऑफ देम प्लेग्स को मिली जगह

डेडलाइन के अनुसार, इस सूची में एक और प्रोजेक्ट द लास्ट ऑफ देम प्लेग्स है। इसका निर्देशन कुंजिला ने किया है और इसका निर्माण अभिनेत्री कनी कुसरुति और पायल कपाड़िया ने किया है। कुसरुति पिछले साल बीआईएफएफ के न्यू करंट्स सेक्शन की जूरी सदस्य थीं।

इन फिल्मों को भी किया गया शामिल

बीआईएफएफ में फिल्म मून को भी चुना गया है। इसके निर्देशक प्रदीप कुर्बाह हैं। आखिरी बार उन्होंने साल 2019 में बीआईएफएफ अवॉर्ड जीता था। बांग्लादेशी फिल्म निर्माता बिप्लब सरकार एलजीबीटीक्यू थीम पर आधारित कहानी द मैजिकल मेन के साथ बीआईएफएफ में लौट रहे हैं। मलेशियाई निर्देशक लाउ कोक रुई, निर्माता सोई चियांग, स्टेफानो सेंटिनी और वोंग क्यू सून के साथ वेक मी अप व्हेन द मॉर्निंग एंड्स प्रस्तुत कर रहे हैं।

आलिया भट्ट के काम के बारे में

आलिया भट्ट आखिरी बार वासन बाला की फिल्म जिगरा में नजर आई थीं। उन्होंने इस फिल्म में अभिनय भी किया और इसकी निर्माता भी थीं। फिल्म की कहानी एक बहन के अपने भाई को जेल से छुड़ाने के मिशन पर आधारित है। वह अगली बार यशराज फिल्म्स की जासूसी फिल्म अल्फा में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। वह संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित लव एंड वॉर में भी काम कर रही हैं।

मनोरंजन जगत में बने रहने के लिए लोगों से जुड़ना जरूरी

टेलीविजन अभिनेत्री आशी सिंह ने अपने अभिनय की शुरुआत सीक्रेट डायरिज- द हिडन चैप्टर्स से की थी, अभिनेत्री ने बताया कि मनोरंजन जगत में बने रहने के लिए लोगों के साथ कनेक्ट होना बहुत जरूरी है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में आशी ने कहा, आज के समय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहने के लिए मुझे लगता है कि प्रोजेक्ट्स पर काम करना जरूरी नहीं है, बल्कि लगातार लोगों से कनेक्ट रहना जरूरी होता है। इसीलिए मैं लोगों से कनेक्ट रहने के लिए इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि वह जब किसी प्रोजेक्ट पर काम नहीं कर रही होती, तो सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं।

उन्होंने आगे कहा, जब मैं किसी प्रोजेक्ट पर काम नहीं कर रही होती, तो मैं इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हो जाती हूं ताकि लोग मुझे देख सकें और मैं उन लोगों से बातचीत कर सकूं। मुझे लगता है कि मैं इसी तरह से प्रासंगिक बनी रहती हूं, और अगर मैं एक्टिव नहीं रह पाती, तो शायद कुछ महीनों से ऐसा प्रोजेक्ट करने लगती जो मुझे सुर्खियों में ला दे। इसलिए मैं ज्यादा परेशान नहीं रह पाती। बता दें, अभिनेत्री फिलहाल सोनी सब के रोमांटिक कॉमेडी शो उफ्फ...ये लव है मुश्किल में नजर आ रही हैं। इस शो में आशी शब्बीर अहलूवालिया भी हैं। यह कहानी कैरी की है, जो महत्वाकांक्षी और जिंदादिल युवती है। जो कम उम्र से ही अपने तीन छोटे भाई-बहनों की जिम्मेदारी संभालती है और वह आत्मनिर्भर और अपने सिद्धांतों पर अडिग है। वह वकील बनने की राह पर है। वहीं, इस शो में अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया युग नाम के लड़के का किरदार निभा रहे हैं। वह पेशे से वकील है, लेकिन अतीत में हुए दर्दनाक हादसों के कारण वह महिलाओं को शक की निगाहों से देखता है।

दर्शकों की बदलती रहती है पसंद, युवा चाहते हैं नया और अनोखा कंटेंट

अभिनेत्री अंजुम फकीह ने अपने नए रियलिटी शो छोरियां चलीं गांव के साथ एक नई शुरुआत की है। अंजुम का मानना है कि कंटेंट को लेकर समय के साथ दर्शकों की पसंद बदलती रहती है। यंग जनरेशन नए और अनोखे कंटेंट की मांग करती है।

अंजुम ने कहा कि दर्शकों की पसंद हर कुछ सालों में बदलती है। आज का युवा ज्यादा मुखर है; वह फ्रेश, अनोखी कहानियों की मांग करता है। उन्होंने कहा, भारत में प्रतिभा और रचनात्मकता की कोई कमी नहीं है। छोरियां चलीं गांव के कॉन्सेप्ट को बनाने वाले को सलाम। हम दर्शकों के लिए कुछ नया और जड़ों से जुड़ा लेकर आए हैं। यह शो शहरों की चमक-दमक से दूर, गांव की असली जिंदगी को दिखाता है, जहां भारत का दिल बसता है। यह शो शहर और गांव दोनों के दर्शकों को पसंद आएगा। इसकी सफलता दर्शकों के हाथ में है। अगर उन्हें पसंद आया, तो यह सालों चलेगा, वरना खत्म हो जाएगा। छोरियां चली गांव को लेकर उत्साहित अंजुम ने बताया कि एक शहरी लड़की होने के नाते, गांव की जिंदगी का अनुभव लेने का मौका उन्हें रोमांचित करता है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा जी टीवी के साथ काम करना चाहती हूं। मेरे सभी हिट किरदार और शो एक था राजा एक थी रानी, कुंडली भाग्य, रानी रागेश्वरी, और सृष्टि जी टीवी के ही थे। जब भी जी के साथ काम करने का मौका मिलता है, मैं उस ऑफर को तुरंत स्वीकार कर लेती हूं। अंजुम ने शो को रोमांचक बताया।

रश्मिका मंदाना ने लॉन्च किया अपना फ्रेगरेंस ब्रांड

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपने फ्रेगरेंस ब्रांड के लॉन्च की घोषणा की है। उन्होंने इस मौके पर कहा है कि परफ्यूम उनके लिए एक ऐसी चीज है, जो अक्सर उन्हें उन खास पलों में वापस ले जाता हैं, जिन्हें वह भूल जाती हैं। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी मेरे निजी जीवन के अनुभवों और विचारों से प्रेरित है। अभिनेत्री ने बताया, मेरे लिए, खुशबू का मतलब यादें हैं। मुझे बहुत सी बातें याद नहीं रहतीं, या शायद कुछ चुनिंदा बातें ही याद रहती हैं, लेकिन परफ्यूम उन खास पलों को फिर से ताजा कर देता है जिन्हें मैं शायद भूल जाती हूं। इसी तरह से मैं उन लोगों, जगहों और अनुभवों को याद रखती हूं, जिनकी वजह से मैं आज जो कुछ भी बन पाई हूं।

उन्होंने आगे कहा कि डियर डायरी के जरिए वह सभी को अपनी कहानियों में साथ ले जाने का एक तरीका देना चाहती हैं। रश्मिका ने बताया, उनके परफ्यूम को लॉन्च करने का मकसद बस खुद से जुड़ना, सुकून महसूस करना, एक अच्छा अहसास पाना और बिना किसी झिझक के अपनी पहचान बताना है। रश्मिका ने अपने नए फ्रेगरेंस ब्रांड के बारे में बात करते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह वाकई मेरे दिल के बहुत करीब है। यह सिर्फ एक ब्रांड नहीं है, न ही परफ्यूम है, बल्कि मेरा एक हिस्सा है। खुशबू हमेशा से मेरी निजी जिंदगी का एक अहम हिस्सा रही है... और आज मैं आपके साथ इसको साझा कर रही हूं। उन्होंने कहा, मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे यह ब्रांड लॉन्च करने का मौका मिला और मैं इसको लेकर काफी उत्साहित भी हूं। मुझे उम्मीद है कि इसे आगे बढाने के लिए मुझे आप सभी का साथ मिलेगा। इस घोषणा से पहले भी अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी साझा की थी। उन्होंने एक वीडियो जारी किया था जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना गया था, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैं आखिरकार इसे रिकॉर्ड कर रही हूं। जैसा कि आप अब तक जानते ही होंगे, मैं अपने दिल के बहुत करीब किसी चीज पर काम कर रही हूं। यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मैंने आपके लिए मेरा जीवन का एक छोटा सा हिस्सा भी है। रश्मिका ने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि आप इसे महसूस करेंगे, मुझे उम्मीद है कि आपको यह पसंद आएगा।

कपिल शर्मा की 'किस किसको प्यार करूं 2' में जलवा बिखेरेंगे यो यो हनी सिंह

म्यूजिक के दुनिया के मशहूर गायक और रैपर हनी सिंह अपने गानों से दर्शकों को अक्सर दीवाना बना लेते हैं। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आय है, जिसमें हनी सिंह और कॉमेडियन-एक्टर कपिल शर्मा एक साथ दिख रहे हैं। वीडियो में गायक मस्तमौले अंदाज में नजर आ रहे हैं और एक सॉन्ग गुनगुनाते दिख रहे हैं। साथ ही सिंगर कपिल की आगामी फिल्म से जुड़ी एक खास जानकारी साझा कर रहे हैं। आइए जानते हैं हनी सिंह ने क्या कहा।

कपिल शर्मा की आगामी फिल्म में हनी सिंह गाएंगे गाना?

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें हनी सिंह और कपिल शर्मा को स्टेज पर एक साथ देखा जा सकता है। वीडियो में गायक हनी सिंह शायद कपिल की आगामी फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' से जुड़ा गाना गाते दिख रहे हैं। गायक ने कहा, 'किस किसको प्यार करूं 2 में कपिल शर्मा और यो यो हनी सिंह कमिंग सून।' साथ ही गायक ने पंजाबी में कहा कि अब पंजाबी आ गए हैं। हनी सिंह की इन बातों को सुन कपिल शर्मा बेहद ही खुश नजर आ रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि हनी सिंह कपिल का आगामी फिल्म में धमाकेदार सॉन्ग लेकर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने लिखा कि हनी पाजी के फैन हैं वो। दूसरे यूजर ने कहा कि पंजाबी तो कबसे आए हैं। वहीं एक और यूजर ने कहा कि 2025 का सबसे बड़ा कोलैबेरेशन। इसके अलाव एक अन्य यूजर ने लिखा कि सारी दुनिया कहती है यो यो हनी सिंह।

'किस किसको प्यार करूं 2' के बारे में

किस किसको प्यार करूं 2 का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, भ्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। कपिल शर्मा की यह फिल्म 26 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज

सामंथा रुथ प्रभु करेंगी अपनी टॉलीवुड वापसी फिल्म का निर्माण

सामंथा ने अपनी हॉरर कॉमेडी फिल्म शुभम के साथ बतौर निर्माता अपनी शुरुआत की। हालांकि, इस फिल्म में उनका एक कैमियो रोल भी था। ताजा जानकारी के अनुसार, सामंथा मेन लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी एक टॉलीवुड फिल्म का निर्माण करने वाली हैं। सामंथा 2019 में आई अपनी हिट फिल्म ओह बेबी की निर्देशक नंदिनी रेड्डी के साथ फिर से काम करने का प्लान बना रही हैं। नंदिनी गंभीर कहानियों और मजबूत किरदारों के लिए जानी जाती हैं। दोनों जबरदस्त और ओह बेबी के बाद फिर से एक साथ काम करने की बातचीत कर रही हैं।

जीवन में थोड़ी-सी हंसी-खुशी, चुटीलापन और जिंदादिली लाने के लिए हम आये दिन अपनों से हल्का-फुल्का मजाक करते रहते हैं. इससे हमारे रिश्तों में प्यार और गहरा हो जाता है. पर हंसी-मजाक के इस सिलसिले में कई बार अनजाने में ही हमारा मजाक सामने वाले का दिल दुखा जाता है, जबकि हमारा उस तरफ न तो ध्यान होता है और न ऐसा इरादा..

महंगा न पड़ जाये हंसी-मजाक

हंसी-मजाक की आदत सिर्फ हमारे तनाव को ही दूर नहीं करती, बल्कि यह हमारे रिश्तों को भी खुशनुमा बनाये रखती है. हंसने-हंसाने की आदत के चलते रोशनी अपने परिवार में सबकी चहेती है. दोस्तों में भी सब उसे पसंद करते हैं. कोई पारिवारिक आयोजन हो या फिर दोस्तों की पार्टी, सभी जगहों पर रोशनी अपनी इस आदत से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेती है. सिर्फ रोशनी ही नहीं, बल्कि अकसर देखा जाता है कि लोग हंसने-हंसानेवाले व्यक्तियों से दोस्ती करना और उनके इर्द-गिर्द रहना पसंद करते हैं. मगर कई बार हंसी-मजाक के इस सिलसिले में हम उन दायरों को भुला बैठते हैं, जिन्हें पार करने पर मजाक को व्यंग्य बनते देर नहीं लगती. ऐसे में कई बार हम लोगों को खुश करने की बजाय अनजाने में किसी अपने के दिल को ठेस पहुंचा बैठते हैं. यदि आपको भी हंसने-हंसाने का शौक है, तो इस शौक से जुड़े कुछ दायरों को समझना न भूलें.

नजदीक आने का आसान तरीका

किसी अनजान की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाने और उससे अपनी दोस्ती को गहरा बनाने का सबसे आसान तरीका है, उसे अपनी बातों से हंसाना. बीए में पढ़नेवाली स्नेहा को अपनी सहेली अपराजिता से बातें करना काफी अच्छा लगता है. यूं तो स्नेहा की कॉलेज में और भी कई सहेलियां हैं, लेकिन अपराजिता का व्यवहार बाकी लड़कियों से अलग है. वह किसी की व्यक्तिगत बात को इधर से उधर करने की बजाय अपनी ही हंसने-हंसाने की दुनिया में रहना पसंद करती है. इस आदत के चलते कॉलेज के टीचर और अन्य छात्र भी उसको पसंद करते हैं.

दरअसल, हंसी दो लोगों के बीच एक सकारात्मक भावुकता पैदा करती है. इससे लोगों के बीच एक जुड़ाव पैदा होने लगता है. यदि कोई कहता है कि उसे किसी खास व्यक्ति के साथ रहना पसंद है, तो इसकी वजह यही होती है कि उस खास शख्स का साथ उसे हंसने-मुस्कुराने का मौका देता है. इसी तरह हंसने-हंसाने की आदत रिश्ते में नजदीकियां लाती है. मगर हंसी-मजाक के दौरान कई बार हम अपने मुंह से निकले शब्दों पर ध्यान नहीं देते और अनजाने में ही कुछ ऐसा बोल बैठते हैं जिससे मजाक को व्यंग में तब्दील होते देर नहीं लगती. और वह व्यंग्य सामनेवाले के दिल को ठेस पहुंचा कर रिश्तों में दूरियां पैदा होने का कारण बन जाता है.

छवि खराब कर सकती है यह आदत

रिश्तेदारों की शादी में शामिल होना अपनों के संग हंसी-मजाक करने का सबसे अच्छा बहाना होता है. इसी आदत के जरिये कुछ लोग नये माहौल में बड़ी आसानी से आपके दोस्त बन बैठते हैं, तो कुछ लोगों के मजाक आपका मूड खराब कर देते हैं. खास तौर से नयी-नयी शादी होने पर ससुराल का माहौल आपके लिए बिल्कुल नया होता है और वहां के लोगों के व्यवहार को भी आप नहीं जानतीं. ऐसे में ननद-देवर के मजाक जहां आपको हंसने-हंसाने के बहाने परिवार में घुलने-मिलने का मौका देते हैं, वहीं मर्यादा से बाहर जाकर किये गये मजाक न तो आपको पसंद आते हैं और न ही ऐसे मजाक करनेवाले व्यक्ति से ज्यादा बात करने का दिल करता है. न चाहते हुए बेतुके मजाक करनेवालों से दूर रहने और उनसे दूरी बरकरार रखने का मन करता है. पटना की नेत्र बताती हैं कि जब मैं शादी के बाद ससुराल आयी तो मेरे ननदोई जी अकसर मुझे अटपटे मजाक करके तंग करते.

मुझे उनके मजाक जरा भी अच्छे नहीं लगते. न जाने क्यों उनके प्रति मेरे मन में एक नकारात्मक छवि बन गयी और मैं उनसे दूर ही रहने लगी. शायद उन्हें भी इन बात का अंदाजा हो गया, इसीलिए उन्होंने मुझसे मजाक करना बंद कर दिया. अब भी मेरा उनसे ज्यादा बात करने का मन नहीं करता. न जाने क्यों उनके प्रति मन में एक नकारात्मक छवि बन गयी है. यही लगता है कि अगर मैंने उनसे ज्यादा बातें की तो वे फिर से सीमा से बाहर जाकर बेकार के मजाक करना शुरू कर देंगे.

मजाक में भी न सुनें गलत बात

दोस्तों की तरह ऑफिस के सहकर्मियों के बीच भी अकसर हंसने-हंसाने का सिलसिला कायम रहता है. मगर इस दौरान यदि कोई शख्स गलत बात बोल कर आपको हंसाने को कोशिश करे, तो उसकी गलत बातों पर हंस कर आप उसे बढ़ावा न दें. अपने अनुभवों के आधार पर दिल्ली की गौतमी कहती हैं कि मेरा एक कलीग ऑफिस आये दिन सबके सामने हंसते हुए यह कह देता कि गौतमी का क्या है ये तो फाइल के दो-चार पन्ने पलटती है और इसकी ड्यूटी पूरी हो जाती है. उसका यह मजाक एक बार तो मैंने सुन लिया, लेकिन जब वह अकसर इसी बात को दोहराने लगा, तो मु उस पर गुस्सा आने लगा. उसका मजाक भी लोगों को सच लगने लगा और बाकी लोगों ने भी मेरे काम का मजाक बनाना शुरू कर दिया. एक दिन सबसे साथ होने पर जब उसने अपनी इस हरकत को दोहराया तो मैंने उसे ऐसा करारा जवाब दिया कि सब के सब चुप हो गये. उसके बाद किसी ने मुझसे ऐसा मजाक नहीं किया. सच तो यह है कि कई बार हंसी-मजाक में बोले गये शब्द लोगों को सच लगने लगते हैं. ऐसे में सामनेवाले के गलत मजाक को रोकना काफी जरूरी हो जाता है.

इतना भी हल्का नहीं होता मजाक उड़ाना

मजाक, यह शब्द बोलने में जितना हल्का लगता है, असल में उतना हल्का होता नहीं. कई बार अनजाने में हंसी-मजाक में कहे शब्द किसी अपने के दिल को इतनी गहरी चोट पहुंचा देते हैं कि वह आपसे बात ही नहीं करना चाहता. जब हमें हकीकत मालूम होता है तो शर्मिंदगी महसूस होती है. इसलिए मजाक चाहे आप खुद कर रही हों या कोई आप से कर रहा हो, हमेशा जुबान पर संतुलन रखना चाहिए. अपनी हंसी-मजाक की आदत को बरकरार जरूर रखें, लेकिन किसी से मजाक करने से पहले उसकी भावनाओं को ध्यान में रखें और उसे पूरा सम्मान दें.

किसी का दिल दुखानेवाला मजाक न करें. मजाक ऐसा करें कि दूसरा इनसान अपने गमों को भुला कर दो पल खुशी के साथ जी सके. आप माहौल को खुशनुमा बनायेंगे, तो सब आपकी तारीफ करेंगे और आपको महफिल की जान समझेंगे. अच्छे मजाक लोगों को पास लाते हैं, जबकि व्यंग्य के लिए किये गये मजाक दूरी का कारण बनते हैं. कभी-कभी अपना ही मजाक बिना वजह बात का बतंगड़ बन जाता है. अतः मजाक हमेशा मर्यादा में रह कर ही करें.

खूब प्रचलन में है पार्लर एट होम

वैक्सिंग, ट्वीजिंग, थ्रेडिंग, फेशियल, ब्लीचिंग, मेनिक्योर, पेडिक्योर, हेयर कलरिंग, हेयर कटिंग और स्टाइलिंग, बॉडी पैक, हेयर रिमूवल... अरे बाप रे! आखिर क्या-क्या नहीं करना पड़ता महिलाओं को। आजकल तो महिलाओं को खूबसूरत बनाने के लिए कॉस्मेटिक इंडस्ट्रीज भी जी-जान से जुटी हैं। आप देख ही रही हैं कि हर रोज कोई न कोई थेरेपी या एक्सपेरिमेंट बाजार में छाए रहते हैं, ताकि महिलाओं को बुढ़ापा न छू पाए। और अगर बुढ़ापा है तो उसे किस तरह छुपाया जाए, मस्कारा या नेल पॉलिश कैसे बेहतर बनाई जाए, त्वचा और बालों की देखभाल किस तरह से हो वगैरह-वगैरह। फलों और फूलों वाली क्रीम और भी न जाने क्या-क्या चीजें बाजार में भरी पड़ी हैं।

तो देखा आपने इतना सारा तामझाम करना पड़ता है महिलाओं को। यहां सोचने वाली बात यह है कि नौकरीपेशा महिलाएं स्वयं के लिए किस तरह से मैनेज करती हैं यह सबकुछ। आखिर ऑफिस, घर, बच्चों की देखभाल के बीच खुद के लिए समय निकालकर ब्यूटी पॉर्लर में जाना काफी मशक्कत का काम होता है। ऐसे में अकसर कई महिलाएं तो ब्यूटी पॉर्लर का रुख ही भूल जाती हैं। लेकिन शायद आपको जानकर हैरानी होगी कि कुछ महिलाओं ने अब इसका तोड़ ढूंढ निकाला है। अब उन्हें अपने सारे कामों के बीच ब्यूटी पॉर्लर जाने के लिए खासतौर से समय नहीं निकालना पड़ता और वह घर बैठे ही बन जाती हैं खूबसूरत।

आखिर क्या है यह तरीका, जानना चाहेंगी? जरा ध्यान दीजिए- अब आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं, अब आप ब्यूटीशियन को बुलाकर घर पर ही अपना ब्यूटी ट्रीटमेंट करवा सकती हैं। प्राइवेट फर्म में काम करने वाली प्रमिला बताती हैं कि, मैं पहले पूरी ट्रीटमेंट करवाने के लिए पॉर्लर जाती थी। मुझे पूरा एक दिन निकालना पड़ता था, जिसकी वजह से मैं कई दूसरे जरूरी काम नहीं कर पाती थी। फिर पॉर्लर में बैठे-बैठे मैं मोबाइल से फोन पर बात करके काम चलाती थी। इस तरह से निबटाए गए काम से मुझे कभी संतुष्टि नहीं हुई। लेकिन अब मैं महीने में एक बार संडे के दिन ब्यूटीशियन को घर पर ही बुलाती हूं और वह मेरी पूरी ट्रीटमेंट कर देती है। समय की बचत करने का यह सबसे आसान उपाय बन कर उभरा है। इस तरह से ब्यूटीशियंस को घर पर बुलाने में करीब 1000 रुपये से लेकर 4000 रुपये तक का खर्च आ सकता है। ट्रीटमेंट की राशि इस बात पर निर्भर करती है कि आप किस तरह की ट्रीटमेंट करवाएंगी।

एक दूसरे को हीनभावना से उबारें पति-पत्नी

कई बार महिलाएं समझ ही नहीं पाती हैं कि उनके पति हीनभावना से ग्रस्त हैं। इसके लिए उनके व्यवहार में आए बदलाव को नोट किया जा सकता है। यदि पति आफिस से आकर अपने कपड़े तथा जूते-मोजे इधर-उधर फेंक कर कमरा अस्त-व्यस्त कर दे तो समझ जाइए कि उन्हें आफिस में कोई परेशानी है।

पति-पत्नी गृहस्थी के दो पहिए हैं। एक-दूसरे के बिना गृहस्थी की गाड़ी नहीं चल सकती। ऐसे में आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी एक का हीनभावना से ग्रस्त हो जाना पूरे परिवार की गाड़ी में ब्रेक लगा देता है। हीनभावना का कारण चाहे कुछ भी हो परन्तु पति-पत्नी को एक-दूसरे की हीनभावना को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। कई बार महिलाएं समझ ही नहीं पाती हैं कि उनके पति हीनभावना से ग्रस्त हैं। इसके लिए उनके व्यवहार में आए बदलाव को नोट किया जा सकता है। यदि पति आफिस से आकर अपने कपड़े तथा जूते-मोजे इधर-उधर फेंक कर कमरा अस्त-व्यस्त कर दे तो समझ जाइए कि उन्हें आफिस में कोई परेशानी है। कई बार होता यह है कि आफिस में महिला बॉस आ जाए और वह सख्ती शुरू करे तो पुरुष उसे आसानी से सहन नहीं कर पाते। महिला बॉस की एक-दो डांट से ही पुरुषों के मन में हीनभावना पनपने लगती है।

कई बार पत्नी की खूबसूरती भी पति में हीनभावना पनपाने में सहायक होती है। हर कोई जब पत्नी की खूबसूरती की तारीफें करता रहे और पति को पूछे भी न और यह कहे कि तुह्मारी तो लाटरी खुल गई जो तुम जैसे को इतनी खूबसूरत पत्नी मिल गई। ऐसे में पति के मन में हीनभावना पनपना स्वाभाविक ही है। अपने पति को हीनभावना से निकालना आपका कर्तव्य है। पहले तो प्रयास करें कि ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपके गुणों के कारण नहीं बल्कि खूबसूरती के कारण आपकी तारीफ करते हैं। अपने पति को यह एहसास दिलाना जरूरी है कि आपकी नजरों में खूबसूरती से ज्यादा गुण महत्व रखते हैं और आप उन्हें इसीलिए चाहती हैं क्योंकि उनमें सब गुण मौजूद हैं। उन्हें बताइए कि आप उनके कुछ गुणों को अपनाना चाहती हैं।

पति की उदासीनता के कई कारण माने गए हैं पर सबसे बड़ा कारण अहं होता है। जब किसी आदमी के अहं को ठेस पहुंचती है तो वह या तो दुनिया से स्वयं को काट लेता है या दुनिया पर हावी हो जाने की कोशिश करता है। जो व्यक्ति हावी हो जाता है वह अपनी हीनभावना की कड़वाहट को प्रसिद्धि पाने के प्रयास में उपयोग कर लेता है और जो व्यक्ति स्वयं को दुनिया से अलग कर एक खोल में बंद हो जाता है उसका व्यक्तित्व ही समाप्त हो जाता है। कई बार पत्नी की शोहरत से ईर्ष्या कर के भी पति के मन में हीनभावना आ जाती है। पति के मन में यदि हीनभावना घर कर जाए तो वह आपको नजरअंदाज तो करेगा ही और बच्चों की तरफ भी ज्यादा नहीं झुकेगा। निश्चय ही वह अपने लिए बाहर कोई सहारा तलाश करेगा। यदि आप पत्नी होकर पति से अपने बर्थडे व अन्य खास बातें याद रखने को कहती हैं तो पत्नी होकर आपका भी दायित्व बनता है कि आप पति के साथ कदम से कदम मिला कर दांपत्य जीवन को सफल बनाएं न कि पति के हीनभावना से ग्रस्त होने पर उनका दामन छोड़ कर मायके न चली जाएं। पति-पत्नी दोनों के ही कुछ कर्तव्य होते हैं। जब आपको पति ने कुछ हक दिए हैं तो उसी के साथ आपके कुछ कर्तव्य भी हैं जिनका पालन करना आपके लिए बेहद जरूरी है। आपको चाहिए कि पति की हीनभावना दूर करने के लिए भरसक प्रयास करें।